THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 215 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **कार्तिक कृ.11 2083 गुरुवार, 5 नवंबर-2026**

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ :** 16 **मूल्य :** 8 रुपये



कांग्रेस ने किसान को मजदूर बना दिया : यादाद्री जिले के कोंडरेड्डीचेरुवु की दुर्दशा

राजपेट, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कभी मैं एक किसान हुआ करता था... आज अपने परिवार को बचाने के लिए मुझे दिहाड़ी मजदूर बनना पड़ा है। छह एकड़ में बड़ी मेहनत से लगाई गई फसल सूख गई, जिससे किसान की आंखों में आंसू आ गए। जिन अन्य किसानों की आजीविका खेती पर निर्भर थी, उन्हें अब मजदूरी करनी पड़ रही है। यादाद्री भुवनगिरी जिले के राजपेट मंडल के कोंडरेड्डीचेरुवु गांव के रहने वाले नील लक्ष्मी नारायण के पास जमीन है। उन्होंने तीन एकड़ में धान की खेती की थी। जब फसल में कल्ले फूटने का समय आया, तब बिजली गुल हो गई; फिर बारिश की कमी के कारण फसल बर्बाद हो गई। सारी पूंजी डूब जाने से वे गहरे संकट में आ गए।

अपने चार मवेशियों को पानी और चारा न दे पाने के कारण, उन्हें बेचना पड़ा। एक तरफ फसल का नुकसान और दूसरी तरफ परिवार के भरण-पोषण का बोझ इन हालात ने उन्हें दिहाड़ी मजदूर बनने पर मजबूर कर दिया। जो हाथ कभी अपने खेतों में किसान के रूप में काम करते थे, वे अब दूसरों के यहां मजदूरी कर रहे हैं। कई लोग ऐसे हैं जिन्हें धान की खेती से अपनी आजीविका चलाने के लिए भारी संघर्ष करना पड़ रहा है।

कंडक्टर प्रवलिका की मौत

परिवार को टीजीएसआरटीसी की ओर से 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि (एक्स-ग्रेशिया) दी जाएगी



हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टिकट के पैसों और बहसबाजी को लेकर यात्रियों के साथ हुए विवाद के बाद, एक महिला आरटीसी कंडक्टर ने अपनी जान गंवा दी। टीजीएसआरटीसी की महिला कंडक्टर गुंधाल प्रवलिका (24) चलती बस से यात्रियों द्वारा धक्का दिए जाने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। इलाज के दौरान रात उनकी मौत हो गई। हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में लगभग दस दिनों तक मौत से जूझने के बाद उन्होंने दम तोड़ दिया।

यह घटना 25 अक्टूबर को भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले के अश्वपुरम मंडल में मिट्टागुडु गांव के पास हुई थी। मनुगुरु डिपो की कर्मचारी प्रवलिका, मनुगुरु से भद्राचलम जाने वाली 'पल्ले वेलुगु' बस में कंडक्टर के तौर पर काम करती थीं।

उसी बस में मौनिका नाम की एक महिला अपने बेटे के साथ यात्रा कर रही थी। बच्चे के टिकट के पैसे और 100 रुपये के नोट के खुले (बचे हुए पैसे) वापस करने को लेकर कंडक्टर और यात्री के बीच बहस हो गई। टिकट उपलब्ध न होने के कारण, उन्होंने यात्रियों को टिकट दे दिए और नियम के अनुसार बाकी पैसे बाद में लेने के लिए कहा। लेकिन इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। जब बस मिट्टागुडु के पास पहुंची, तो विवाद और गहरा गया। इस दौरान, महिला यात्री ने प्रवलिका को चलती बस से बाहर धक्का दे दिया। इसके चलते वह सड़क पर गिर गईं और बस के पिछले पहिए उनके पैरों के ऊपर से गुजर गए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं।

इस घटना से बस में सवार अन्य यात्री भी काफी घबरा गए। उन्हें तुरंत भद्राचलम के अस्पताल ले जाया गया और प्राथमिक उपचार दिया गया। हालत गंभीर होने के कारण, बेहतर इलाज के लिए उन्हें हैदराबाद के साई संजीवनी अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया। वहां डॉक्टरों ने उनका इलाज किया, लेकिन उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ और मंगलवार रात उन्होंने अंतिम सांस ली।

आरटीसी कर्मचारियों और मजदूर संघ के नेताओं ने प्रवलिका की मौत पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने कहा कि ड्यूटी पर तैनात एक महिला कर्मचारी पर इस तरह का हमला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने मांग की कि सरकार उनके परिवार को सभी जरूरी सुविधाएं दे, आर्थिक मदद करे और परिवार के सदस्यों को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराए। शव को पोस्टमार्टम के लिए हैदराबाद के उस्मानिया अस्पताल ले जाया गया। इस घटना के विरोध में, खम्मम इलाके के आरटीसी कर्मचारियों ने हड़ताल का आह्वान किया। इसके चलते कई इलाकों में बसें बंद रहीं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

10 लाख रुपये का मुआवजा... मां को नौकरी

परिवहन और बीसी कल्याण विभाग के मंत्री पोन प्रभाकर ने प्रवली की मौत पर गहरा दुख जताया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार और आरटीसी प्रबंधन उनके परिवार की पूरी मदद करेंगे। आरटीसी ने पीड़ित परिवार को 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। मंत्री ने बताया कि परिवार को एक घर भी दिया जाएगा और प्रवली की मां को नौकरी भी दी जाएगी।

टीजीएसआरटीसी के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक वाई. नागीरेड्डी ने भी उनकी मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। कहा जा रहा है कि इस संगठन के साथ समय से पहले मौत होने का एक दुखद इतिहास जुड़ा है। संगठन ने पीड़ित परिवार के साथ खड़े रहने का भरोसा दिया है।

बालानगर पार्टी में शराब पिलाकर दो छात्राओं का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बालानगर में एक पार्टी में अत्यधिक शराब पिलाने के बाद दो युवकों ने दो छात्राओं का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, घाना और तरूण नाम के संदिग्धों ने कथित तौर पर दोनों छात्रों को बालानगर में एक पार्टी में आमंत्रित किया था। आयोजन स्थल पर ले जाने के बाद, दोनों ने कथित तौर पर छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने से पहले उन्हें बड़ी मात्रा में शराब पिलाई।

कथित तौर पर घटना के बाद छात्र गंभीर रूप से बीमार पड़ गए और बाद में उन्हें मधुरानगर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना तब सामने आई जब महिलाओं ने मधुरानगर पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। उनकी शिकायत के आधार पर मधुरानगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पता चला है कि क्षेत्राधिकार के मुद्दे पर मामला बालानगर स्थानांतरित किया जा सकता है। पुलिस उन परिस्थितियों की जांच कर रही है जिनके तहत छात्रों को पार्टी में ले जाया गया और कथित हमला हुआ।

ईडी एपीपीएससी ग्रुप- मूल्यांकन घोटाले में 7 जगहों पर तलाशी ली; पूर्व आईपीएस अधिकारी हिरासत में

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के हैदराबाद ज़ोनल ऑफिस ने बुधवार को तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में सात जगहों पर तलाशी ली। यह कार्रवाई आंध्र प्रदेश लोक सेवा आयोग (एपीपीएससी) की ग्रुप-मेन्स परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में हुई कथित अनियमितताओं से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में की गई।

पूर्व आईपीएस अधिकारी पीएसआर आंजनेयुलु के घर पर भी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान हैदराबाद और उसके आस-पास के छह ठिकानों और गुंटूर जिले के एक ठिकाने की जांच की गई।

इनमें बंजारा हिल्स की पंचवटी कॉलोनी स्थित 'कैमसाइन मीडिया प्राइवेट लिमिटेड' और इसके मैनेजिंग डायरेक्टर पी. मधुसूदन राव का एर्रामंजिल (पंजागुट्टा) स्थित घर शामिल है। ईडी की टीमों ने रंगारेड्डी जिले के कासिमबोवली में, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी और एपीपीएससी के पूर्व सचिव पीएसआर आंजनेयुलु से जुड़े ठिकानों की भी तलाशी ली। हैदराबाद में अन्य जगहों में सिकंदराबाद की डिफेंस कॉलोनी स्थित 'टू-ग्रेडर सर्विसेज' (जो 'स्टोन मीडिया एडवाइजरी सर्विसेज प्राइवेट



लिमिटेड' का एक हिस्सा है) शामिल है।

इसके अलावा, नेरेडमेट में अकेल्ला पेरी श्रीनिवास राव और अलवाल के वेंकटपुरम में महामकाली रघुराम से जुड़े ठिकानों पर भी तलाशी ली गई। आंध्र प्रदेश में, गुंटूर जिले के मंगलगीरी मंडल के चिनाकाकानी स्थित 'आवासा रिसॉर्ट हाईलैंड' में भी तलाशी ली गई; आरोप है कि यहीं पर उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया था।

ईडी ने 'प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट' (पीएमएलए) के तहत एक 'एनफोर्समेंट केस इंफॉर्मेशन रिपोर्ट' (ईसीआईआर) दर्ज की है। यह कार्रवाई आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा शुरू की गई आपराधिक जांच और बाद में एसआईटी (विशेष जांच दल) द्वारा अपने हाथ में लिए गए मामले के आधार पर की गई है। यह मामला अप्रैल 2025 में विजयवाड़ा के सूर्यरावपेट पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। इसमें आईपीसी की उन धाराओं का इस्तेमाल किया गया है जो आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी, खातों में हेराफेरी और आपराधिक साजिश से जुड़ी हैं।

एसआईटी की जांच के अनुसार, 'कैमसाइन मीडिया' ने कथित तौर पर ग्रुप- मेन्स की उत्तर पुस्तिकाओं को 84 दिनों तक अपने पास रखा। इस दौरान, बिना किसी वास्तविक मूल्यांकन के, 66 अयोग्य लोगों को काम पर रखा गया ताकि वे ओएमआर शीट पर पहले से तय किए गए अंक भर सकें। जांचकर्ताओं का आरोप है कि इसमें 1.14 करोड़ रुपये से अधिक की सरकारी धनराशि का दुरुपयोग किया गया। अंजनेयुलु के बचाव पक्ष का कहना है कि हाई कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए, मैन्युअल मूल्यांकन (हाथ से मूल्यांकन) कराने का निर्णय सामूहिक रूप से लिया गया था, और रिसॉर्ट का चयन लॉजिस्टिक तथा सुरक्षा कारणों से किया गया था। इन आरोपों की जांच अभी चल रही है।

वन विभाग आग बुझाने के लिए आसमान का सहारा लेने की तैयारी कर रहा है

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूखे के हालात को देखते हुए जंगल में भीषण आग लगने का खतरा बढ़ गया है। इसे देखते हुए वन विभाग एक ऐसा हेलीकॉप्टर खरीदने पर विचार कर रहा है, जिसमें पानी की बाल्टी (वाटर बकेट) लगी हो। इससे विभाग की आग बुझाने की क्षमता मजबूत होगी और वे उन दुर्गम इलाकों तक जल्दी पहुँच सकेंगे जहाँ आग लगी हो। राज्य में आग की चपेट में आने वाले वन क्षेत्रों के विस्तार को देखते हुए इस प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है।

साल 2024 में लगभग 4,182 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र जल गया था, और 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 4,529 वर्ग किलोमीटर हो गया। फिलहाल, विभाग के पास 45 'क्विक रिएक्शन टीमें' (क्यूआरटी) हैं, जो मुख्य रूप से ब्लोअर (हवा फेंकने वाली मशीनें) से लैस हैं और संवेदनशील इलाकों में तैनात हैं। हालांकि, अधिकारियों का मानना है कि आग वाली जगहों पर, खासकर मुश्किल इलाकों में, जल्दी पहुँचने से समय की बचत होगी और आग को फैलने से पहले ही काबू में किया जा सकेगा।

केटी रामा राव ने गोदावरी के पानी की बहाली को कवि मल्लावज्झला के लिए सच्ची श्रद्धांजलि बताया



हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि गोदावरी नदी के पानी को फिर से कृषि कार्यों के लिए उपलब्ध कराना, कवि मल्लावज्झला सदाशिवुडु के लिए एक सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने याद दिलाया कि सदाशिवुडु का गीत थलपुना पारुथुंडी गोदावरी तेलंगाना राज्य आंदोलन के दौरान जल अधिकारों के लिए लोगों को प्रेरित करने वाला एक अहम गीत था। तेलंगाना आंदोलन में कविता और गीतों की भूमिका को याद करते हुए उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक अभिव्यक्ति ने राज्य के लिए चल रहे संघर्ष में लोगों का भरोसा बनाए रखने में मदद की। तेलंगाना विकास समिति द्वारा आयोजित 'मल्लावज्झला सदाशिवुडु मेमोरियल अवार्ड्स' समारोह में बोलते हुए, रामा राव ने कहा कि बीआरएस की बार-बार की अपीलों के बावजूद सरकार ने पानी उपलब्ध कराने और खड़ी फसलों को बचाने की ओर कोई ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की इस अनदेखी के कारण, नदियों में भरपूर पानी होने के बावजूद खेत सूखे रह गए।

उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के प्रति राजनीतिक दुश्मनी के चलते, सरकार ने कालेश्वरम और पालमुरु-रंगा रेड्डी परियोजनाओं की उपेक्षा की। उन्होंने बताया कि मानसून के पहले साढ़े सात महीनों के दौरान गोदावरी नदी में 750 टीएमसीएफटी और कृष्णा नदी में 258 टीएमसीएफटी पानी बह गया। उन्होंने कहा कि लगभग 1,000 टीएमसीएफटी पानी समुद्र में चला गया, जबकि किसान सिंचाई के लिए संघर्ष करते रहे।

इस समारोह में, 2024-25 और 2025-26 के लिए मेमोरियल अवार्ड्स क्रमशः चेमन सिंह और संगिशेट्टी श्रीनिवास को दिए गए। इसके अलावा, साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में योगदान के लिए तिरुनगरी देवकीदेवी और कव्वमपल्ली स्वामी को भी सम्मानित किया गया।

सबिता इंद्रा रेड्डी ने अल्मासगुडा में महिलाओं पर हुए हमले की निंदा की

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की पूर्व मंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की विधायक सबिता इंद्रा रेड्डी ने बुधवार को रंगा रेड्डी जिले के अल्मासगुडा इलाके में दो महिलाओं पर हुए कथित हमले की निंदा की। उन्होंने तेलंगाना पुलिस से अपील की कि वे दोषियों की पहचान करें और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करें। यह घटना हैदराबाद के मीरपेट पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अल्मासगुडा में हुई। बताया जा रहा है कि वहां के स्थानीय लोगों ने दो महिलाओं को पकड़ा, जो स्कूली छात्राओं के बीच ईसाई धर्म का प्रचार कर रही थीं और कथित तौर पर उनका धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश कर रही थीं।

जानकारी के अनुसार, स्थानीय लोगों ने इन महिलाओं से धर्म परिवर्तन की गतिविधियों को लेकर सवाल-जवाब किए और फिर उन पर हमला कर दिया। इस पूरी घटना का वीडियो मोबाइल फोन में रिकॉर्ड हो गया, जो अब



सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, सबीता इंद्रा रेड्डी ने अपने 'एक्स (ट्विटर) हैंडल पर दुख जताया।

उन्होंने कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े किसी भी मुद्दे पर आपत्ति होने पर, उसे शारीरिक हिंसा के बजाय कानूनी तरीके से सुलझाया जाना चाहिए।

अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, रंगा रेड्डी जिले के अल्मासगुडा इलाके में एक व्यक्ति द्वारा दो महिलाओं पर बेरहमी से हमला किए जाने का वीडियो देखना बहुत दुखद है। उन्होंने आगे कहा, अगर किसी को धार्मिक स्वतंत्रता के मामलों पर कोई आपत्ति है, तो उसे कानूनी रास्ते से अपनी बात रखनी चाहिए; महिलाओं के खिलाफ शारीरिक हिंसा का सहारा लेना किसी भी स्थिति में जायज नहीं है।

पुलिस से तुरंत कार्रवाई की मांग करते हुए, बीआरएस विधायक ने कहा, तेलंगाना पुलिस को इस घटना पर तुरंत संज्ञान लेना चाहिए, दोषियों की पहचान करनी चाहिए और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही, पुलिस को पीड़ितों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए और उन्हें न्याय दिलाना चाहिए। हम महिलाओं पर हुए इन हमलों की कड़ी निंदा करते हैं।

मलकपेट में रिटायर्ड एसपी की कार पर हमला

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मलकपेट में कुछ उपद्रवियों ने शहर के एक रिटायर्ड एसपी की कार पर हमला कर दिया। उन्होंने इस हमले की शिकायत मलकपेट पुलिस से की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, वारंगल जिले के रिटायर्ड एसपी एस. डी. गौतम मुसरमबाग की एसबीआई कॉलोनी में रहते हैं। मंगलवार रात कुछ लोगों ने उनकी कार को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया।

इस हमले में उनकी कार का पिछला शीशा पूरी तरह टूट गया और नंबर प्लेट को भी नुकसान पहुंचा। रिटायर्ड एसपी ने अपनी शिकायत में बताया है कि इस घटना में उन्हें नुकसान हुआ है। शिकायत में यह भी बताया गया है कि कार से राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) भी हटा दिया गया था। मलकपेट पुलिस ने रिटायर्ड एसपी के घर और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है।

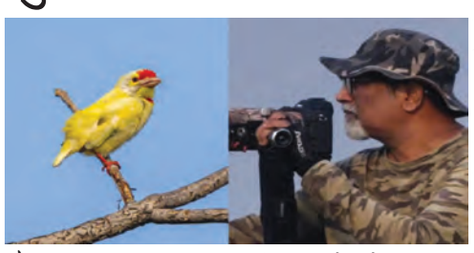
अनाज बेचने के लिए सड़क पार कर रहे किसान की कार की टक्कर से मौत

मेडक, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेडक जिले में अनाज बेचने जा रहे एक किसान की कार की टक्कर से मौत हो गई। इस हादसे में औरंगाबाद के हवेली घनपुर मंडल के रहने वाले तिरुपति किशन (65) की जान चली गई। गांवों में सरकारी आईकेपी अनाज खरीद केंद्र न होने के कारण, उन्हें अनाज बेचने के लिए निजी व्यापारियों पर निर्भर रहना पड़ा और इसी दौरान वे सड़क हादसे का शिकार हो गए।तिरुपति किशन ने अपने खेत में फसल की कटाई पूरी कर ली थी और अनाज बेचने की तैयारी में थे।

ग्रामीण इलाकों में सरकारी खरीद केंद्र न होने की वजह से उन्हें निजी व्यापारियों और बिचौलियों पर निर्भर रहना पड़ा। इसी सिलसिले में, 10:45 बजे वे घर से निकले। औरंगाबाद गेट के पास पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास सड़क पार करते समय, पीछे से तेज रफ्तार में आई एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल किशन को एम्बुलेंस से सरकारी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। परिजनों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि सरकारी अस्पताल में न तो ड्यूटी पर डॉक्टर मौजूद थे और न ही बिजली थी, जिससे इलाज पाने में काफी दिक्कतें आईं।

उनका कहना है कि अगर समय पर इलाज मिल जाता, तो शायद उनकी जान बच सकती थी। किशन की मौत से उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनके परिवार में पत्नी और तीन बेटे हैं। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दुर्घटना करने वाली कार की पहचान कर ली गई है और ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की गई है। परिजन इस मामले में आगे की कार्रवाई चाहते हैं। साथ ही, सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों की अनुपस्थिति और बिजली न होने को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों से जांच की मांग की जा रही है।

संगारेड्डी की कोडाकांची झील में दिखा बेहद दुर्लभ क्रीम-पीले रंग का कॉपरस्मिथ बार्बेट



हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पक्षी प्रेमियों के लिए, इन दिनों सभी रास्ते संगारेड्डी की कोडाकांची झील की ओर जाते दिख रहे हैं। स्थानीय पक्षी प्रेमी राज, जैग्स और श्याम (जिन्हें 'बर्डिंग ट्रियो' कहा जाता है) के लिए सुबह की एक आम पक्षी-दर्शन यात्रा तब एक अविस्मरणीय वैज्ञानिक नज़ारे में बदल गई, जब उन्हें बिल्कुल सामने एक बेहद दुर्लभ और अनोखा पक्षी दिखाई दिया। शहर के जाने-माने पक्षी प्रेमी और विशेषज्ञ श्याम सुंदर पोट्टुरी बताते हैं, आम तौर पर दिखने वाले लाल और हरे रंग के कॉपरस्मिथ बार्बेट (साइलोपोगोन हेमेसेफालस) के झुंड के बीच, एक चमकदार क्रीम-पीले रंग का पक्षी बैठा था। इस तिकड़ी ने बताया, शुरुआत में हम बहुत उत्साहित थे, क्योंकि हमें लगा कि हमने कोई बिल्कुल नई प्रजाति खोज ली है।

उन्होंने 'तेलंगाना टुडे' को बताया, बाद में यह उत्साह और भी बढ़ गया, जब हमें एहसास हुआ कि हम असल में क्या देख रहे हैं: एक जानी-पहचानी प्रजाति में हुआ एक अद्भुत और अनोखा जेनेटिक म्यूटेशन (आनुवंशिक बदलाव)।

उन्होंने कहा, जानवरों की दुनिया में ल्यूसिज्म (मेलानिन की कमी से हल्के रंग के धब्बे पड़ना) और मेलानिज्म (गहरे रंग के पिगमेंट की अधिकता) जैसे बदलाव कभी-कभी देखने को मिलते हैं, लेकिन प्राकृतिक रूप से इस तरह का बड़ा रंग परिवर्तन होना बेहद दुर्लभ है। तो, प्राकृतिक रूप से पन्ने जैसे हरे रंग का पक्षी, सुनहरे रंग का कैसे हो जाता है? श्याम सुंदर पोट्टुरी ने समझाया, आम तौर पर, कॉपरस्मिथ बार्बेट के हरे रंग के पंख एक तरह का 'ऑप्टिकल इल्यूज़न' (दृष्टि भ्रम) होते हैं। यह कई चीजों के मेल से बनता है: गहरे रंग के मेलानिन पिगमेंट, पंखों में मौजूद प्रकाश को बिखेरने वाली सूक्ष्म संरचनाएं, और इनके नीचे प्राकृतिक रूप से मौजूद पीले और लाल पिगमेंट (कैरोटीनॉयड)।

उन्होंने आगे बताया, जब किसी दुर्लभ जेनेटिक या मेटाबॉलिक गड़बड़ी के कारण मेलानिन का बनना रुक जाता है, तो हरे रंग का वह प्रभाव पूरी तरह खत्म हो जाता है। हरे रंग को बनाने वाले गहरे मेलानिन के न होने पर, उसके नीचे मौजूद पीले कैरोटीनॉयड सामने आ जाते हैं जिससे पक्षी का रंग बदलकर सुनहरा हो जाता है।

जीएसटी जांच में 100 रेस्तरां चिह्नित इनमें से 80 हैदराबाद के हैं

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के जीएसटी विभाग ने पाया है कि कुछ ऐसे रेस्तरां, जो अब गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) के तहत रजिस्टर्ड नहीं हैं, वे अभी भी ग्राहकों से टैक्स वसूल रहे थे। वहीं, कुछ अन्य रेस्तरां ने ऐसे क्रेडिट का दावा किया, जिसे लेने की उन्हें अनुमति नहीं थी। अनुसार, 100 से अधिक रेस्तरां और भोजनालयों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से ज्यादातर हैदराबाद में हैं। अधिकारियों ने बताया कि जांच के दायरे में आने वालों में माधापुर-हाई-टेक सिटी इलाके का एक लोकप्रिय रेस्तरां भी शामिल है। लगभग 100 प्रतिष्ठानों की जांच की जा रही है, जिन्होंने अपना रजिस्ट्रेशन रद्द होने के बाद भी ग्राहकों से जीएसटी वसूला।

इनमें से करीब 10 रेस्तरां ऐसा करते हुए पकड़े भी जा चुके हैं। एक बार रजिस्ट्रेशन रद्द हो जाने पर, कोई भी कारोबार न तो टैक्स वसूल सकता है और न ही टैक्स इनवॉइस जारी कर सकता है। आमतौर पर, लंबे समय तक रिटर्न फाइल न करने पर रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया जाता है।

रोक के बावजूद क्रेडिट का दावा

जो रेस्तरां 5 प्रतिशत की रियायती जीएसटी



दर चुनते हैं, वे अपने व्यावसायिक खर्चों पर 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' (आईटीसी) का दावा नहीं कर सकते। उन्हें अपना पूरा टैक्स नकद (कैश) में चुकाना होता है।

अधिकारियों ने पाया कि कई रेस्तरां कच्चे माल और अन्य इनपुट पर दिए गए टैक्स के क्रेडिट का इस्तेमाल करके अपना बकाया टैक्स कम कर रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद और अन्य जिलों के लगभग 80 रेस्तरां और भोजनालय इस श्रेणी में आते हैं। विभाग अभी यह पता लगा रहा है कि इससे टैक्स पर कितना असर पड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि असेसमेंट (मूल्यांकन) पूरा होने के बाद, बकाया टैक्स और जुर्माना वसूल किया जाएगा।

ये कैसे पकड़े गए?

ये गड़बड़ियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित एनालिटिक्स के जरिए सामने आईं। यह सिस्टम जीएसटी रिटर्न का मिलान रजिस्ट्रेशन स्टेटस, सप्लायर इनवॉइस, खरीद रिकॉर्ड, बिक्री डेटा और डिजिटल पेमेंट ट्रांजैक्शन से करता है।

एक वरिष्ठ टैक्स अधिकारी ने कहा, एनालिटिक्स की मदद से, इस तरह की धोखाधड़ी का बिना पकड़े बच पाना अब बहुत मुश्किल होता जा रहा है। विभाग अब जीएसटी की निगरानी को और सख्त करने के लिए तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में इस्तेमाल होने वाले एआई -आधारित कंप्लायंस मॉडल का अध्ययन कर रहा है।

इस सर्दी में दुर्लभ ग्रहों, उल्कापातों की बारिश देखने को मिलेगी

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य हिस्सों में शौकिया स्टारगेज़र एक दुर्लभ खगोलीय उपहार के लिए हैं क्योंकि 2026 के अंतिम सप्ताह ब्रह्मांडीय घटनाओं की एक श्रृंखला लेकर आ रहे हैं। तेलंगाना टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर और दिसंबर के बीच रात के आसमान में एक प्रभावशाली दोहरा प्रदर्शन होता है: एक आकर्षक पूर्व-भोर ग्रहों की परेड और दो प्रमुख शीतकालीन उल्का वर्षा। खगोलीय शो शाम को शनि के साथ खुलता है, जिसकी प्रमुख वलय प्रणाली पूरे नवंबर में आकाश में चमकती रहेगी। यहां तक कि एक मामूली दूरबीन से लैस, स्थानीय खगोल विज्ञान उत्साही आसानी से गैस विशाल और उसके प्रतिष्ठित छल्लों को अलग कर सकते हैं। सूर्योदय से पहले, ब्रह्मांडीय क्रिया पूर्वी क्षितिज की ओर स्थानांतरित हो जाती है।

सुबह-सुबह आकाश में फैली, एक आकर्षक चार-ग्रह परेड बुध, शुक्र, मंगल और बृहस्पति को एक साथ लाती है - एक अनोखी घटना जिसे नग्न आंखों से स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।साल के अंत में आसमान में होने वाले नज़ारों में दो मशहूर उल्का बौछारें सबसे खास होती हैं लियोनिड्स (नवंबर के मध्य में): ये सौर मंडल में सबसे तेज़ गति से चलने वाले टूटते तारों के लिए जाने जाते हैं।



THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com



वर्ष-31 अंक : 215 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.11 2083 गुरुवार, 5 नवंबर-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

17,314 करोड़ रुपये की दो योजनाओं को मंजूरी



नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को देश की ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए दो महत्वपूर्ण योजनाओं को मंजूरी दी। इनमें 92 जीडब्ल्यूएच ग्रिड-स्केल ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के लिए 14,500 करोड़ रुपये का व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण शामिल है। इसके अतिरिक्त, लिथियम और निकल जैसे महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने हेतु 2,814 करोड़ रुपये की योजना को भी हरी झंडी मिली।

इन दोनों योजनाओं के लिए कुल 17,314 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। ये निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल बैठक में लिए गए। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को इन फैसलों की जानकारी दी। ऊर्जा भंडारण योजना वित्तीय वर्ष 2027 से वित्तीय वर्ष 2031 के बीच लागू होगी। यह भारत के 2030 तक 500 जी डब्ल्यू नवीकरणीय ऊर्जा के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होगी। यह विकास भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अग्निवीरों को सरकार का दिवाली गिफ्ट!
75% को 2 साल एक्सटेंशन-सैलरी भी बढ़ेगी, नौकरी पक्की

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। नरेंद्र मोदी सरकार ने अग्निवीरों को बड़ा दिवाली गिफ्ट दिया है। केंद्र ने अग्निवीरों की सेवा अवधि बढ़ाने का ऐलान किया है। सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बताया कि अग्निवीरों को दो साल का और इंगेजमेंट पीरियड मिलेगा। इसके बाद आर्म्ड फोर्सेज में भी एनरोलमेंट किया जाएगा। दो साल का पीरियड पूरा होने के बाद ऑब्जेक्टिव सेलेक्शन प्रक्रिया के जरिए उन्हें सेना में भर्ती का मौका मिलेगा। सरकार ने बुधवार को 'अग्निवीरों' को दो साल का सेवा विस्तार देने की घोषणा की।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में फैसला

यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब करीब 18,000 अग्निवीरों को कुछ सप्ताह बाद सशस्त्र बलों से सेवामुक्त होना था। सीडीएस जनरल एन एस राजा सुब्रमणि ने कहा कि सभी अग्निवीरों को सशस्त्र बलों में अपनी सेवा जारी रखने का अवसर दिया जाएगा। सीडीएस ने कहा कि यह अवसर उनके प्रदर्शन और उसके आकलन पर निर्भर करेगा। 'अग्निपथ' योजना के तहत अग्निवीरों की भर्ती चार साल के कार्यकाल के लिए की गई थी। इसमें प्रावधान था कि इनमें से केवल 25 प्रतिशत अग्निवीरों को ही नियमित सेवा में बरकरार रखा जाएगा। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कहा कि आज का दिन भारतीय रक्षा बलों और हमारे 'अग्निवीरों' के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

सीईसी ज्ञानेश पर 20 साल पुराने आरोप की जांच होगी

> केरलम में 2 करोड़ रुपये रिश्वत मांगने का आरोप



तिरुवनंतपुरम, 4 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 20 साल पुराने रिश्वत मांगने के आरोपों की जांच होगी। केरलम के गृहमंत्री मेश चेन्निथला ने विजिलेंस को जांच के आदेश दिए हैं। यह मामला सड़क निर्माण प्रोजेक्ट से जुड़ा है। उस समय ज्ञानेश कुमार राज्य में पीडब्ल्यूडी सचिव थे। कोल्लम के ठेकेदार साजन का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार ने केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (केएसटीपी) का काम पूरा होने के बाद पेमेंट करने के बदले 2 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी थी।

इस समय कांग्रेस की अगुवाई में पूरे देश में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एसआईआर में गड़बड़ी के आरोप लगाए जा रहे हैं। इसी साल मई में हुए विधानसभा चुनाव में केरलम में कांग्रेस की अगुवाई वाले यूडीएफ ने 140 में से 97 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया। कांग्रेस ने यहां 10 साल बाद सत्ता में वापसी की है।

साजन का आरोप-रिश्वत के चलते बीन ने आत्महत्या की

साजन के मुताबिक, इंजीनियरों ने करीब 17 करोड़ रुपये के बिल मंजूर कर दिए थे, लेकिन ज्ञानेश कुमार ने चेक रोक दिए। इससे मलेशियाई कंपनी पाटी-बेल, उसके ठेकेदारों और कर्मचारियों को आर्थिक परेशानी हुई। कंपनी के प्रोजेक्ट इंजीनियर ली सी बीन ने उन्हें (साजन को) बताया था कि ज्ञानेश कुमार रिश्वत मांगे बिना भुगतान के चेक जारी नहीं कर रहे हैं। साजन ने पैसे देकर मामला सुलझाने की बात कही, लेकिन कंपनी के अधिकारियों ने रिश्वत देने से मना कर दिया। ली सी बीन ने ठेकेदारों और कर्मचारियों का बकाया चुकाने के लिए बेंगलुरु में कंपनी के दूसरे प्रोजेक्ट से पैसे लिए थे।

भुगतान न मिलने और रिश्वत मांगने के कारण ली ने 2006 में आत्महत्या कर ली थी। ली ने सुसाइड नोट में ज्ञानेश कुमार का नाम लिखा था। ली के मलेशिया में रहने वाले परिवार ने भी कंपनी के कर्मचारियों को इसकी जानकारी दी थी। पहले हुई विजिलेंस जांच में उनसे और मामले की जानकारी रखने वाले दूसरे लोगों से पूछताछ नहीं की गई थी। वे ली के परिवार, कंपनी के पूर्व कर्मचारियों और अन्य गवाहों को जांच के लिए पेश कर सकते हैं।

आंध्र में मुरासु तूफान के चलते 35 ट्रेनें रद्द

12 हजार लोग राहत शिविरों में; यूपी के 10 जिलों में कोहरा



विशाखापट्टणम, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता) आंध्र प्रदेश में चक्रवाती तूफान मुरासु ने भारी तबाही मचाई है। तूफान से 2 लोगों की मौत हो गई और 52 हजार हेक्टेयर से ज्यादा फसलें बर्बाद हो गईं। इसके कारण 35 से ज्यादा ट्रेनें रद्द करनी पड़ी हैं। 12,230 लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, तूफान से राज्य को करीब 344 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। बुधवार को भी आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। उत्तर प्रदेश में ठंड ने दस्तक दे दी है। बीते 24 घंटों में तापमान में करीब 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई। बुधवार सुबह लखनऊ, वाराणसी, मुरादाबाद, बिजनौर और हापुड़ समेत 10 से अधिक जिलों में कोहरा छाया है। अगले 48 घंटे में पूर्वांचल के जिलों में बारिश की संभावना है। दिल्ली में बुधवार सुबह वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। सुबह 7:41 बजे राजधानी का कुल एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 605 दर्ज किया गया। इंडिया गेट के आसपास के इलाके में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 414 दर्ज किया गया है।

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में हारे ट्रंप ने ईरान युद्ध को बताया जिम्मेदार



तेहरान, 4 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव के नतीजे साफ होने के साथ ही इसमें ईरान की एंट्री हो गई है। रिपब्लिकन पार्टी की हार पर भड़के डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान युद्ध का उनकी पार्टी को मिली हार में अहम रोल रहा है। वहीं ईरान ने कहा है कि अमेरिकी लोगों ने अपनी वोट के जरिए ये संदेश दिया है कि वह जंग के खिलाफ हैं। यह बयानबाजी ऐसे समय हुई है, जब 3 नवंबर को हुए मिडटर्म इलेक्शन के नतीजों का ऐलान हो रहा है। नतीजों से साफ है कि अमेरिकी संसद में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी पिछड़ गई है और डेमोक्रेटिक पार्टी को संसद (कांग्रेस) में बहुमत मिल रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि रिपब्लिकन पार्टी की हार में बीते आठ महीने से ईरान के साथ चल रही लड़ाई की भूमिका रही है। मध्यावधि चुनावों के प्रचार में ईरान युद्ध अहम मुद्दा था। विपक्षियों ने ईरान युद्ध में शामिल होने के लिए डोनाल्ड ट्रंप को घेरा है। युद्ध के चलते महंगाई बढ़ने और दूसरे मुद्दों पर ट्रंप को आलोचना का सामना करना पड़ा है। इन नतीजों ने मुझे एक हद तक हैरान किया है। मुझे लगा था कि वे बेहतर प्रदर्शन करेंगे लेकिन जो नतीजे आए हैं, वो हमारी उम्मीद के हिसाब से बिल्कुल नहीं हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि इस हार की एक वजह ईरान था। हालांकि काफी लोगों ने यह समझा कि ईरान को लेकर मैंने जो कदम उठाए हैं, वे कितने जरूरी हैं। मुझे लगता है कि मेरा फैसला इन नतीजों से ज्यादा मायने रखता है क्योंकि आप आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की छूट नहीं दे सकते हैं।' चुनावों से पहले के दौर के बारे में बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि हमने बहुत शानदार रैलियां कीं।

30 रैलियां आयोजित की गईं। इनमें हजारों की संख्या में लोग आए। मुझे लगा था कि मैं इन लोगों का समर्थन अपने उम्मीदवारों को दिला सकूंगा। ट्रंप ने खासतौर से दिवंगत लिंडसे ग्राहम की बहन डार्लीन की हार पर दुख जताया, जो दक्षिण कैरोलिना से चुनाव लड़ी थीं। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालीबाफ ने बुधवार को अमेरिका के मध्यावधि चुनावों के नतीजों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि रिजल्ट दिखाते हैं कि अमेरिकी जनता युद्ध के खिलाफ है। ईरान इस संदेश का समर्थन करता है। अमेरिकी सरकार को अपनी जनता की भावनाओं को नजरअंदाज नहीं बल्कि उसका सम्मान करना चाहिए।

'दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव से रोकना गलत'

सुप्रीम कोर्ट बोला-कानून पर विचार की जरूरत; 5 राज्यों में लागू है नियम



नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। कोर्ट ने बताया कि भारत की कुल प्रजनन दर 2003 में 3 थी, जो अब घटकर 1.9 रह गई है। 2.1 की प्रजनन दर को रिप्लेसमेंट रेट माना जाता है।

इससे कम प्रजनन दर का मतलब है कि एक पीढ़ी अपनी जगह अगली पीढ़ी को पूरी तरह नहीं ले पाएगी। कोर्ट ने कहा कि प्रजनन दर में गिरावट से बुजुर्गों की आबादी बढ़ सकती है और कामकाजी लोगों की संख्या घट सकती है। इन बदलावों को नजरअंदाज करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने महाराष्ट्र की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव को राहत दी। उन्हें तीसरे बच्चे के जन्म के कारण अयोग्य ठहराया गया था। बेंच ने 2003 के उस फैसले पर दोबारा विचार के लिए मामला बड़ी बेंच के पास भेज दिया, जिसमें दो बच्चों की शर्त को सही ठहराया गया था। बेंच ने कहा कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून नागरिकों के एक पूरे वर्ग को राजनीतिक प्रतिनिधित्व से बाहर कर देते हैं। इसका किसी व्यक्ति की सार्वजनिक पद संभालने की क्षमता से कोई खास संबंध नहीं है। कोर्ट के मुताबिक, ऐसे कानून लोगों को बच्चे पैदा करने या लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लेने में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर करते हैं। इससे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले प्रजनन से जुड़े फैसले लेने की आजादी के अधिकार का उल्लंघन होता है।

ममंगला भीमराव महाराष्ट्र की काकोड़ा ग्राम पंचायत की पूर्व सरपंच थीं। महाराष्ट्र ग्राम पंचायत अधिनियम, 1959 की धारा 14(1)(j-1) के तहत दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने का प्रावधान है। इसी नियम के तहत तीसरे बच्चे के जन्म के बाद उनके खिलाफ शिकायत की गई थी। अतिरिक्त कलेक्टर ने उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया था। इसके बाद उन्होंने अतिरिक्त आयुक्त के पास अपील की, लेकिन वहां से भी उन्हें राहत नहीं मिली।

एशियन पैरा गेम्स 2026 : आज पीएम मोदी से मिलेंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को जापान में आयोजित हालिया एशियन पैरा गेम्स में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री खिलाड़ियों से बातचीत करेंगे और उन्हें संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, यह कार्यक्रम गुरुवार को शाम करीब 4:30 बजे नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगा।

इसमें एशियन पैरा गेम्स में हिस्सा लेने वाले भारतीय दल के खिलाड़ी शामिल होंगे। जापान के आइची-नागोया में पिछले महीने आयोजित एशियन पैरा गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के लिए नया रिकॉर्ड बनाया। भारत के कुल 97 पैरा खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में 114 पदक अपने नाम किए। भारतीय दल ने प्रतियोगिता में 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य पदक जीते।

100 प्रतिशत बायोएथेनॉल से चलने वाली टोयोटा इनोवा 26 नवंबर को होगी लॉन्च

पेट्रोल के मुकाबले 25-30 रुपए आएगा खर्च : नितिन गडकरी



नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि भारत तेजी से हरित और स्वच्छ परिवहन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'पावरिंग द नेक्स्ट माइल' कॉन्क्लेव में बोलते हुए उन्होंने घोषणा की कि 26 नवंबर को टोयोटा की इनोवा का 100 प्रतिशत बायोएथेनॉल-आधारित मॉडल लॉन्च किया जाएगा, जो पेट्रोल के बजाय पूरी तरह एथेनॉल पर चलेगा।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि वर्तमान में एथेनॉल की कीमत करीब 75 रुपए प्रति लीटर है, जबकि पेट्रोल करीब 120 रुपए प्रति लीटर का है। उन्होंने बताया कि यह वाहन चलते समय अपनी लगभग 60 प्रतिशत शक्ति बिजली से उत्पन्न करेगा। ऐसे में औसत परिचालन लागत की गणना करें तो इसका खर्च पेट्रोल की तुलना में लगभग 25 से 30 रुपए प्रति लीटर के बराबर होगा। गडकरी ने कहा, इसी महीने 26 नवंबर को मैं टोयोटा की चार पहिया वाहन इनोवा लॉन्च करने जा रहा हूं, जो पेट्रोल की जगह पूरी तरह से 100 प्रतिशत बायोएथेनॉल पर चलेगी। एथेनॉल की कीमत 75 रुपए प्रति लीटर है, जबकि पेट्रोल की कीमत 120 रुपए प्रति लीटर है। यह वाहन चलते समय अपनी 60 प्रतिशत ऊर्जा बिजली से उत्पन्न करेगा। इसलिए, पेट्रोल की तुलना में औसत आधार पर गणना करने पर, प्रभावी लागत 25-30 रुपए प्रति लीटर के बराबर होगी। उन्होंने कहा कि इससे उपभोक्ताओं को ईंधन खर्च में बड़ी बचत होगी और साथ ही प्रदूषण कम करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हरित, सुरक्षित और समावेशी तकनीक देश और आम लोगों दोनों के लिए लाभकारी साबित होगी।

नितिन गडकरी ने आगे बताया कि उन्हें बजाज और टीवीएस के पहले इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों को लॉन्च करने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि शुरुआती इलेक्ट्रिक स्कूटरों की रेंज लगभग 125 किलोमीटर थी, लेकिन बाद में कई स्टार्टअप कंपनियों ने लागत कम करने के लिए बैटरी क्षमता घटा दी और 70 किलोमीटर रेंज वाले वाहन 70,000 से 72,000 रुपए की कीमत पर बाजार में उतारे। उन्होंने कहा कि उस समय कंपनियों का मानना था कि कम कीमत वाले वाहन बिक्री बढ़ाने में मदद करेंगे। हालांकि अब तकनीक और बैटरी क्षमता दोनों में लगातार सुधार हो रहा है, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों की उपयोगिता बढ़ रही है।

ईडी की बड़ी कार्रवाई केरल-तमिलनाडु के 11 ठिकानों पर रेड

कोच्चि, 4 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को केरल और तमिलनाडु में एक सहकारी समिति और उसके प्रमोटर के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के सिलसिले में छापेमारी की। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। इस जांच के दायरे में 'भारत लझना मल्टी स्टेट को-ऑपरेटिव सोसाइटी' (बीएलएम) के संस्थापक सदस्य और वास्तविक चेयरमैन व प्रबंध निदेशक आर. प्रेमकुमार तथा कुछ अन्य लोग शामिल हैं।

अधिकारियों के अनुसार, केंद्रीय एजेंसी के कोच्चि कार्यालय ने 'प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट' (पीएमएलए) के तहत इन दो राज्यों में कुल 11 ठिकानों पर तलाशी ली। आरोप है कि प्रेमकुमार ने अपने प्रभाव का गलत इस्तेमाल करते हुए, आम जमाकर्ताओं से जुटाई गई सोसाइटी की करोड़ों रुपये की रकम को अपनी पत्नी और रिश्तेदारों के खातों में ट्रांसफर कर दिया, जिसका इस्तेमाल उन्होंने निजी कार्यों के लिए किया।

बाल शोषण-दुष्कर्म से जुड़े मामलों पर सरकार सख्त

850 त्वरित अदालतों का होगा विस्तार

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बाल शोषण और दुष्कर्म के मामलों से तेजी से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सरकार ने 850 त्वरित अदालतों के सुदृढ़ीकरण और विस्तार को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस पहल की जानकारी दी।

वैष्णव ने बताया कि यह सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता है। समाज में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार या अगली पीढ़ी की भलाई के लिए खतरे जैसी कमजोरियां सामने आने पर निर्णायक कार्रवाई की जाएगी। इसमें मौजूदा कानूनों का पूरा लाभ उठाना शामिल है। आवश्यकता पड़ने पर नए कानून भी बनाए जाएंगे। साथ ही, कानूनों का अधिक प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा।

मान सरकार पर बरसे राहुल गांधी

'ड्रग्स सबसे बड़ा मुद्दा, हर शाम नशा करने वाला सीएम नहीं कर सकता मुकाबला'



संगरूर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। संगरूर के गांव फगुवाला में कांग्रेस की इंसाफ रैली में राहुल गांधी ने मान सरकार और आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सबसे पहले मंच पर मौजूद दिवंगत गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता का जिक्र किया। इसके बाद उन्होंने कहा कि आज पंजाब में नशा और गैंग्सटरिज़्म सबसे बड़ा संकट बन चुका है। राहुल गांधी ने मूसेवाला के अपनी पुरानी मुलाकात को याद करते हुए कहा कि सिद्धू मूसेवाला बेहद टैलेंटेड और ऊर्जावान युवा थे।

उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि जिस सोच ने मूसेवाला को दिन-दहाड़े और बिना डरे गोलियों से भून दिया, वह दुखद है। राहुल ने कहा कि जिस पिता को अपने जवान बेटे की अर्थी देखनी पड़े, उससे बड़ा दर्द इस दुनिया में और कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि मूसेवाला की सिक्योरिटी हटाए जाने के बाद सरेआम उनकी हत्या कर दी गई। पंजाब में नशे के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए राहुल गांधी ने कहा कि जब वह पहले पंजाब आए थे और उन्होंने नशे की बात कही थी, तब विपक्ष के तमाम दलों बीजेपी और अकाली दल ने उनकी बात को नकारा था। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब तक प्रदेश में उद्योग, फैक्ट्रियां और खेती-किसानी मजबूत नहीं होगी, तब तक नशा और गैंग्सटरिज़्म का खात्मा नहीं हो सकता। आप सरकार पर निशाना साधते हुए राहुल ने कहा कि चुनाव के समय उन्होंने वादा किया था कि वे पंजाब से नशा पूरी तरह मिटा देंगे। जनता ने उन पर भरोसा भी किया, लेकिन आज सवाल यह है कि सरकार ने प्रदेश के किस कोने से नशा खत्म किया है? मुख्यमंत्री भगवंत मान पर सीधा प्रहार करते हुए राहुल गांधी ने लोकसभा के दिनों का एक संस्मरण साझा किया। उन्होंने कहा कि जो मुख्यमंत्री खुद हर शाम नशे की गिरफ्त में रहता हो, वह जनता को नशे से कैसे बचा सकता है।

रूस की भारत को बड़ी पेशकश

5 और S-400 खरीदने पर मिलेगा अत्याधुनिक S-500 एयर डिफेंस सिस्टम

मॉस्को, 4 नवंबर (एजेंसियां)। रूस ने भारत को S-500 एयर डिफेंस की टेक्नोलॉजी देने के लिए 5 और S-400 सिस्टम खरीदने की शर्त रखी है। इसके अनुसार, अगर भारत S-400 मिसाइल सिस्टम के 5 और स्काड्रन की खरीद करता है तो रूस S-500 एयर डिफेंस की टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के साथ जॉइंट या लोकल प्रोडक्शन के लिए भी तैयार है।

यह ऑफर सिर्फ भारत के लिए दिया गया है, जो अपने-आप में अद्वितीय है। रूस का S-500 एयर डिफेंस सिस्टम लंबी दूरी की बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के अलावा अंतरिक्ष में मौजूद सैटेलाइटों को भी मार गिराने में सक्षम है। रूस ने अभी तक किसी भी देश को S-500 एयर डिफेंस सिस्टम नहीं बेचा है।

'दिमागी नक्सल' वाला फ्लॉप बयान दोहरा रहे पीएम मोदी

वोट चोरी पर उनके पास कोई जवाब नहीं : खड़गे



नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का समर्थन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'दिमागी नक्सल' वाले बयान की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी और विदेशी ताकतों के सामने भारतीय हितों को गिरवी रखने से जुड़े सवालों पर सरकार के पास कोई जवाब नहीं है।

खड़गेने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, प्रधानमंत्री मोदी अपने फ्लॉप हो चुके 'दिमागी नक्सल' वाले बयान को बार-बार दोहरा रहे हैं। उनके पास वोट चोरी और राहुल गांधी की उस खुली चुनौती का कोई जवाब नहीं है, जिसमें पूछा गया है कि उन्होंने भारतीय हितों को विदेशी ताकतों के सामने कैसे गिरवी रखा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर भी खड़गे ने सवाल उठाए, जिसमें उन्होंने तीन करोड़ मतदाताओं को घुसपैठिया बताया था। खरगे ने पूछा कि इतने वर्षों तक गृह मंत्री रहने के दौरान शाह क्या कर रहे थे और अवैध लोगों को भारत में प्रवेश करने से क्यों नहीं रोक पाए। उन्होंने कहा, शाह हमें बता रहे हैं कि तीन करोड़ मतदाता घुसपैठिए हैं। वह इतने वर्षों तक गृह मंत्री रहते हुए क्या कर रहे थे? उन्होंने अवैध लोगों को भारत में प्रवेश करने दिया? उन्हें अपनी अक्षमता के लिए बर्खास्त कर देना चाहिए। खड़गे ने चुनाव आयोग पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग ने बार-बार अपना रुख बदला है। उन्होंने कहा, एसआईआर पर चुनाव आयोग ने पांच बार यू-टर्न लिया है। इसमें फॉर्म-6 में पूरी तरह बदलाव भी शामिल है, जिसे साथी चुनाव आयुक्तों ने ही 'अवैध' बताया था। संसद की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए खड़गे ने कहा कि संसद के पिछले सत्र को 83 दिनों से अधिक समय बीतने के बावजूद अभी तक सत्रावसान नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष की हालिया गतिविधियों के बाद सरकार विशेष सत्र बुलाने की तैयारी कर रही है। खरगे ने कहा, संसद के पिछले सत्र का 83 दिनों से अधिक समय बीतने के बाद भी सत्रावसान नहीं हुआ है।

पंकज चौधरी का टिकट पक्का नहीं होने दे रहे सीएम?

अखिलेश यादव का बड़ा दावा



लखनऊ, 4 नवंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और सीएम योगी आदित्यनाथ का नाम लिए बिना बड़ा हमला किया है। उन्होंने दोनों नेताओं के बीच तनाव होने का दावा किया और आरोप लगाया कि यूपी में सिर्फ दिल्ली और लखनऊ के बीच ही लड़ाई नहीं है बल्कि गोरखपुर के अंदर भी बीजेपी के अंदर वर्चस्व की लड़ाई चल रही है। एक्स पर पोस्ट में अखिलेश ने इशारों में दावा किया कि सीएम योगी, पंकज चौधरी की टिकट पक्की नहीं होने दे रहे हैं। पोस्ट के अंत में सपा चीफ ने यह भी लिखा कि अगर ऐसा नहीं है है तो बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सबसे पहले अपना टिकट घोषित करें।

अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर पंकज चौधरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर बिना नाम लिखे निशाना साधते हुए कहा कि 'जिनकी ख़ुद की टिकट उनके अपने ही पड़ोसी पक्की नहीं होने दे रहे हैं, वो चुप ही रहें तो ही उनका सम्मान बचा रहेगा। उन्होंने जो टीका-टिप्पणी की है वो भी किसी 'दुष्मुखी' के वचनों से प्रेरित लगती है। भगवान कृष्ण के एक अन्य परमार्थी नाम 'रणछोड़' को नकारात्मक भाव में प्रयुक्त करके उन्होंने साबित कर दिया है कि उनका ज्ञान कितना सीमित, संकीर्ण व समाज के लिए किस हद तक घातक है।

'गोरखपुर की जनता को सब दिख रहा'

सपा चीफ ने कहा कि रही बात लोकसभा से सीधे मुख्यमंत्री बनने की तो वो यह कहकर किसकी ओर इशारा कर रहे हैं, गोरखपुर वाले इस पुरानी रार-तकरार को समझते हैं। गोरखपुर की जनता को सब दिख रहा है, वो काला चश्मा लगाए नहीं बैठी है। अब दिल्ली-लखनऊ की ही आपसी लड़ाई नहीं, गोरखपुर के अंदर भी भाजपा में वर्चस्व की अंदरूनी लड़ाई 'लिखा-पढ़ी' में बाहर आ गई है। उन्होंने कहा कि नोटिस देनेवालों का उप्र का प्रबुद्ध समाज भूला नहीं है। हमने कभी जो प्रश्न पूछे थे आज फिर पूछ रहे हैं क्योंकि तबसे लेकर आज तक ये प्रश्न अनुत्तरित ही रहे हैं:

5 बड़ा या 7?

विधानसभा बड़ी या लोकसभा?

राज्य का मंत्री बड़ा या केंद्र का?

प्रदेश का अध्यक्ष बड़ा या देश का?

यूपी के पूर्व सीएम ने लिखा कि जिनके नाम का पर्यायवाची ही 'कमल' हो, वो ही आपसी लड़ाई में कमल का निशान पाने के लिए तरस जाएंगे, अगर ऐसा नहीं है तो प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते भाजपा का सबसे पहला टिकट वो अपना ही घोषित करें। इति ध्वस्तम्!!!' अखिलेश यादव अक्सर ये दावा करते रहे हैं कि सीएम योगी आदित्यनाथ और यूपी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के बीच मतभेद रहता हैं। बीते दिनों जब उनसे 2027 में बीजेपी के मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर सवाल किया गया था तो उन्होंने कहा की बीजेपी प्रदेश में हैट्रिक लगाएगी और मुख्यमंत्री कौन होगा, इसका फैसला हमारा संसदीय बोर्ड करता है।

राहुल गांधी को जेडीयू की सलाह, राजीव रंजन बोले- चुनौती स्वीकार करें

पटना, 4 नवंबर (एजेंसियां)। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी को संसद का विशेष सत्र बुलाकर बहस करने की चुनौती दी है। राहुल गांधी को यह चुनौती स्वीकार करनी चाहिए। राजीव रंजन ने कहा कि बहस के जरिए राहुल को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेताओं और गठबंधन के विचारों को समझने का मौका मिलेगा।

उन्होंने देश में हो रहे आंदोलनों और लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर भी कांग्रेस नेता पर सवाल उठाए। राजीव रंजन ने कहा कि अमित शाह ने राहुल गांधी को संसद के विशेष सत्र में आकर बहस करने की चुनौती दी है। राहुल गांधी को एनडीए के किसी भी नेता के साथ बहस करनी चाहिए। इससे उन्हें गठबंधन और राष्ट्र को लेकर उसके दृष्टिकोण की जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि संसद में बहस लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। इसलिए राहुल गांधी को इस चुनौती पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। जेडीयू प्रवक्ता ने राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वह दुनिया के कई देशों में चल रहे हिंसात्मक आंदोलनों से प्रेरित दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुकूल नहीं हैं। राजीव रंजन ने कहा कि देश में लोगों ने कभी अराजकता को स्वीकार नहीं किया है।

संसदीय लोकतंत्र में आस्था रखने वाले हर व्यक्ति को इसकी मर्यादा और दायरे का सम्मान करना चाहिए। राजीव रंजन ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के काम और उपलब्धियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश में असाधारण कार्यों के लिए इस बल का गठन किया गया था। इसके बाद सीआरपीएफ ने कई मोर्चों पर सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में इस बल के कई जवानों ने देश के लिए शहादत दी है। उनके बलिदान को पूरा देश नमन करता है।

अखिलेश यादव पर स्वामी जितेंद्रानंद का विवादित बयान, कहा- 'कृष्ण नहीं कंस के वंशज'

लखनऊ, 4 नवंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय संत समिति के जनरल सेक्रेटरी स्वामी जितेंद्रानंद ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को कंश का वंशज कहा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि अखिलेश यादव हिन्दू समाज को तोड़ने के लिए एजेंडे पर काम कर रहे हैं। एक बयान में जितेंद्रानंद ने कहा, उत्तर प्रदेश में विधानसभा के चुनाव आने वाले हैं और समाजवादी पार्टी का एजेंडा हिंदू समाज को तोड़ने के लिए, वो अपने एजेंडे पे काम कर रहे हैं।

बस अखिलेश जी को इतना ही कहूंगा कि आपकी पार्टी और आपके कार्यकर्ताओं के हाथ सनातनी हिंदुओं के खून से लथपथ है। जितेंद्रानंद ने आगे कहा, रही बात राम-कृष्ण की, उनमें भी जाति, महापुरुषों में जाति ढूंढने वाले।कृष्ण भी क्षत्रिय ही थे। सूर्यवंश और चंद्रवंश क्षत्रियों के ही दो वंश थे। महाराजा यदु के नाम पर वंश चला इसलिए यदुवंश, महाराजा रघु के नाम पर चला इसलिए रघुवंश। उन्होंने कहा कि परंतु आप जिस तरीके की गलत राजनीति की दिशा में बढ़ रहे हैं तो दूसरे शब्दों में मैं पूछूं कि आप जहां से आते हैं क्या वहां पे यदुवंशी बचे थे। क्योंकि भगवान श्रीकृष्ण सात वर्ष की अवस्था में कंस का वध करके द्वारिका जा चुके थे। तो वास्तविक यदुवंशी तो हरियाणा में हैं।

जो कुरुक्षेत्र में लड़ने आए थे बस गए। बाकी कुछ जो है द्वारिका में है। जितेंद्आरानंद ने सवाल उठाया कि आप कौन हो? ले देकर के हम कहें कि कंस के वंशज हो तो आपको बात बुरी लग जाएगी। तो ये सनातन धर्म के अवतारों को जातियों के आधार पे लड़ाने की गंदी मानसिकता से बाज आ जाइए। यही आपके संत समिति की एक नेक सलाह है।

नालंदा में कुत्ते को बचाने की कोशिश में 2 सगे भाई सहित 3 की मौत

नालंदा, 4 नवंबर (एजेंसियां)। नालंदा जिले के हरनौत थाना क्षेत्र में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। एक ही बाइक पर सवार होकर घूमने निकले पांच दोस्तों की बाइक एनएच पर अचानक सामने आए कुत्ते को बचाने के दौरान अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि तीन किशोरों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मृतकों में दो सगे भाई भी शामिल हैं, जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। जानकारी के अनुसार मंगलवार की देर रात पांचों दोस्त एक ही बाइक पर सवार होकर घूमने के लिए निकले थे। बाइक गौतम कुमार चला रहा था।

इसी दौरान हरनौत थाना क्षेत्र में एनएच पर पिलर संख्या 51 के पास अचानक एक कुत्ता सड़क पर आ गया। कुत्ते को बचाने के प्रयास में चालक ने बाइक का संतुलन संभालने की कोशिश की, लेकिन तेज रफ्तार के कारण वाहन अनियंत्रित हो गया और सीधे डिवाइडर से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सभी युवक सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।

दुर्घटना में सबनहुआडीह गांव निवासी स्वर्गीय विलास यादव के 19 वर्षीय पुत्र गौतम कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हरनौत के आदर्शनगर निवासी 15 वर्षीय अभिमन्यु उर्फ मनु और 13 वर्षीय अनीश कुमार भी हादसे का शिकार हो गए। गंभीर रूप से घायल अभिमन्यु और अनीश को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान अनीश ने भी दम तोड़ दिया। इस तरह हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हो गई।

'हां, मैंने पत्नी के साथ मिलकर बहन का मार डाला', भाई का कबूलनामा

बाराबंकी, 4 नवंबर (एजेंसियां)। महादेवा कॉरिडोर परियोजना के तहत मिले 42 लाख रुपये के मुआवजे के लालच में भाई ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर बहन की हत्या कर दी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मंजू गौतम की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके सगे भाई संदीप और भाभी शीतल उर्फ मायावती को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोप है कि दोनों ने मंजू का सिर और मुंह बुरी तरह कुचलकर उसकी हत्या की थी।

पुलिस की जांच में सामने आया कि संदीप का मकान महादेवा कॉरिडोर परियोजना की जद में आया था। इसके बदले उसे करीब 42 लाख रुपये का मुआवजा मिला था। संदीप को आशंका थी कि इस रकम में उसकी बहन मंजू को भी हिस्सा देना पड़ सकता है। इसी लालच में उसने पत्नी के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची और वारदात को अंजाम दिया। रामनगर थाना क्षेत्र के महादेवा मंदिर से करीब 200 मीटर दूर दलित बस्ती में मंजू गौतम का शव उसके घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था।

मंजू विकासखंड सूरतगंज की लोधौरा ग्राम पंचायत में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पद पर तैनात थी। घटना की जानकारी मिलने पर उसकी छोटी बहन वंदना मौके पर पहुंची। घर के अंदर मंजू का क्षत-विक्षत शव पड़ा था। उसका सिर और मुंह बुरी तरह कुचला हुआ था। वंदना ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने साक्ष्य जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आरा में डबल मर्डर, मां-बेटे की धारधार हथियार से हत्या बड़े बेटे-बहू हिरासत में

भोजपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र स्थित तेंदूनी गांव में बुधवार को एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। गांव में मां और बेटे की हत्या कर दी गई, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोनों की हत्या धारदार हथियार और लोहे के हथौड़े से वार कर की गई है। घटना के बाद पुलिस ने मृतका के बड़े बेटे और उसकी पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान तेंदूनी गांव के वार्ड संख्या-7 निवासी 55 वर्षीय रामवती देवी और उनके 30 वर्षीय पुत्र सुनील कुमार के रूप में हुई है।

दोहरे हत्याकांड की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंच गई। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और मातम का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार रामवती देवी अपने छोटे पुत्र सुनील कुमार के साथ रहती थीं। बुधवार को दोनों का शव घर में मिलने के बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। दोहरे हत्याकांड को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

चुनाव से पहले नौकरियों के वादे 3 साल बाद भी वन रक्षक भर्ती का रिजल्ट क्यों नहीं? चंद्रशेखर आजाद ने योगी सरकार को घेरा

लखनऊ, 4 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में वन रक्षक एवं वन्य जीव रक्षक भर्ती-2023 को लेकर अभ्यर्थियों का इंतजार खत्म नहीं हो रहा है। 709 पदों पर होने वाली इस भर्ती की लिखित परीक्षा से लेकर शारीरिक दक्षता परीक्षा, चिकित्सा परीक्षण और दस्तावेज सत्यापन तक की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसके बावजूद अंतिम चयन परिणाम जारी नहीं किया गया है। इसको लेकर अभ्यर्थियों में नाराजगी है। अब यह मामला राजनीतिक स्तर पर भी उठने लगा है। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद ने वन रक्षक भर्ती का अंतिम परिणाम जारी नहीं होने पर सरकार को घेरा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि 709 पदों की पूरी चयन प्रक्रिया होने के बावजूद अभ्यर्थी तीन साल से अंतिम परिणाम का इंतजार कर रहे हैं। यह युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर युवाओं को रोजगार के आश्वासन देने और लंबित भर्तियों के परिणाम जारी नहीं करने का आरोप लगाया।

वन रक्षक एवं वन्य जीव रक्षक भर्ती-2023 के लिए विज्ञापन संख्या 10-परीक्षा/2023 के तहत आवेदन 20 सितंबर से 10 अक्टूबर 2023 तक लिए गए थे। इसके बाद 7 अक्टूबर 2024 को पात्रता परीक्षा का परिणाम जारी किया गया। भर्ती की लिखित परीक्षा 9 नवंबर 2025 को आयोजित हुई। इसके बाद शारीरिक दक्षता एवं मानक परीक्षण (पीईटी/पीएसटी) 10 से 19 फरवरी 2026 तक कराया गया। चिकित्सा परीक्षण 15 से 20 जून 2026 तक हुआ। भर्ती प्रक्रिया में शामिल अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन का काम भी पूरा हो चुका है।

मेरी गलती बता दें, मैं नीरज कुमार के साथ हो जाऊंगा; अनंत सिंह नार्को टेस्ट के लिए भी तैयार

पटना, 4 नवंबर (एजेंसियां)। स्नातक सीट पर हुए विधान परिषद के चुनाव में मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह ने अपनी ही पार्टी जनता दल यूनाइटेड के प्रत्याशी नीरज कुमार के खिलाफ बगावत कर दिया था। भूमिहार जाति से आने वाले दोनों ही नेताओं की अदावत काफी पुरानी है। अनंत सिंह ने अक्सर दावा किया है कि उन्होंने ही नीतीश कुमार और ललन सिंह को मनाकर नीरज कुमार को पहली बार एमएलसी का टिकट दिलाया था। उनका यह भी कहना है कि चुनाव जीतने के बाद से नीरज कुमार ने उन्हें पहचानने से भी इनकार कर दिया था।

एक ताजा इंटरव्यू में अनंत सिंह ने कई मुद्दों पर अपनी बात रखी है। उन्होंने बताया कि जब जेडीयू की बैठक में शामिल होने के लिए वह गए थे, तब उन्होंने साफ-साफ कहा था कि वह नीरज कुमार के लिए वोट नहीं मांगेंगे। अनंत सिंह से जब नीरज कुमार से बगावत के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मैंने जेडीयू में लड़कर नीरज कुमार को टिकट दिलाया था। लेकिन चुनाव जीतने के बाद नीरज कुमार ने मुझे पहचानने से इनकार कर दिया।' अनंत सिंह ने कहा है कि एक गलती उनकी बता दी जाए, वह नीरज कुमार के साथ हो जाएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि जेडीयू की मीटिंग में कहा कि दोनों (अनंत सिंह और नीरज कुमार) का नार्को टेस्ट करा लिया जाए। पता



चल जाएगा कि कौन सही बोल रहा है और कौन गलत। अनंत सिंह ने आगे कहा कि जेडीयू की बैठक के बाद ललन सिंह ने उन्हें फोन किया और कहा कि नीरज कुमार से आपका जो भी मामला है वह आप जानिए, लेकिन इस दौरान पार्टी का नाम नहीं लीजिएगा।

अनंत सिंह ने कहा, 'मैं जब तक जिंदा रहूंगा, नीतीश कुमार को नेता मानूंगा। नीतीश कुमार नहीं रहते तो बिहार ही नहीं रहता।' आपको बता दें कि जेडीयू ने विधान परिषद चुनाव के दौरान नीरज कुमार के विरोध की बात को पार्टी विरोधी गतिविधि मानते हुए अनंत सिंह को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। वहीं, उनकी पत्नी नीलम देवी की सदस्यता भी वापस ले ली है। जब पार्टी की इस कार्रवाई के बारे में अनंत सिंह से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें इसकी कोई चिंता नहीं है।

उनके लिए जनता ही मालिक है। पार्टी को जो जुल्म करना है करे। अनंत सिंह ने इस बात को दोहराया कि उनकी कोई गलती नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी की सदस्यता छिनने के बाद जेडीयू के किसी भी नेता ने उन्हें फोन नहीं किया। आवास खाली करने के नोटिस पर अनंत सिंह ने कहा कि वह समय से घर खाली कर देंगे और अपने गांव लदमा वापस चले जाएंगे।

जेडीयू से निष्कासन के बाद अनंत सिंह की सदस्यता खत्म करने की भी कार्रवाई शुरू हो चुकी है। इस बारे में जब अनंत सिंह से पूछा गया कि क्या उपचुनाव की स्थिति में वह फिर से चुनाव लड़ेंगे? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि पहले वह अपने क्षेत्र में जाएंगे और कार्यकर्ताओं से पूछेंगे। इसके बाद ही कोई फैसला करेंगे। लोगों से पूछकर ही फैसला करेंगे कि किस पार्टी में जाना है और किस में नहीं।

पीएनबी के खातों से 10.24 करोड़ गायब! सीबीआई ने महिला बैंककर्मी समेत 2 को किया गिरफ्तार



ग्रेटर नोएडा, 4 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से जुड़े 10.24 करोड़ रुपए के घोटाले में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने बैंक की एक महिला कर्मचारी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बैंक की ऑफिस असिस्टेंट/सब-स्टाफ दीपांशी और निजी व्यक्ति आशुतोष कुमार पाठक शामिल हैं। दोनों पर बैंक के ग्राहकों के खातों से बिना अनुमति पैसे निकालने और उन्हें दूसरे खातों में ट्रांसफर करने में शामिल होने का आरोप है। यह मामला ग्रेटर नोएडा के सेक्टर पाई-1 स्थित पंजाब नेशनल बैंक की शाखा से जुड़ा है। बैंक की शिकायत के आधार पर सीबीआई ने 29 अक्टूबर 2026 को इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी।

इसके बाद एजेंसी ने जांच शुरू की और अब दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई के मुताबिक, बैंक की शिकायत में आरोप लगाया गया था कि शाखा में कई ग्राहकों के खातों से अनधिकृत तरीके से पैसे निकाले गए। इन लेनदेन के जरिए करीब 10.24 करोड़ रुपए की रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर की गई। आरोप है कि बैंक की कर्मचारी ने एक निजी व्यक्ति और कुछ अन्य अज्ञात लोगों के साथ मिलकर इस धोखाधड़ी को अंजाम दिया। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने मामले की जांच अपने हाथ में ली। एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि ग्राहकों के खातों से पैसे निकालने के लिए किस तरीके का इस्तेमाल किया गया और इस पूरे मामले में किसकी क्या भूमिका रही। जांच के दौरान सीबीआई ने बैंक कर्मचारी दीपांशी और निजी व्यक्ति आशुतोष कुमार पाठक को गिरफ्तार किया। निजी व्यक्ति को गिरफ्तारी के बाद पुणे (महाराष्ट्र) की विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया गया। वहां से एजेंसी ने उसका ट्रांजिट रिमांड हासिल कर लिया है, ताकि उसे जांच के लिए संबंधित स्थान पर लाया जा सके।

सीबीआई अब इस बात की जांच कर रही है कि ग्राहकों के खातों से निकाली गई 10.24 करोड़ रुपए की रकम किन-किन खातों में भेजी गई? इसके साथ ही एजेंसी यह भी पता लगा रही है कि इस घोटाले में गिरफ्तार आरोपियों के अलावा कोई अन्य बैंक कर्मचारी या बाहरी व्यक्ति शामिल था या नहीं। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

'लाखों गौमाताओं को कटवाने वाले शासन की तुलना रामराज्य से नहीं हो सकती'

शंकराचार्य बोले- अंगद का पैर सत्ता के दंभ पर नहीं, धर्म पर टिका था

लखनऊ, 4 नवंबर (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह के उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार की स्थिति की तुलना अंगद के पैर से करने वाले बयान पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि अंगद का पैर सत्ता या अहंकार के बल पर नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम के सत्य, धर्म और न्याय के आधार पर टिका था। शंकराचार्य ने धर्मग्रंथों के प्रसंगों का राजनीतिक इस्तेमाल करने पर भी सवाल उठाए। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार पर निशाना साधते हुए बटुकों और संतों पर अत्याचार के आरोप लगाए। शंकराचार्य ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह तीन दिन पहले उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ आए थे।

इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संदर्भ में कहा था कि वे अंगद के पैर की तरह जमे हुए हैं। शंकराचार्य ने कहा कि अंगद ने रावण की सभा में अपना पैर जमाया था, लेकिन इस उदाहरण को योगी सरकार पर लागू नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि अंगद का पैर रावण के अहंकार के सामने भगवान श्रीराम के धर्म, सत्य और न्याय के कारण अडिग था। उसके पीछे किसी राजनीतिक सत्ता का घमंड नहीं था। शंकराचार्य ने कहा कि नेताओं को धार्मिक उदाहरणों का इस्तेमाल करने से पहले यह समझना चाहिए कि वे प्रसंग के हिसाब से सही भी हैं या नहीं।



अपनी सुविधा के अनुसार धार्मिक प्रतीकों का इस्तेमाल करना धर्म का अनादर है। उन्होंने कहा कि धर्म है अटल सत्य, अधर्म अटल सत्य नहीं है, अधर्म का तो खंबा गिर ही जाता है किसी न किसी दिन। शंकराचार्य ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि बटुकों की चोटी खींचने और संतों पर निर्ममता से प्रहार करने वाले शासन की तुलना रामराज्य से नहीं की जा सकती। उन्होंने गोवंश को लेकर दावा किया कि साल 2019 से 2024 के पांच साल के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश से 71 लाख गायें गायब हो गईं।

उन्होंने सरकार की ओर से दीपावली पर 7 हजार गोशालाओं में दीप जलाने की घोषणा पर भी सवाल उठाए। शंकराचार्य का कहना था कि केवल दीप जलाने और कार्यक्रम करने से गोशालाओं की स्थिति अच्छी नहीं हो जाती। पहले वहां गायों के लिए बेहतर व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गोशालाओं की असल स्थिति देखी जानी चाहिए, न कि केवल वीडियो के जरिए अच्छी तस्वीर दिखाई जाए। शंकराचार्य ने 22 तारीख को गायों के साथ लखनऊ जाने की बात कही।

उन्होंने आरोप लगाया कि पहले भी उनके कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निकलने वाले लोगों को पुलिस ने उनके घरों में रोक दिया था। उनके मुताबिक, कई लोगों ने पुलिस की तैनाती के वीडियो और फोटो भेजे थे। इस वजह से लोगों को आशंका है कि गायों के साथ निकलने पर उन्हें रोका जा सकता है।

उन्होंने कहा कि अगर गांवों से सभी गायों को आने की अनुमति नहीं मिली तो हर गांव से एक गाय लाई जाएगी। अगर वहां से भी अनुमति नहीं मिली तो विधानसभा क्षेत्र से एक गाय और जरूरत पड़ने पर प्रतीक के तौर पर गाय लेकर लोग लखनऊ पहुंचेंगे।

'खान सर मुझे कभी भी मरवा सकते हैं', रौशन आनंद का सनसनीखेज दावा, अनंत सिंह का नाम लेकर कही ये बात



पटना, 4 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में खान सर और ज्ञान बिंदू के संचालक रौशन आनंद के बीच हुआ विवाद एक बार फिर चर्चा में है। कुछ महीने पहले दोनों के बीच विवाद ने काफी तूल पकड़ा था। इस मामले में रौशन आनंद को जेल भी जाना पड़ा था। इसी दौरान उनके छोटे भाई की नेपाल में रहस्यमयी परिस्थितियों में मौत हो गई थी। अब एक इंटरव्यू में रौशन आनंद ने पूरे मामले पर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने खान सर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रौशन आनंद ने दावा किया कि खान सर उनकी हत्या भी करवा सकते हैं। उन्होंने 2 जून के गोलीकांड, अपनी गिरफ्तारी और पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। बातचीत के दौरान उन्होंने मोकामा के विधायक अनंत सिंह का भी जिक्र किया।

एक चैनल को दिए इंटरव्यू में रौशन आनंद से पूछा गया कि क्या वह अपनी सुरक्षा के लिए बॉडीगार्ड लेकर चलते हैं? इस पर उन्होंने कहा कि यह उनकी मजबूरी है। उन्हें अपनी जान का खतरा महसूस होता है। रौशन आनंद ने कहा, 'वो हमको भी मरवा सकता है। सच ये है कि वो हमको भी मरवा सकता है। बहुत धूर्त है। अपने बचाव के लिए वह कुछ भी कर सकता है। किसी के साथ भी कुछ कर सकता है। अगर उसको लगेगा कि मेरी जान मरवाकर वह सुरक्षित रह सकता है, तो वह ऐसा कर सकता है। इसलिए बॉडीगार्ड रखना हमारी मजबूरी है।'

रौशन आनंद ने 2 जून को हुए गोलीकांड का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि इस घटना की सही तरीके से जांच हो तो कई बातें सामने आ सकती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गोलीकांड सरकारी बॉडीगार्ड हासिल करने के लिए कराया गया था।

रौशन आनंद के मुताबिक, उन्होंने अपनी आंखों के सामने छह से सात राउंड फायरिंग देखी थी। उन्होंने अपनी गिरफ्तारी को लेकर भी सवाल उठाए। रौशन आनंद ने कहा कि 2 जून की रात उनके खिलाफ झूठी एफआईआर दर्ज की गई। इसके बाद 3 जून की सुबह करीब चार बजे उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

उनका आरोप है कि पुलिस ने बिना उचित जांच किए कार्रवाई की। इंटरव्यू में रौशन आनंद ने खान सर के शुरुआती शिक्षण करियर से जुड़े आरोपों का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि खान सर पर कई लड़कियों के शोषण के आरोप लगे थे।

रौशन आनंद ने सवाल उठाया कि उनके खिलाफ शिकायत मिलने पर पुलिस ने उन्हें तुरंत गिरफ्तारी कर ली, लेकिन दूसरे मामले में जांच क्यों नहीं हुई? उन्होंने कहा कि इस संबंध में थाने में शिकायत भी की गई थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 5 नवंबर, 2026

सुविचार

धन की रक्षा करनी पड़ती है, धर्म हमारी रक्षा करता है।

तेलंगाना का लक्ष्य वैश्विक डीपटेक और नवाचार केंद्र के रूप में उभरना : श्रीधर बाबू



हैदराबाद, 4 नवबर (स्वतंत्र वार्ता) । सूचना प्रौद्योगिकी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना उभरती प्रौद्योगिकियों, उन्नत विनिर्माण और अनुसंधान पर विशेष ध्यान देने के साथ खुद को डीपटेक और नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है। बेगमपेट के आईटीसी काकातिया में आयोजित एफआईसीसीआई@100 समारोह और तेलंगाना डीप-टेक लीडरशिप समिट को संबोधित करते हुए, जिसमें उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क भी उपस्थित थे, श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य सरकार उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि इनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा, सेमीकंडक्टर और उन्नत विनिर्माण शामिल हैं। एफआईसीआई के शताब्दी समारोह का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि इस संगठन ने पिछले 100 वर्षों में भारत के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तेलंगाना के औद्योगिक प्रदर्शन पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र ने 2025-26 में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जिससे इसका सकल राज्य मूल्य वर्धित (जीएसवीए) <3.04 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य के व्यापारिक निर्यात में भी 2024-25 में 39.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना के औद्योगिक और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के प्रयासों के तहत सरकार उभरती प्रौद्योगिकियों, औद्योगिक विस्तार और विनिर्माण को प्राथमिकता दे रही है। अधिक सहयोग की आवश्यकता पर जोर देते हुए मंत्री ने कहा कि सतत आर्थिक विकास सरकार, उद्योग और शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों के बीच घनिष्ठ समन्वय पर निर्भर करता है। उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं, उद्यमियों, विशेषज्ञों और नवप्रवर्तकों को तेलंगाना की तकनीकी और औद्योगिक महत्वाकांक्षाओं को साकार करने में राज्य सरकार के साथ साझेदारी करने के लिए आमंत्रित किया।

नागोल से दो छोटे भाई चार दिनों से लापता हैं

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आठ और छह साल के दो छोटे भाई 31 अक्टूबर से नागोल से लापता हैं, जिससे उनके माता-पिता और परिवार वाले बेहद परेशान हैं।

इन बच्चों की पहचान साईराम नगर के रवि और शिरीषा के बेटों - वरुण तेज (8) और महेश (6) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि जब उनकी माँ ने उन्हें स्कूल जाने के लिए कहा, तो वे घर से चले गए। मिली जानकारी के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में ये दोनों बच्चे नागोल में घूमते हुए और फिर मूसी नदी पर बने पुल को पार करके उप्पल भाग्यथ की ओर जाते हुए दिखाई दिए।

शिकायत मिलने के बाद, उप्पल पुलिस ने विशेष टीमें गठित की हैं और आसपास के पुलिस स्टेशनों की मदद से उनकी तलाश तेज कर दी है। इस बीच, उनकी माँ ने बच्चों की सुरक्षित वापसी के लिए भावुक अपील की है। उन्होंने चिंता जताई है कि बच्चे कहाँ रह रहे होंगे और क्या उन्होंने पिछले चार दिनों में कुछ खाया भी है या नहीं।

घरों में चोरी करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार, 13 वारदातों का खुलासा



हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मैलारदेवपल्ली पुलिस ने घरों में चोरी करने वाले एक आदतन आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पूछताछ के दौरान लक्ष्मीगुड़ा में हाल ही में हुई चोरी सहित 13 घरों में चोरी की वारदातों में शामिल होने की बात स्वीकार की है। उसके कब्जे से 38 तोला सोने के आभूषण, 70 तोला चांदी के सामान और वारदातों में इस्तेमाल किया गया एक दोपहिया वाहन बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, 19 अक्टूबर 2026 को लक्ष्मीगुड़ा, मैलारदेवपल्ली निवासी एम. श्रवण कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ किराना दुकान गए थे। दोपहर में भोजन के लिए घर लौटने पर मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। शयनकक्ष में रखी अलमारी को भी तोड़कर चोरों ने करीब 15 तोला सोने के आभूषण, 40 तोला चांदी के सामान और नकदी चोरी कर ली थी। इस शिकायत पर मैलारदेवपल्ली पुलिस थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। चार नवंबर को दोपहर करीब 3 बजे पुलिस उपनिरीक्षक वेणुगोपाल अपनी टीम के साथ वाम्बे कॉलोनी चौराहे पर वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान मैलारदेवपल्ली से जलपल्ली की ओर दोपहिया वाहन पर जा रहे एक व्यक्ति ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़कर थाने लाया और पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने लक्ष्मीगुड़ा में 19 अक्टूबर को हुई चोरी सहित इसी तरीके से 12 अन्य घरों में चोरी करने की बात स्वीकार की। आरोपी ने हैदराबाद और अन्य जिलों में 120 से अधिक चोरी की वारदातों में शामिल होने का भी दावा किया है। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ नाचारम और सरूरनगर पुलिस थानों में निवारक निरोध अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की जा चुकी है और वह जेल जा चुका है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 38 तोला सोने के आभूषण, 70 तोला चांदी के सामान और एक दोपहिया वाहन बरामद किया है। अन्य चोरी की घटनाओं में उसकी संलिप्तता की जांच की जा रही है। इस अभियान को डीसीपी राजेंद्रनगर क्षेत्र और एसीपी चंद्रायनगुट्टा संभाग के मार्गदर्शन में मैलारदेवपल्ली पुलिस ने अंजाम दिया।

अलवाल में उभरती अभिनेत्री मृत मिली

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश की रहने वाली 21 वर्षीय एक उभरती हुई अभिनेत्री ने अलवाल में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि उनके चाचा ने उन्हें फिल्म शूट पर जाने से मना किया था, जिसके बाद उन्होंने यह कदम उठाया। मृतक, मधुलिका, फिल्मों में अपना करियर बनाने के सपने के साथ हैदराबाद आई थीं। मिली जानकारी के अनुसार, उनके पिता का निधन तब हो गया था जब वह बहुत छोटी थीं, और उनकी मां फिलहाल कतर में हैं। वह अपने चाचा, गोवर्धन के साथ रह रही थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मधुलिका अक्सर कृष्णा नगर में फिल्म शूट के लिए जाती थीं। बताया जा रहा है कि जब उनके चाचा ने उन्हें डांटा और शूट पर जाना बंद करने के लिए कहा, तो वह काफी परेशान हो गईं। उन्होंने अपने कमरे में छत के पंखे से लटककर अपनी जान दे दी। अलवाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और उनकी मौत से जुड़ी परिस्थितियों की जांच कर रही है, जिसमें अन्य संभावित कारण भी शामिल हैं।

तेलंगाना मंत्रिमंडल की आज बैठक, कई महत्वपूर्ण फैसलों की उम्मीद

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में तेलंगाना मंत्रिमंडल की बैठक गुरुवार को शाम 4 बजे राज्य सचिवालय में होगी। बैठक में प्रशासनिक, आर्थिक और विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। औपचारिक बैठक से पहले मुख्यमंत्री दोपहर 3 बजे मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ अनौपचारिक बैठक करेंगे। इसमें राज्य के मौजूदा राजनीतिक और प्रशासनिक मामलों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। मंत्रिमंडल की बैठक की तैयारी के तहत मुख्य सचिव संजय जाजू ने बुधवार को सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रारंभिक समीक्षा बैठक की। उन्होंने विभिन्न विभागों से प्राप्त प्रस्तावों को अंतिम रूप देने, मसौदा विधेयकों की समीक्षा करने और मंत्रिमंडल के समक्ष रखे जाने वाले महत्वपूर्ण विषयों की औपचारिकताएं पूरी करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, बजट आवंटन, बुनियादी ढांचे के विकास और सरकारी विभागों में रिक्त पदों को भरने से संबंधित प्रस्तावों पर निर्णय लिए जाने की संभावना है। इसके अलावा नए औद्योगिक भूमि आवंटन और राज्य में निवेश बढ़ाने से जुड़े प्रस्तावों की भी समीक्षा की जा सकती है। मुख्यमंत्री मंत्रिमंडल को राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति से अवगत कराएंगे और प्रशासनिक दिशा-निर्देश भी जारी कर सकते हैं।

विवाद में घायल आरटीसी महिला कंडक्टर की मौत

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुद्रा बदलने को लेकर हुए विवाद में हमले की शिकार हुई मनुगुरु डिपो की महिला आरटीसी कंडक्टर गुंडला प्रवालिका की मंगलवार देर रात हैदराबाद के एक अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। 25 अक्टूबर को भद्राद्री कोठागुडेम जिले के अश्वपुरम मंडल के मिट्टागुडेम में मुद्रा परिवर्तन को लेकर हुए विवाद में उन पर हमला किया गया था, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। प्रवालिका का पहले स्थानीय स्तर पर उपचार कराया गया। बाद में उन्हें हैदराबाद के कोठापेट स्थित साई संजीवनी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत बिगड़ गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया सामान्य अस्पताल भेजा गया है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए परिवार के प्रति संवेदना जताई और सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने आरटीसी के प्रबंध निदेशक नागिरेड्डी के साथ उस्मानिया अस्पताल के शवगृह पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और प्रवालिका की मां को सांत्वना दी। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर सरकार पीड़ित परिवार को एक सरकारी नौकरी, इंदिराम्मा आवास योजना के तहत मकान और सरकार तथा आरटीसी की ओर से संयुक्त रूप से 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देगी। इसके अतिरिक्त आरटीसी की बैंक से जुड़ी दुर्घटना बीमा योजना के तहत परिवार को 1 करोड़ रुपये मिलेंगे। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और मामले में हत्या के प्रयास के आरोप को हत्या में बदलने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। मंत्री ने जनता से आरटीसी कर्मचारियों के साथ हिंसा नहीं करने की अपील की।

बोरवेल ड्रिलिंग की सीमा 300 मीटर तय करने की मांग की

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता) । रिग ओनर्स एसोसिएशन ने तेलंगाना सरकार से भूजल स्तर में गिरावट और किसानों और परिवारों द्वारा सामना की जाने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों का हवाला देते हुए, बोरवेल ड्रिलिंग की अनुमत गहराई को मौजूदा 120 मीटर से बढ़ाकर 250-300 मीटर करने का आग्रह किया है। सरकार को दिए गए एक ज्ञापन में, एसोसिएशन ने सरकारी आदेश संख्या 259 में संशोधन की मांग की, जिसमें कहा गया कि मौजूदा गहराई प्रतिबंध कई क्षेत्रों में अपर्याप्त है जहां भूजल केवल अधिक गहराई पर ही उपलब्ध है। एसोसिएशन ने यह भी बताया कि 120 मीटर तक ड्रिलिंग को प्रतिबंधित करने से बोरवेल विफल हो सकते हैं और किसानों, गृहस्वामियों और भूजल पर निर्भर अन्य लोगों को वित्तीय नुकसान हो सकता है।

एसोसिएशन ने सरकार से आग्रह किया कि वह स्थानीय भूजल स्थितियों और योग्य भूवैज्ञानिकों की सिफारिशों के आधार पर अनुमति प्रदान करे।एसोसिएशन ने रिग मालिकों पर अतिरिक्त शुल्क, दंड और प्रतिबंधों का भी विरोध किया, यह बताते हुए कि यह क्षेत्र पहले से ही विभिन्न करों और वैधानिक भुगतानों के माध्यम से सरकारी राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान देता है। दो औरनिर्माण उद्योग के लिए बोरवेल के पानी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, इसमें कहा गया है कि ड्रिलिंग कार्यों ने आवासीय भवनों, सड़कों, पुलों, अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों सहित कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का समर्थन किया है, साथ ही हजारों श्रमिकों को रोजगार भी प्रदान किया है। एसोसिएशन ने ड्रिलिंग नियमों में बदलाव लाने से पहले रिग मालिकों के साथ परामर्श करने का आह्वान किया और मुद्दों को संबोधित करने के लिए सरकारी अधिकारियों और उद्योग प्रतिनिधियों की एक संयुक्त समिति का प्रस्ताव रखा।

इसने स्पष्ट किया कि यह भूजल संरक्षण का समर्थन करता है और बोरवेल के रिकॉर्ड बनाए रखने, भूवैज्ञानिक सिफारिशों का पालन करने, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने और पुनर्भरण गड्ढे स्थापित करने में सरकार के साथ सहयोग करने को तैयार है। एसोसिएशन के अध्यक्ष मुस्कु अंजिरेड्डी और टी. वेंकटेश ने महासचिव जी. नरसिरेड्डी और ओरुगंती लक्ष्मीनारायण के साथ सरकार से जीओ 259 में जल्द से जल्द संशोधन करने की अपील की।

रिम्स के आईसीयू से 30 लाख रुपये कीमत के चार वेंटिलेटर चोरी

आदिलाबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुरक्षा में एक बड़ी चूक के तहत, 30 अक्टूबर को दिनदहाड़े कुछ अज्ञात लोगों ने रिम्स आदिलाबाद के रेस्पिरेटरी इंटेंसिव केयर यूनिट से लगभग 30 लाख रुपये कीमत के चार वेंटिलेटर चुरा लिए। हालांकि, इस घटना का पता तब चला जब मंगलवार को अस्पताल प्रशासन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रिम्स-आदिलाबाद में यह अपनी तरह की पहली चोरी बताई जा रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच की। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि फुटेज में दो लोग मशीनें चुराते हुए दिख रहे हैं, जबकि उसी समय दोपहर में नर्सें और अन्य स्टाफ अपना काम कर रहे थे। हालांकि, उपकरणों की सुरक्षा में लापरवाही बरतने के लिए रिम्स प्रशासन की कड़ी आलोचना हो रही है। मरीजों और उनके साथ आए लोगों ने प्रशासन की इस बात के लिए आलोचना की कि उन्होंने पांच दिनों तक चोरी की जानकारी छिपाई और जीवन बचाने वाली इन मशीनों को चोरी होने से नहीं बचा सके। इस घटना के बाद, लोगों ने अस्पताल परिसर में अपने सामान की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। इससे पहले, 21 सितंबर की रात को रिम्स के सिक न्यूबॉर्न केयर यूनिट में हुए विस्फोट के कारण जहरीली गैसें और धुआं फैल गया था। इस हादसे में पांच नवजातों की मौत हो गई थी, जबकि 20 अन्य नवजातों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था।

भाकृ अनुप - केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसन्धान संस्थान
ICAR - Central Research Institute for Dryland Agriculture
संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद - ५०००५९. Santoshnagar, Saidabad (P.O.), Hyderabad-500 059.
Ph: 040-24530161, 24530163, 24530157, Fax: 040-24531802, 24535336
www.icar-crida.res.in E-mail: hoa.crida@icar.org.in

विज्ञापन सं.21/2026/इफ्फको

वाक्-इन-इंटरव्यू द्वारा दि.20-11-2026 (शुक्रवार), समयः 10.00 बजे, यंग प्रोफेशनल-I (01 पद) के अस्थाई पद को भरा जायेगा। अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटः http://www.icar-crida.res.in/ पर जाए।

हस्ता./-
सहायक प्रशासन अधिकारी

पटाखा दुकानदारों को सुरक्षा नियमों का पालन करने के निर्देश

बिना वैध अनुमति दुकानें लगाने पर होगी कड़ी कानूनी कार्रवाई

हैदराबाद, 4 नवबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोलकोंडा क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त कृष्णा गौड़ की अध्यक्षता में बुधवार को नामपल्ली स्थित प्रदर्शनी मैदान में पटाखों के अस्थायी और स्थायी दुकानदारों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई। बेगमबाजार पुलिस थाना क्षेत्र में आयोजित इस बैठक में पटाखों की बिक्री के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और आग से बचाव के उपायों पर चर्चा की गई।

बैठक में गोशामहल के सहायक पुलिस आयुक्त के. चंद्रशेखर रेड्डी, कुलसुमपुरा के सहायक पुलिस आयुक्त वी. तिरुपति, टोलीचौकी के सहायक पुलिस आयुक्त सैयद फियाज, आसिफनगर संभाग के सहायक पुलिस आयुक्त के. श्रीनिवास, गोलकोंडा क्षेत्र के सभी निरीक्षक, सहायक जिला अग्निशमन अधिकारी शनमुग राव, वाणिज्यिक कर विभाग के उपायुक्त गिरिधर तथा अधिकारी विष्णुवर्धन और पद्मप्रिया सहित पटाखा दुकानदारों ने भाग लिया।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त कृष्णा गौड़ ने निर्देश दिया कि सभी अस्थायी और स्थायी पटाखा दुकानदार संबंधित सरकारी विभागों से वैध अनुमति और आवश्यक अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त करने के बाद ही दुकानें स्थापित करें।

चक्रवात मुरासु में फंसे 1,226 यात्रियों की मदद के लिए रेलवे ने की विशेष व्यवस्था

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चक्रवात मुरासु के कारण ट्रेनों के मार्ग परिवर्तन से प्रभावित 1,226 यात्रियों को राहत पहुंचाने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे ने विशेष परिवहन और खानपान व्यवस्था की। इससे यात्रियों की आगे की यात्रा सुगम बनाने और उनकी असुविधा कम करने में मदद मिली। जोगबनी-ईरोड अमृत भारत एक्सप्रेस, इंदौर-कोचुवेली अहिल्यानगरी एक्सप्रेस, हजरत निजामुद्दीन-एमजीआर चेन्नई सेंट्रल गरीब रथ एक्सप्रेस और भगत की कोठी-एमजीआर चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस को विजयवाड़ा के निर्धारित मार्ग के बजाय काजीपेट की ओर मोड़ दिया गया। इसके कारण 1,226 यात्रियों को काजीपेट में उतरना पड़ा। सिकंदराबाद मंडल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 278 यात्रियों को सिकंदराबाद-गुंटूर गोलकोंडा एक्सप्रेस में जगह उपलब्ध कराई, जबकि शेष 948 यात्रियों को विजयवाड़ा पहुंचाने के लिए काजीपेट से विशेष रेलगाड़ी चलाई गई। इसके अलावा वारंगल, रामागुंडम और जम्मीकुंटा स्टेशनों पर विलंबित तथा मार्ग परिवर्तित ट्रेनों के अतिरिक्त ठहराव के दौरान यात्रियों के लिए भोजन और जलपान की व्यवस्था की गई।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Kumari, W/o, No. 2601650K, Ex Sepoy, Late, Bogolu Ramanjaneyulu, R/o, Vill &PO: Thaticherla, Dist: Prakasam, Andhra Pradesh, changed my name from Kumari to Bogolu Kumari, vide Affidavit No. BU 316916 dt. 02.11.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

Election Commission of India

VOTE FOR VIBRANT DEMOCRACY
V.O.T.E VIGILANT - OBSERVANT - TRUTHFUL - ELECTOR

निम्नलिखित ग्रेजुएट्स/स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में,

आपके मताधिकार का उपयोग करने हेतु पंजीकरण कीजिएः

यदि आपने दि.31-10-2023 को या इससे पहले, ग्रेजुएट की उपाधि प्राप्त की हो, तथा आप निम्नलिखित जिलों के निवासी हैं तो, तत्संबंधित ग्रेजुएट्स निर्वाचन क्षेत्र में आप मतदाता /वोटर के रुप में पंजीकरण कर सकते हैं।

महबूबनगर–रंगारेड्डी–हैदराबाद ग्रेजुएट्सः

शामिल जिलेः महबूबनगर, नागरकर्नूल, वानापर्थी, जोगुलाम्बा गद्वाल, नारायणपेट, रंगारेड्डी, विकाराबाद, मेडचल-मलकाजगिरी, हैदराबाद।

वरंगल–खम्मम–नलगोण्डा ग्रेजुएट्सः

शामिल जिलेः वरंगल, हनमकोण्डा, महबूबाबाद, जनगांव, मुलुगु, जयशंकर भूपालपल्ली, सिध्दिपेट (आंशिक रुप से), खम्मम, भद्राद्रि कोत्तागुडेम, नलगोंडा, सूर्यापेट & यादाद्रि भुवनगिरी।

- विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्र–मतदाता सूचीः 1 नवम्बर 2026 को पात्रता तिथि के रूप में, मतदाता सूचियों की नये सिरे से तैयारी।
- आवेदनों को प्राप्त करने की अंतिम तिथि (प्रपत्र-18)- 06 नवम्बर 2026
- निर्वाचन नामावलियों की मसौदा प्रकाशन तिथिः 25 नवम्बर 2026
- दावों & आपत्तियों की अवधिः 25 नवम्बर 2026 से 10 दिसंबर 2026
- निर्वाचन नामावलियों की अंतिम प्रकाशन तिथिः 30 दिसंबर 2026



जल्दी कीजिए ! अंतिम दो दिन

ऑफ़लाइन नामांकनः तत्संबंधित आवेदनों को प्रपत्र-18 में, महबूबनगर–रंगारेड्डी–हैदराबाद के लिए, निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी और अतिरिक्त आयुक्त, जीएचएमसी हैदराबाद तथा वरंगल–खम्मम–नलगोण्डा के लिए, निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी और अतिरिक्त जिलाधीश/कलेक्टर, नलगोण्डा तथा अधिसूचित सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों/ संबंधित नामित अधिकारियों के प्रति प्रस्तुत करना चाहिए।

ऑनलाइन नामांकनः संबंधित आवेदनों को, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, तेलंगाना कार्यालय वेबसाइटः https://ceotelangana.nic.in द्वारा प्रस्तुत करना चाहिए।

''किसी भी स्पष्टीकरणों और संदेहों के लिए, कृपया संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी से संपर्क करें।''

1950 10.30am - 5pm. Toll Free

Follow Us
CEOTelangana | CEOTelangana | CEO_Telangana | ChiefElectoralOfficerTelangana | LinkedIn CEOTelangana | CEOTelangana

किंग चार्ल्स ने गुलामी के इतिहास को शर्मनाक बताया

बोले– याद करके डर लगता है, दुख होता है कैरिबियाई देश माफी–मुआवजा मांग रहे

लंदन, 4 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय ने अपने देश के गुलामी के इतिहास पर दुख जताया है।

उन्होंने कहा कि गुलामों के व्यापार में ब्रिटेन की रोल इतिहास का शर्मनाक हिस्सा है। इसे याद कर उनका दिल दहलता है और उन्हें गहरा दुख होता है।

चार्ल्स ने मंगलवार को एंटीगुआ और बारबुडा में कॉमनवेल्थ देशों के नेताओं की बैठक की शुरुआत करते हुए यह बात कही।

उनका बयान ऐसे समय आया है, जब कैरिबियाई देश ब्रिटेन से गुलामी के लिए माफी और मुआवजा मांग रहे हैं।

चार्ल्स बोले- इतिहास को बदल नहीं सकते, उससे सीख सकते हैं

किंग चार्ल्स ने कहा कि गुलामी का इतिहास आज भी कैरिबियाई देशों और कॉमनवेल्थ के दूसरे सदस्यों को प्रभावित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि इतिहास में हमारे पूर्वजों के अच्छे काम भी हैं और गलतियां भी। हम उनके किए कामों को बदल नहीं सकते, लेकिन उनसे सीख जरूर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अन्याय के



खिलाफ हिम्मत और मजबूत इरादों से लड़ाई लड़ी जा सकती है। चार्ल्स ने गुलामों के व्यापार को खत्म करने में ब्रिटिश रॉयल नेवी की भूमिका का भी जिक्र किया।

कैरिबियाई देश ब्रिटेन से माफी और मुआवजा मांग रहे

कैरिबियाई देशों का कहना है कि गुलामी के दौरान उनके लोगों और अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ था। इसलिए ब्रिटेन को अपनी भूमिका के लिए माफी मांगनी चाहिए और मुआवजा देना चाहिए।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने भी कहा है कि सरकार कॉमनवेल्थ देशों से औपचारिक माफी मांगने के प्रस्ताव पर विचार कर सकती है। हालांकि, बकिंघम पैलेस ने साफ किया है कि मुआवजा देने का फैसला राजा नहीं कर सकते। यह ब्रिटिश सरकार का मामला है।

1500 से 1800 के बीच ब्रिटेन ने अफ्रीका से लोगों को गुलाम बनाकर अपने उपनिवेशों में भेजा। ब्रिटिश संसद ने भी इस कारोबार को बढ़ावा देने के लिए कई कानून बनाए।

ब्रिटेन ने 32 लाख अफ्रीकी लोगों को गुलाम बनाया

ट्रांसअटलांटिक स्लेव ट्रेड डेटाबेस के मुताबिक, ब्रिटेन ने करीब 32 लाख अफ्रीकी लोगों को अटलांटिक महासागर पार ले जाकर गुलाम बनाया था। यूरोपीय देशों ने मिलकर 1.25 करोड़ से ज्यादा अफ्रीकी लोगों को पकड़कर गुलामी के लिए बेचा था। ब्रिटेन ने 1807 में गुलामों की खरीद-बिक्री पर रोक लगाई। 1833 में गुलामी खत्म करने का कानून बनाया गया, जो 1834 से लागू हुआ। गुलामों को पूरी आजादी मिलने में 1838 तक का समय लगा। गुलामी खत्म होने के बाद ब्रिटेन ने पीड़ितों को नहीं, बल्कि उनके मालिकों को मुआवजा दिया। सरकार ने गुलामों के मालिकों को 2 करोड़ पाउंड (करीब 255 करोड़ रुपए) दिए। यह उस समय ब्रिटेन के सालाना बजट का करीब 40% था। इस रकम के लिए ब्रिटिश सरकार ने जो कर्ज लिया था, उसे चुकाने में 2015 तक का समय लगा।

ब्रिटिश सरकार कॉमनवेल्थ देशों के लिए 'डेट रीसेट' योजना लाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत उन देशों को कर्ज के बढ़ते ब्याज से राहत देने की बात है। इसे गुलामी के लिए माफी और मुआवजे की मांग के बीच ब्रिटेन के एक वैकल्पिक कदम के तौर पर देखा जा रहा है।

एनआईए की रेड

ट्रांसपोर्टरों के मोबाइल और प्रिंटर-स्कैनर ले गई टीम

हजारीबाग, 4 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के हजारीबाग में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार सुबह दो ट्रांसपोर्टरों के ठिकानों पर छापेमारी की। करीब सात घंटे तक चली तलाशी के बाद टीम कुछ मोबाइल फोन और प्रिंटर या स्कैनर जैसी एक मशीन अपने साथ ले गई। हालांकि, एनआईए ने अब तक कार्रवाई के कारणों और जब्त सामान के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। एजेंसी की टीम शहर के बाबा पथ स्थित सुभाष बारला गली में उदय साव और प्रदीप कुमार साहू के आवास पर पहुंची थी। प्रदीप कुमार साहू और उनकी पत्नी के अनुसार, एनआईए की टीम बुधवार तड़के करीब चार बजे उनके घर पहुंची। अधिकारियों ने घर के ऊपरी और निचले हिस्से सहित विभिन्न कमरों और कोनों की बारीकी से तलाशी ली।

परिवार के मुताबिक, यह कार्रवाई करीब सात घंटे तक चली। प्रदीप कुमार साहू ने बताया कि तलाशी के दौरान अधिकारियों ने उनसे मोबाइल फोन और घर में मौजूद अन्य सामान के बारे में पूछताछ की।

अमेरिका में 3 बच्चे पैदा करने का चलन बढ़ा

ज्यादा बच्चे अमीरों के लिए रुतबे की निशानी, परवरिश पर करोड़ों खर्च कर रहे



वॉशिंगटन, 4 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के अमीर परिवारों में ज्यादा बच्चे पैदा करने का चलन बढ़ गया है। इनके लिए यह रुतबे की निशानी है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के सबसे अमीर 1% परिवारों में से करीब आधे परिवारों के 3 या उससे ज्यादा बच्चे हैं। वहीं, कम कमाई समूह में तीन बच्चे वाले परिवार करीब 40 से 43% हैं।

अमेरिका में एक परिवार एक बच्चे की परवरिश पर 18 साल तक करोड़ों रुपए खर्च करता है। मिडिल क्लास फैमिली के लिए इतनी रकम चुका पाना महंगाई के इस दौर में लगभग नामुमकिन है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के सबसे अमीर परिवारों में ज्यादा बच्चे का चलन 1990 के दशक से चला आ रहा है। लेकिन कम कमाई वाले परिवारों में यह चलन घट रहा है। यानी बच्चों को पालने का खर्च बढ़ने के बावजूद अमीर परिवार पहले की तरह बड़े परिवार रख रहे हैं।

अर्थशास्त्री माइक कॉन्जल का कहना है कि अमीर परिवारों के लिए तीसरा बच्चा स्टेटस सिंबल यानी रुतबे की निशानी बन गया है। उनके मुताबिक, महंगाई और बच्चों की परवरिश का बढ़ता खर्च आम परिवारों को कम बच्चे पैदा करने के लिए मजबूर कर रहा है, लेकिन इसका असर सबसे अमीर 1% परिवारों पर उतना नहीं पड़ता। मिडिल क्लास परिवारों को अपनी कमाई में घर का किराया, बिल, बचत और बच्चों की जरूरतों के बीच तालमेल बैठाना पड़ता है। तीसरा बच्चा होने पर इन खर्चों का बोझ और बढ़ जाता है। अमेरिकी कंपनी लेंडिंगट्री की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में एक बच्चे को जन्म से 18 साल की उम्र तक पालने में औसतन 3 करोड़ खर्च होते हैं। इस हिसाब से हर साल करीब 15 लाख रुपए खर्च करने पड़ते हैं।

इसमें बच्चे के खाने, घर, आने-जाने, स्वास्थ्य बीमा और देखभाल जैसे खर्च शामिल हैं। हालांकि, यह औसत अनुमान है। हर परिवार का खर्च उसकी कमाई, रहने की जगह और बच्चों की जरूरतों के हिसाब से अलग हो सकता है।

स्पेस लेजर इस बार काम नहीं आए

मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेट्स की जीत पर एलन मस्क का तंज, क्यों कहा ऐसा?

वाशिंगटन, 4 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव के नतीजे आने के कुछ घंटे बाद अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने कहा कि अंतरिक्ष में डेटा सेंटर बनाना फिलहाल उन्हें काफी आकर्षक विकल्प लग रहा है। उन्होंने स्पेस लेजर तकनीक को लेकर भी तंज कसा। उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी के मजबूत प्रदर्शन के बाद आई है।

बता दें कि चुनाव प्रचार के दौरान मस्क रिपब्लिकन पार्टी के प्रमुख समर्थकों में शामिल रहे। खबरों के मुताबिक उन्होंने अकेले टेक्सास में 150 मिलियन डॉलर से अधिक खर्च किए थे। मस्क ने चार नवंबर की सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दो पोस्ट साझा कीं। पहली पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'अंतरिक्ष में डेटा सेंटर बनाना अभी काफी आकर्षक लग रहा है।' मस्क की यह टिप्पणी चुनाव नतीजों के बाद आई।

अपनी दूसरी पोस्ट में मस्क ने लिखा, 'लगता है इस बार चुनाव में दखल देने वाली मेरी अंतरिक्ष लेजर तकनीक काम नहीं आई।' इस टिप्पणी को उनके राजनीतिक प्रभाव और चुनावी नतीजों पर एक व्यंग्यात्मक मजाक के तौर पर देखा जा रहा है।

बता दें कि मस्क पर अमेरिकी चुनावों में दखल देने और हेरफेर करने को लेकर पहले कई गंभीर आरोप लग चुके हैं। खासकर 2024 के राष्ट्रपति चुनावों में। उसके बाद से उन पर लगातार चुनावी प्रक्रियाओं को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं।

बता दें कि अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेट्स ने अब तक रिपब्लिकन की 27 सीटों पर भी जीत दर्ज कर ली है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने अमेरिकी सीनेट में बहुमत हासिल कर लिया है। कुल 53 सीटें जीतकर पार्टी ने सीनेट पर नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है।

यूरोप में कई विमानों को बम से उड़ाने की धमकी

इटली ने फाइटर जेट भेजे, पोलैंड ने एयरपोर्ट बंद किया, सारी धमकियां झूठी निकलीं

रोम, 4 नवंबर (एजेंसियां)। यूरोप में मंगलवार को अलग-अलग देशों में कई विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां मिलीं। इन धमकियों के बाद इटली ने दो विमानों को सुरक्षित एयरपोर्ट तक पहुंचाने के लिए अपनी एयरफोर्स के विमान भेजे, जबकि पोलैंड में एक एयरपोर्ट को कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा।

स्पेन में भी एक विमान की तलाशी ली गई। हालांकि, जांच के बाद सभी धमकियां झूठी निकलीं। किसी भी विमान में विस्फोटक नहीं मिला और न ही किसी की जान गई।

इन धमकियों से इटली, पोलैंड और स्पेन के एयरपोर्ट पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा।

धमकी मिलने वाले विमानों में रायनएयर, पोलैंड की एलओटी और स्कैंडिनेवियन एयरलाइंस (एसएएस) की फ्लाइट शामिल थीं। किसी भी विमान को इमरजेंसी लैंडिंग नहीं करनी पड़ी। इटली में लिस्बन से रोम जा रही



रायनएयर की फ्लाइट को मंगलवार सुबह एक ईमेल मिला, जिसमें विमान में बम होने का जिक्र था।

इसके बाद विमान को रोम के फ्यूमिचिनो एयरपोर्ट पर उतारा गया। पुलिस के बम निरोधक दस्ते ने यात्रियों, क्रू और सामान की जांच की, लेकिन कुछ नहीं मिला।

डबलिन से रोम आ रही रायनएयर की एक दूसरी फ्लाइट को भी इसी तरह की धमकी मिली। इटली की एयरफोर्स ने इस विमान को फ्यूमिचिनो एयरपोर्ट तक एस्कॉर्ट किया। यहां भी जांच में कोई विस्फोटक नहीं मिला।

पोलैंड में फ्लाइट का रास्ता बदला, एयरपोर्ट बंद रहा

पोलैंड में लंदन से वारसॉ जा रही एलओटी एयरलाइन की फ्लाइट को बम की धमकी मिली। इसके बाद विमान को वारसॉ के मुख्य एयरपोर्ट के बजाय मॉडलिन एयरपोर्ट पर उतारा गया।

जांच के लिए इस एयरपोर्ट को कुछ देर बंद रखना पड़ा। जांच में विमान के अंदर कुछ नहीं मिला। यात्रियों को जांच के बाद बस से वारसॉ के एयरपोर्ट पहुंचाया गया। इसी दौरान कोपेनहेगन से वारसॉ आ रही एसएएस एयरलाइन की फ्लाइट में भी संदिग्ध सामान होने की खबर मिली। विमान उतरने के बाद यात्रियों की जांच हुई, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

स्पेन में 121 यात्रियों की ली गई तलाशी

स्पेन के मर्सिया एयरपोर्ट पर मैनचेस्टर से पहुंची रायनएयर की फ्लाइट को भी बम की धमकी मिली। विमान में क्रू समेत 121 लोग सवार थे। अधिकारियों ने यात्रियों और क्रू की जांच की। विमान की भी तलाशी ली गई, लेकिन कोई विस्फोटक नहीं मिला।

मर्सिया क्षेत्र में स्पेन सरकार के प्रतिनिधि फ्रांसिस्को लुकास ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी।

अमेरिका के कन्सास में टूटा 94 साल की हार का सिलसिला

एक पादरी ने दिलाई डेमोक्रेट को जीत

वॉशिंगटन, 4 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी ने जबरदस्त जीत हासिल की है। इस चुनाव में कुछ ऐसी सीटें डेमोक्रेट्स ने जीती हैं, जो दशकों से रिपब्लिकन पार्टी के पास थीं। इसमें सबसे अहम नाम यूएस स्टेट कन्सास का है। कन्सास में डेमोक्रेटिक पार्टी के एडम हैमिल्टन ने रिपब्लिकन पार्टी के रोजर मार्शल को हराकर अमेरिकी सीनेट का चुनाव जीता है। वह 94 वर्षों में यानी तकरीबन एक सदी में कन्सास चुने जाने वाले पहले डेमोक्रेट सीनेटर बने हैं।

साल 2024 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस स्टेट में डेमोक्रेटिक कैंडिडेट 16 प्रतिशत की बढ़त बनाई थी लेकिन सीनेट के लिए यहां रिब्लिकन कैंडिडेट हार गए हैं।

कन्सास में एडम हैमिल्टन को 556,414 वोट मिले हैं, जो कुल 50.09 फीसदी है। यानी वह आधे से ज्यादा वोट अपने पक्ष में सुरक्षित करने में कामयाब रहे हैं। रिपब्लिकन रोजर मार्शल को 503,230 वोट मिले हैं, जो 46 फीसदी है। इन दोनों प्रमुख कैंडिडेट के अलावा एलआईबी के डेविड ग्राहम को भी 3 फीसदी (32,934) वोट मिले हैं।

क्यों चौंका रही एडम की जीत

एपी के मुताबिक, मेथोडिस्ट मेगाचर्च पास्टर एडम हैमिल्टन की कन्सास में रिपब्लिकन सीनेटर रोजर मार्शल को हराना चौंकाता है क्योंकि यह सीट रिपब्लिकन के लिए सबसे सुरक्षित मानी जाती थी।

इस सीट पर डेमोक्रेट को 94 साल तक हार मिली, जो देश के चुनावों में सबसे लंबा हार का सिलसिला था। इस सिलसिले को एडम ने तोड़ा है।

अब्दुल अल-सैयद ने अमेरिका का पहला मुस्लिम सीनेटर बनकर रचा इतिहास

भारत से है कनेक्शन

वॉशिंगटन, 4 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी मिडटर्म चुनावों में डेमोक्रेट अब्दुल अल-सैयद ने इतिहास रच दिया है। वे अमेरिका के पहले मुस्लिम सीनेटर बनेंगे। अल-सैयद ने मिडटर्म चुनाव में सीनेट की रेस में अपने रिपब्लिकन उम्मीदवार माइक रोजर्स को हरा दिया है। उन्हें साल 2026 के सबसे ध्रुवीकरण वाले मुकाबलों में से एक में यह जीत मिली है। उनकी जीत का जश्न भारत में भी मनाया जा रहा है, क्योंकि इसका एक इंडिया कनेक्शन भी है।

मिशिगन की इस चुनावी दौड़ ने अमेरिका ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था। पेशे से डॉक्टर अल-सैयद की जीत के बाद यह सीट डेमोक्रेटिक पार्टी के पास ही रहेगी। अल-सैयद को



यह जीत ऐसे डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव के बाद मिली है, जिसमें काफी खींचतान देखने को मिली थी।

अगस्त 2026 में हुए इस चुनाव में उन्होंने हेली स्टीवंस को बहुत कम अंतर से हराया था। लेकिन चुनाव प्रचार के आखिरी दिनों में अब्दुल अल-सैयद के लिए असहज स्थिति पैदा हो गई, जब स्टीवंस ने रिपब्लिकन उम्मीदवार माइक रोजर्स को समर्थन का ऐलान कर दिया।

42 साल के अल-सैयद मिडटर्म चुनावों के दौरान सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाले उम्मीदवारों में थे। उनके धर्म को लेकर तीखी बहस हुई और उन पर यहूदी विरोधी होने के आरोप लगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार उनकी मुस्लिम पहचान को लेकर हमला बोला।

दर्दनाक सड़क हादसा

युवक और युवती की मौके पर मौत, दोनों की पहचान कर रही पुलिस

कोरबा, 4 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जिले के कुसमुंडा के गेवरा-टीपर मार्ग पर स्कूटी और बाइक के बीच भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद दोनों वाहन सवार सामने से जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आ गए। हादसे में बाइक सवार युवक ट्रेलर के पहियों के नीचे आ गया, जबकि स्कूटी सवार युवती की भी मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए।

बताया जा रहा है कि रेलवे अंडरब्रिज मरम्मत के लिए बंद होने से भारी वाहनों का दबाव टीपर मार्ग पर बढ़ गया था। इसी वजह से इस वैकल्पिक मार्ग पर यातायात काफी ज्यादा था।

भारतीय विदेश सचिव ने नेपाली विदेश मंत्री संग की बैठक

बालेन शाह को दिया पीएम मोदी का न्योता

काठमांडू, 4 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी नेपाल के दौरे पर हैं। उन्होंने बुधवार को काठमांडू की अपनी दो दिनी यात्रा की शुरुआत नेपाली विदेश मंत्री शिशिर खनाल के साथ मुलाकात से की है। खनाल के साथ बैठक में मिसरी ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंध मजबूत करने पर चर्चा की। मिसरी से ठीक एक दिन पहले, मंगलवार को नेपाल में भारत के नवनियुक्त राजदूत सुधाकर दलेला काठमांडू पहुंचे थे। ये दौरे दिखाते हैं कि दोनों देशों के बीच संबंधों को बेहतर करने की कोशिश तेज हुई है। इसी महीने नेपाली पीएम बालेन शाह के दिल्ली आने की उम्मीद है, जिस पर ये अधिकारी काठमांडू में चर्चा करेंगे।

मिसरी अपने नेपाली समकक्ष अमृत बहादुर राय के निमंत्रण पर नेपाल पहुंचे हैं। नेपाली विदेश



मंत्रालय ने बताया है कि मिसरी-खनाल की बैठक में नेपाल और भारत के बीच बहुआयामी साझेदारी गहरा करने और दोस्ती के पुराने संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई है। बुधवार को ही मिसरी और राय के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत होनी है।

मिसरी की नेपाली अफसरों के साथ बैठकों के एजेंडे में भारत के साथ नेपाल का प्रस्तावित आर्थिक पैकेज, प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की भारत यात्रा की तैयारियां, नेपाल में भारत वित्तपोषित परियोजनाओं की समीक्षा और सहयोग के नए संभावित क्षेत्रों पर चर्चा शामिल है। द काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, मिसरी नेपाली पीएम शाह को भारत आने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निमंत्रण देंगे। बालेन शाह के इस महीने के आखिर में दिल्ली आने की उम्मीद है। नेपाल पीएम का पद संभालने के बाद यह उनकी पहली द्विपक्षीय भारत यात्रा होगी। हालांकि अभी तक तारीखों की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। माना जा रहा है कि मिसरी की इस यात्रा में बालेन शाह के भारत दौरे की तारीख तय कर ली जाएगी और आने वाले दिनों में आधिकारिक तौर पर इसका ऐलान कर दिया जाएगा।

मिसरी नेपाली अधिकारियों के साथ आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। यह यात्रा दोनों देशों के बीच नियमित उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा को आगे बढ़ाएगी।

नेपाल में भारत के नवनियुक्त राजदूत सुधाकर दलेला मंगलवार को काठमांडू पहुंचे हैं। एक युवक

अमेरिकी चुनाव और ग्रीन कार्ड-एच1बी का इंतजार करते 2 भारतीय

एक को मिला पीआर, दूसरा लौटने को मजबूर



वॉशिंगटन, 4 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनाव में इमिग्रेशन बड़ा मुद्दा बना है। चुनाव प्रचार में बॉर्डर सुरक्षा और बिना दस्तावेजों के प्रवासन (माइग्रेशन) केंद्र में रहा है। एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा होने के बावजूद इसका सभी पर असर अलग-अलग है। दो भारतीय प्रवासियों का अनुभव इसके दूसरे पहलू की ओर इशारा करते हैं। ये ऐसे लोग हैं, जो कानूनी तरीके से देश में आए, नौकरी की और टैक्स तक भरा। फिर भी वे अमेरिका में रहने को लेकर अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं।

फर्स्टपोस्ट के मुताबिक, 13 सालों तक वर्जीनिया में रहने वाली दो बच्चों की मां को एक दशक के इंतजार के बाद परमानेंट रेजीडेंसी (स्थायी निवास) मिली है। यह उनके लिए राहत की बात है। अब वे अमेरिका में अपना भविष्य तय कर सकते हैं। दूसरी ओर फ्लोरिडा में रह रहे शुभम सिंह का अनुभव उलट है। डाटा इंजीनियरिंग और एनालिटिक्स मैनेजर के तौर पर काम करने वाले शुभम पीआर ना मिलने पर भारत लौटने की तैयारी कर रहे हैं।

शुभम सिंह की भारत वापसी

शुभम सिंह ने प्रतिष्ठित जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी से मास्टर डिग्री ली और कॉर्पोरेट में काम करते हुए अमेरिका में अपना करियर बनाया। उनका एसटीईएम ओपीटी (ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग) एक्सटेंशन जनवरी में खत्म हो रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय छात्रों को ग्रेजुएशन के बाद अमेरिका में कुछ समय काम करने की इजाजत देता है। एच1बी लॉटरी में नाम ना आने और दूसरा विकल्प ना बचने के बाद वे भारत लौटने को मजबूर हैं।

शुभम की कहानी वर्जीनिया में रहने वाली महिला से बिल्कुल अलग है। इस महिला को आखिरकार वह स्थिरता मिल गई है, जिसके लिए उन्होंने सालों तक संघर्ष किया। वहीं दूसरी ओर शुभम हैं, जो अमेरिका में अपनी योग्यता और पेशेवर अनुभव हासिल करने के बावजूद भारत वापस आ रहे हैं।

इंजीनियरों ने ढलान वाली सड़क गिरने से बचाने के लिए लगाए 580,000 टायर

अनोखे प्रयोग से हुआ कमाल

वॉशिंगटन, 4 नवंबर (एजेंसियां)। दुनियाभर में बीते कुछ दशकों में वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ी है। जैसे-जैसे वाहन बढ़े हैं तो पुराने टायरों के बड़े ढेर भी शहरों में जमा हुए हैं। कार, गाड़ी और दूसरे वाहनों के पुराने बेकार टायर कचरा प्रबंधन की समस्या पैदा करते हैं। ऐसे में वैज्ञानिक इनके इस्तेमाल (रीयूज) के विकल्प खोजते रहे हैं। साल 1990 में अमेरिका के ओरेगन में हाईवे मरम्मत परियोजना के दौरान इंजीनियरों ने लाखों टायरों के इस्तेमाल का एक तरीका निकाला, जो काफी हद तक कामयाब भी रहा।

अमेरिकी स्टेट ओरेगन में सड़क बनाना मुश्किल हो रहा था क्योंकि किनारे ढलान थी। इस पर मिट्टी डाली जाती तो पहले से खिसक रही जमीन पर बोझ बढ़ जाता था। ऐसे में ओरेगन डिपार्टमेंट ऑफ ट्रांसपोर्टेशन (ओडीओटी) ने मिट्टी के भारी तटबंध के एक हिस्से को पुराने टायरों से बदल दिया। टायर हल्के होते हैं, जिससे ढलान पर पड़ने वाला बोझ कम हो गया।

यह प्रयोग 1990 में यूएस-42 (कूज बे-रोजबर्ग हाईवे) पर किया गया था। इसे ओडीओटी की इंजीनियरिंग रिपोर्ट में 'ओरेगन स्टेट रोड 35' कहा गया है। फेडरल हाईवे एडमिनिस्ट्रेशन ने बाद में इसे भूस्खलन (लैंडस्लाइड) को ठीक करने की परियोजना में कटे हुए टायरों के अब तक के सबसे बड़े इस्तेमाल के रूप में दर्ज किया गया।

इस काम के लिए 5,800 टन कटे



हुए टायरों की जरूरत थी, जो करीब 580,000 टायर होते हैं। ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च रिकॉर्ड में रिचर्ड अप्टन और जॉर्ज माचन की 1993 की रिसर्च अनुसार, चार आपूर्तिकर्ताओं ने 150 से 275 मील दूर से ट्रकों के जरिए इन्हें साइट तक पहुंचाया। ये 100 ट्रकों में लाए गए। हर एक ट्रक पर 28 टन सामग्री थी।

इन टायरों को तीन-तीन फुट की परतों में बिछाया फिर हर परत को दबाया गया। ओरेगन के रीसाइक्लिंग प्रोग्राम ने सामग्री की लागत को घटाकर 10 डॉलर प्रति टन कर दिया।

टुकड़ों में कटे टायरों की लागत 30 डॉलर प्रति टन थी। इन्हें बिछाने और दबाने में 8.33 डॉलर प्रति टन का खर्च आया। ऐसे में ये पुराने टायरों के इस्तेमाल का व्यावहारिक विकल्प बन गया।





महादेव की नगरी काशी में कोई भूखा नहीं सोता



सुरेश गांधी

दुनिया में अनेक तीर्थ हैं, अनेक देवालय हैं और अनगिनत धार्मिक परंपराएं भी, लेकिन काशी का आध्यात्मिक वैभव अपने आप में विलक्षण है। यह वह नगरी है जहां देवाधिदेव महादेव स्वयं याचक बनकर मां अन्नपूर्णा के सम्मुख भिक्षा मांगते हैं। जहां मोक्ष के अधिपति भगवान शिव को भी जीवन के आधार अन्न की आवश्यकता होती है और जगतजननी मां पार्वती अन्नपूर्णेश्वरी के रूप में समूची सृष्टि का भरण-पोषण करती हैं। यही काशी का वह अद्भुत दर्शन है, जहां अन्न और अध्यात्म, जीवन और मोक्ष तथा वैराग्य और वैभव एक-दूसरे के पूरक बन जाते हैं। 'अन्नं ब्रह्मेति व्यजानात्' अर्थात अन्न ही ब्रह्म है। भारतीय दर्शन का यह शाश्वत उद्घोष काशी में मां अन्नपूर्णा की आराधना के रूप में साकार होता दिखाई देता है। यहां अन्न केवल उदर की क्षुधा शांत करने का साधन नहीं, बल्कि जीवन, चेतना और सृजन का आधार है। मां अन्नपूर्णा उसी अन्नतत्व की अधिष्ठात्री हैं। यही वजह है कि धनतेरस के अवसर पर जब उनके स्वर्णमयी स्वरूप के दर्शन होते हैं, तब काशी की आस्था में एक अलग ही उजास उतर आता है। मंदिर के कपाट खुलते हैं तो श्रद्धालुओं के लिए यह केवल देवी के दर्शन का अवसर नहीं, बल्कि अन्न, धन, दान और समृद्धि की उस सनातन परंपरा से जुड़ने का क्षण होता है, जिसकी जड़ें काशी की आध्यात्मिक चेतना में गहराई तक समाई हैं।

शिव भी समझाते हैं अन्न का महत्व

काशी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां शिव और शक्ति का संबंध केवल आराधना का विषय नहीं, बल्कि जीवन के गूढ़ दर्शन का प्रतीक है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, एक बार भगवान शिव ने संसार को यह समझाने के लिए कि भौतिक जगत और अन्न का कोई स्थायी महत्व नहीं है, उसे माया का स्वरूप बताया। इस पर मां पार्वती ने संसार से अन्न और पोषण की शक्ति समेट ली। देखते ही देखते सृष्टि में अन्न का संकट उत्पन्न हो गया। जीव-जंतु व्याकुल हो उठे। संसार में भूख और अभाव का विस्तार होने लगा। जब स्वयं महादेव को भी इस सत्य का बोध हुआ कि अन्न के बिना सृष्टि का संचालन संभव नहीं, तब उन्होंने मां पार्वती की शरण ली। मां ने काशी में अन्नपूर्णा के रूप में प्रकट होकर अन्न का वितरण किया। भगवान शिव स्वयं भिक्षापात्र लेकर उनके सम्मुख पहुंचे। मां ने उन्हें अन्न प्रदान किया। यह प्रसंग केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि भारतीय जीवन दर्शन का अत्यंत गहरा संदेश है कि आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी शरीर का स्वस्थ और तृप्त होना आवश्यक है। भूखे मनुष्य के लिए पहले अन्न है, फिर अध्यात्म। मंदिर में स्थापित शिव और अन्नपूर्णा के स्वरूप इस दिव्य प्रसंग की स्मृति को जीवंत करते हैं। एक ओर महादेव भिक्षुक के रूप में हैं तो दूसरी ओर मां अन्नपूर्णा अन्न की अधिष्ठात्री बनकर जगत का पोषण कर रही हैं। यह दृश्य बताता है कि शिव के बिना शक्ति अधूरी है और शक्ति के बिना सृष्टि का अस्तित्व संभव नहीं।

धनतेरस पर स्वर्णमयी स्वरूप के दर्शन का दुर्लभ अवसर

काशी के अन्नपूर्णा मंदिर की सबसे विशिष्ट परंपराओं में मां के स्वर्णमयी विग्रह के दर्शन का विशेष महत्व है। सामान्य दिनों में मां के नियमित स्वरूप की पूजा-अर्चना होती है, लेकिन धनतेरस से अन्नकूट महोत्सव तक विशेष अवसर पर मां का स्वर्णमयी स्वरूप श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खुलता है। यह अवसर वर्षभर में केवल कुछ दिनों के लिए मिलता है। इसी कारण देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु काशी पहुंचते हैं। स्वर्णमयी मां अन्नपूर्णा के दर्शन के लिए मंदिर परिसर और आसपास की गलियों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगती हैं। घंटों प्रतीक्षा के बाद जब भक्तों को मां का दिव्य स्वरूप देखने का अवसर मिलता है तो उनकी आंखों में श्रद्धा और मन में असीम संतोष झलकता है। मां के हाथों में अन्न से भरा पात्र और खप्पर का स्वरूप उनके अन्नदायिनी रूप की महत्ता को रेखांकित करता है। काशी में धनतेरस का यह आयोजन केवल धन और वैभव की कामना तक सीमित नहीं है। इसका मूल संदेश है कि जिस घर में अन्न है, वहां जीवन है और जिस समाज में भूखे को भोजन कराने की संवेदना है, वही वास्तव में समृद्ध है।



कुबेर का खजाना : मुट्ठीभर प्रसाद में समाई समृद्धि की कामना

मां अन्नपूर्णा के स्वर्णमयी दर्शन के साथ ही यहां कुबेर के खजाने की परंपरा भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहती है। धनतेरस के अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं को खजाने के प्रसाद के रूप में धान, लावा और सिक्के वितरित किए जाते हैं। इसे मां का आशीर्वाद और कुबेर की कृपा मानकर भक्त अपने घर ले जाते हैं। मान्यता है कि इस प्रसाद को लाल कपड़े में बांधकर घर की तिजोरी अथवा पूजा स्थल पर रखने से वर्षभर अन्न और धन की कमी नहीं होती। श्रद्धालुओं के लिए इन सिक्कों का मूल्य उनकी आर्थिक कीमत से कहीं अधिक है। यह मां के प्रति उनकी आस्था, विश्वास और पारिवारिक मंगलकामना का प्रतीक है। धनतेरस की रात मंदिर में आरती की गूंज, दीपों की जगमगाहट और मां के जयकारों के बीच खजाने के प्रसाद का वितरण काशी की धार्मिक परंपरा को विशिष्ट बना देता है। यह वह अवसर है जब भक्त अपनी सामर्थ्य के अनुसार अर्पण करते हैं और मां के दरबार से आशीर्वाद लेकर लौटते हैं। यहां धन का अर्थ केवल स्वर्ण और मुद्रा नहीं, बल्कि अन्न, संतोष, उदारता और परिवार की खुशहाली भी है।

अकाल से अन्नपूर्णा के वरदान तक की मान्यता

मां अन्नपूर्णा की महिमा से जुड़ी पौराणिक मान्यताओं में अकाल और अन्न संकट का प्रसंग विशेष रूप से उल्लेखनीय है। स्कंद पुराण की काशी महात्म्य परंपरा में अन्नपूर्णा की महिमा का वर्णन मिलता है। धार्मिक आख्यानों के अनुसार, जब संसार में अन्न का अभाव हुआ और जीव-जगत भूख से व्याकुल हो उठा, तब मां अन्नपूर्णा ने अन्नदान के माध्यम से सृष्टि के पोषण का दायित्व संभाला। काशी में प्रचलित मान्यता है कि मां ने महादेव को अन्न प्रदान करते हुए यह आश्वासन दिया कि उनकी नगरी में कोई भूखा नहीं रहेगा। इसी विश्वास ने काशी को अन्नक्षेत्र की विशिष्ट पहचान दी। आज भी काशी की गलियों, मठों, मंदिरों और आश्रमों में चलने वाले भंडारे, अन्नदान और सेवा के आयोजन इसी परंपरा की जीवंत अभिव्यक्ति माने जाते हैं। यहां अन्नदान को महादान कहा गया है। क्योंकि धन का दान किसी की आवश्यकता पूरी कर सकता है, लेकिन अन्नदान सीधे जीवन को बचाता है। मां अन्नपूर्णा की आराधना का वास्तविक अर्थ भी यही है कि किसी की थाली खाली न रहे और कोई व्यक्ति भूख के कारण विवश न हो।

अन्न, लक्ष्मी और भूमि : समृद्धि के तीन आधार

काशी का अन्नपूर्णा मंदिर धार्मिक दृष्टि से एक और विशेषता समेटे हुए है। यहां मां अन्नपूर्णेश्वरी के साथ मां लक्ष्मी और मां भूमि देवी की उपस्थिति का भी विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता में इन तीनों शक्तियों को जीवन की समृद्धि के तीन आधारों के रूप में देखा जाता है। मां अन्नपूर्णा अन्न और पोषण की प्रतीक हैं। मां लक्ष्मी धन, वैभव और ऐश्वर्य की अधिष्ठात्री हैं, जबकि मां भूमि देवी धैर्य, आधार और स्थायित्व का बोध कराती हैं। इन तीनों शक्तियों का संयुक्त भाव यह संदेश देता है कि केवल धनवान होना समृद्धि नहीं है। वास्तविक संपन्नता तब है, जब जीवन में अन्न की उपलब्धता हो, धन का सदुपयोग हो और परिवार तथा समाज के लिए स्थायी सुख-समृद्धि का आधार भी मौजूद हो। इस दृष्टि से अन्नपूर्णा मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय जीवन पद्धति के उस दर्शन का प्रतीक है, जहां भौतिक संपन्नता और आध्यात्मिक संतोष को एक-दूसरे से अलग नहीं माना गया है।

धनतेरस से अन्नकूट तक आस्था का उत्सव

दीपावली से पहले आने वाला धनतेरस काशी में विशेष धार्मिक उल्लास लेकर आता है। सामान्य तौर पर धनतेरस को धन्वंतरि और लक्ष्मी पूजन, नए बर्तन तथा धातुओं की खरीदारी से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन काशी में इस पर्व का एक अलग आध्यात्मिक आयाम भी है। यहां मां अन्नपूर्णा के स्वर्णमयी दर्शन और कुबेर के खजाने की परंपरा इस दिन को विशिष्ट बनाती है। धनतेरस से लेकर अन्नकूट तक मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है। मंदिर की घंटियों की ध्वनि, वैदिक मंत्रोच्चार, आरती और मां के जयकारे पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना देते हैं। अन्नकूट महोत्सव में विविध प्रकार के व्यंजनों और अन्न का भोग अर्पित करने की परंपरा भी इसी भाव को विस्तार देती है। यह आयोजन इस बात का प्रतीक है कि प्रकृति से प्राप्त अन्न के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना और उसे सामूहिक रूप से बांटना भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। अन्नकूट का भाव केवल छप्पन भोग या विविध पकवानों तक सीमित नहीं है। यह उस अन्न के प्रति सम्मान का पर्व है, जो किसान के श्रम, धरती की उर्वरता, जल की उपलब्धता और प्रकृति की अनुकंपा से हमारी थाली तक पहुंचता है।

काशी की रसोई में आज भी जीवित है मां का वचन

काशी को अन्नक्षेत्र कहने के पीछे केवल धार्मिक मान्यता ही नहीं, बल्कि यहां की सामाजिक और सांस्कृतिक परंपरा भी है। मंदिरों के भंडारे, संतों की सेवा, जरूरतमंदों को भोजन कराने की परंपरा और विभिन्न संस्थाओं की अन्नसेवा इस नगरी की पहचान हैं। यहां आने वाला श्रद्धालु केवल दर्शन नहीं करता, बल्कि किसी न किसी रूप में सेवा और दान की परंपरा से भी जुड़ता है। मां अन्नपूर्णा की आराधना का संदेश आज के समय में और भी प्रासंगिक हो जाता है, जब एक ओर भोजन की बर्बादी चिंता का विषय है तो दूसरी ओर समाज का एक वर्ग अब भी पौष्टिक भोजन से वंचित है। ऐसे में मां का अन्नदायिनी स्वरूप हमें याद दिलाता है कि भोजन का सम्मान और जरूरतमंद को भोजन उपलब्ध कराना भी धर्म का महत्वपूर्ण अंग है। काशी में प्रचलित यह विश्वास कि मां के रहते उनकी नगरी में कोई भूखा नहीं रहेगा, वास्तव में समाज के सामूहिक दायित्व की ओर भी संकेत करता है। मां का आशीर्वाद तभी सार्थक है, जब उनकी संतानें एक-दूसरे की भूख और पीड़ा को समझें।

काशी के आध्यात्मिक चिंतन में बाबा विश्वनाथ और मां अन्नपूर्णा का संबंध अत्यंत गहरा है। बाबा विश्वनाथ जहां मोक्ष और कल्याण के अधिपति माने जाते हैं, वहीं मां अन्नपूर्णा जीवन के पोषण और भरण-पोषण की अधिष्ठात्री हैं। एक ओर शिव वैराग्य का संदेश देते हैं तो दूसरी ओर शक्ति संसार को गतिशील बनाए रखने के लिए अन्न और ऊर्जा प्रदान करती हैं। यही काशी का अद्वैत है। यहां जीवन और मृत्यु विरोधी नहीं, बल्कि एक ही शाश्वत यात्रा के दो पड़ाव हैं।



महालक्ष्मी की तस्वीर खरीदते समय 9 बातें ध्यान रखें

रविवार, 8 नवंबर को दीपावली है। मान्यता है कि दीपावली की रात विधि-विधान से लक्ष्मी पूजन करने से घर में सुख, समृद्धि और खुशहाली आती है। इस दिन लोग घरों में मां लक्ष्मी की विशेष पूजा करते हैं। इस पूजा में देवी की तस्वीर चुनाव करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, मां लक्ष्मी की ऐसी तस्वीर की पूजा करना शुभ माना जाता है, जिसमें देवी भगवान विष्णु के साथ विराजमान हों। इसके अलावा भी कुछ विशेष स्वरूपों वाली तस्वीरों की पूजा की जा सकती है। लक्ष्मी जी की तस्वीर खरीदते समय ये 9 बातें ध्यान रखें...

1. मां लक्ष्मी की ऐसी तस्वीर को शुभ माना जाता है, जिसमें वे कमल के फूल पर बैठी हुई हों। कमल को पवित्रता, सुंदरता और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। इसलिए दीपावली की पूजा में कमल पर विराजित लक्ष्मी जी की तस्वीर रखी जा सकती है।
2. ऐसी तस्वीर भी पूजन के लिए शुभ मानी जाती है, जिसमें देवी लक्ष्मी के साथ ऐरावत हाथी दिखाई देता है। हाथी को ऐश्वर्य, वैभव और सम्मान का प्रतीक माना गया है।
3. ऐसी तस्वीर भी बहुत शुभ है, जिसमें देवी के साथ दोनों ओर हाथी हैं और दोनों हाथी सूंड से सिक्कों की बारिश करते दिखाई देते हैं। इस स्वरूप को गजलक्ष्मी कहा जाता है।
4. कुछ तस्वीरों में देवी लक्ष्मी के दोनों ओर हाथी अपनी सूंड में जल से भरे कलश लिए नजर आते हैं। ऐसी तस्वीर को भी शुभता और समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है।
5. भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की ऐसी तस्वीर, जिसमें दोनों गरुड़ देव पर बैठे हों, पूजा के लिए विशेष मानी जाती है। मान्यता है कि इस स्वरूप की आराधना से परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। पति-पत्नी के बीच प्रेम और आपसी सामंजस्य भी बना रहता है।
6. दीपावली पर मां लक्ष्मी के साथ भगवान गणेश और देवी सरस्वती की तस्वीर भी रखी जाती है। मान्यता है कि महालक्ष्मी धन और समृद्धि की देवी हैं, गणेश विघ्न दूर करने वाले हैं और सरस्वती ज्ञान की देवी हैं। इसलिए तीनों का एक साथ पूजन शुभ माना जाता है।
7. ज्योतिषीय मान्यताओं के मुताबिक, घर में मां लक्ष्मी की ऐसी तस्वीर लगानी चाहिए, जिसमें देवी बैठी हुई मुद्रा में हों। मान्यता है कि खड़ी हुई मुद्रा में लक्ष्मी जी की तस्वीर रखने से धन एक जगह नहीं टिकता। इसी वजह से बैठी हुई देवी की तस्वीर को अधिक शुभ माना जाता है।
8. ऐसी तस्वीर, जिसमें देवी के पैर स्पष्ट रूप से दिखाई देते हों, वह पूजा में रखने से बचना चाहिए। यह परंपरागत मान्यता है। उल्लू पर सवार मां लक्ष्मी की तस्वीर को सामान्य गृहस्थ पूजा में रखने से बचना चाहिए। अकेली मां लक्ष्मी की तस्वीर रखने के बजाय गणेश जी और सरस्वती के साथ उनकी तस्वीर रखना शुभ है।
9. मां लक्ष्मी की ऐसी तस्वीर को भी शुभ माना जाता है, जिसमें देवी अपने दोनों हाथों से सोने के सिक्कों या धन की वर्षा कर रही हों।

अक्षय वट... जो न प्रलय में जलमग्न हुआ, न तेजाब से भस्म हुआ

पौराणिक मान्यताओं से लेकर धार्मिक आस्थाओं तक की इस यात्रा के दूसरे पड़ाव में हमने प्रयागराज से करीब 125 किमी दूरी तय करके चित्रकूट में कदम रख दिए। प्रयागराज के अक्षय वट व लेटे हनुमान मंदिर से लेकर चित्रकूट के वाल्मीकि आश्रम और सती अनुसुइया मंदिर तक के इस सफर में श्रीराम के पदचिह्नों की छाप देखिए...

वाल्मीकि आश्रम से निकलकर प्रभु श्रीराम और सीताजी अक्षय वट के नीचे रुके थे और लक्ष्मण उनकी निगरानी कर रहे थे।

अभी यह अक्षय वट प्रयागराज संगम तट पर इलाहाबाद फोर्ट के अंदर है। पुजारी मोहन जोशी बताते हैं- 'ब्रह्मा, विष्णु और महेश ने सृष्टि की स्थिरता के लिए इसकी स्थापना की थी। ब्रह्मा जी ने यहां 31 करोड़ देवी-देवताओं के साथ 10 बार हवन-यज्ञ किया था। वनवास के दौरान श्रीराम, सीता और लक्ष्मण ने यहां तीन दिन विश्राम किया था। पतझड़ में भी इसके पत्ते नहीं सूखते।

द्वापर युग में भगवान विष्णु ने वाल्मीकि और मार्कण्डेय जी को बालमुकुंद के रूप में दर्शन दिए थे और कहा था कि महाराज! मांगिए क्या वर मांगना चाहते हैं, तो मुनिवर ने कहा कि मैं प्रलय देखना चाहता हूं। तो उन्होंने अपनी शक्तियों से उन्हें प्रलय दिखाया। पूरे ब्रह्मांड को जलमग्न कर दिया, लेकिन यही एक वट वृक्ष था, जो सुरक्षित था।

17वीं सदी में मुगल शासक औरंगजेब ने इसे छत्तीसों बार कटवाया, पर इसका नाश नहीं हुआ। फिर जड़ों में तेजाब डालना शुरू कर दिया, फिर भी यह भस्म नहीं हुआ। आखिर में उसने इसे लोहे की चादर से बंद कर दिया, ताकि कोई देख न सके। आजादी के बाद इसे आम लोगों के दर्शन के लिए खोला गया। अभी यह सेना के जिम्मे है।'

चित्रकूट से करीब 20 किमी पहले आता है वाल्मीकि आश्रम

यह स्थान वाल्मीकि जी की तपोस्थली थी। यहीं माता सीता ने लव-कुश को जन्म दिया था। करीब 425 सीढ़ियां चढ़ने के बाद वह कुटिया मिलती है, जहां वाल्मीकि जी तपस्या करते थे। चित्रकूट में श्रीराम सबसे पहले यहीं आए थे। महर्षि ने उनसे कहा था- मुझे पता है प्रभु कि ये आपका मानव अवतार है, इसलिए बताता हूं कि आप चित्रकूट के जंगलों में निवास करें।



जिसके बीच से मंदाकिनी गंगा नदी बहती है। इसे धरती पर लाने का श्रेय सती अनुसुइया को जाता है।

हम चित्रकूट में सती अनुसुइया के भव्य मंदिर भी गए। यहां ऐसी प्रतिमा है, जिसमें ब्रह्मा, विष्णु, महेश बालरूप में पालने में लेटे हैं और पास में मां सती अनुसुइया की बड़ी मूर्ति है।

हम चौंके तो पुजारी ने बताया- 'ब्रह्मा, विष्णु और महेश साधु वेष बनाकर सती अनुसुइया की परीक्षा लेने आए थे। उन्होंने अनुसुइया के सामने निर्वस्त्र होकर भोजन देने की शर्त रख दी। अपने तपोबल से अनुसुइया समझ गईं कि ये त्रिदेव हैं। उन्होंने पवित्र भाव से पति के चरणामृत का जल उन पर छिड़क दिया, जिससे वे अबोध शिशु में बदल गए। फिर उन्हें वात्सल्य भाव से दूध पिलाया और पालने में सुला दिया।

लंका विजय के बाद यहां लेटे थे हनुमानजी

अक्षय वट से चंद कदम दूर है- लेटे हनुमान जी का मंदिर। उनके एक हाथ में राम-लक्ष्मण की प्रतिमा, दाएं पैर के नीचे मार्कण्डेय और बाएं पैर के नीचे अहिरावण की प्रतिमा है। पुजारी महाराज ने बताया- 'लंका विजय से लौटते समय जब श्रीराम और सीता भारद्वाज ऋषि से आशीर्वाद लेने गए थे, तो सीता जी ने सिंदूर के लेप के साथ हनुमानजी को यहां विश्राम करने के लिए कहा था। मंदिर में जो मूर्ति है, वह 15वीं सदी में कुंभ का टेंट लगाते समय जमीन से निकली थी।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 5 नवंबर - 2026

समुद्र का बदलता मिजाज

समुद्र की लहरों के भीतर जमा होती गर्मी अब केवल पर्यावरण वैज्ञानिकों की चिंता नहीं बल्कि दुनिया के मौसम, समुद्री पारिस्थितिकी और करोड़ों लोगों की आजीविका पर पड़ने लगा है। जलवायु परिवर्तन के कारण महासागर लगातार अतिरिक्त गर्मी सोख रहे हैं। यही गर्मी अनुकूल परिस्थितियां मिलने पर चक्रवाती तूफानों को अधिक शक्तिशाली बनाने में भूमिका निभा रही है। भारत जैसे देश के लिए, जिसकी लंबी तटरेखा पर करोड़ों लोगों की जिंदगी निर्भर है, यह खतरे की घंटी है। भारतीय और प्रशांत महासागर के गर्म हिस्सों का विस्तार पहले की तुलना में लगभग दोगुना हो चुका है। इसका असर चक्रवातों के व्यवहार में भी दिखाई दे रहा है। आंध्र प्रदेश के तट से टकराने वाले चक्रवात इसका उदाहरण हैं। कुछ तूफान बेहद कम समय में अपनी ताकत कई गुना बढ़ा लेते हैं। महज 36 घंटे में चक्रवाती तूफान का खतरनाक रूप लेना बताता है कि अब मौसम की सामान्य गतिविधियों का अनुमान लगाना भी आसान नहीं रहा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने ऐसे तूफानों की गंभीरता को देखते हुए उन्हें बेहद गंभीर श्रेणी में रखा है। इस बदलाव के पीछे समुद्र का बढ़ता तापमान महत्वपूर्ण कारक है। यह समुद्र की सतह का सामान्य से अधिक गर्म होना और अल-नीनो जैसी परिस्थितियां चक्रवातों की तीव्रता बढ़ाने में भूमिका निभा सकती हैं। गर्म समुद्री पानी से उठने वाली नमी और ऊर्जा तूफानों को ताकत देती है। हालांकि, केवल सतह का तापमान ही पूरी कहानी नहीं है। समुद्र की गहराई में मौजूद गर्म पानी भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि तूफान के रास्ते में गहराई तक गर्म पानी उपलब्ध हो, तो उसकी ऊर्जा लंबे समय तक बनी रह सकती है। अमेरिकी राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन के आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर 2026 में भूमध्यरेखीय मध्य प्रशांत महासागर की सतह का तापमान करीब 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं सितंबर 2026 में वैश्विक समुद्री सतह का औसत तापमान सामान्य से लगभग 1.10 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। यह उस महीने के लिए दर्ज सबसे बड़ा अंतर था और अगस्त 2026 के पिछले रिकॉर्ड से भी आगे था। बंगाल की खाड़ी में चक्रवात बनने के लिए अनुकूल परिस्थितियां मौजूद हैं। गर्म वातावरण में नमी की अधिकता बादलों के विकास और तेज बारिश की आशंका बढ़ा सकती है। भारत में मानसून के बाद का मौसम भी चक्रवातों के लिहाज से संवेदनशील रहता है। सामान्यतः समुद्र की सतह का तापमान 27 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक होना चक्रवातों के विकास के अनुकूल माना जाता है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2000 के बाद उत्तर हिंद महासागर में करीब 38 फीसदी चक्रवातों में तेजी से तीव्रता बढ़ने की स्थिति दर्ज की गई, जबकि उत्तर-पश्चिमी प्रशांत महासागर में यह अनुपात लगभग 22 फीसदी रहा। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णा एस. वत्स के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के साथ मौसम संबंधी खतरों की विविधता और अनिश्चितता बढ़ रही है। भारत ने बेहतर पूर्वानुमान और समय पर चेतावनी देकर चक्रवातों से होने वाली मौतों को कम करने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, लेकिन आर्थिक नुकसान अब भी बड़ी चुनौती है। मकान, फसलें, सड़कें, बिजली व्यवस्था, बंदरगाह और मछुआरों की आजीविका प्रभावित होती है। इसलिए समुद्र की सतह के साथ उसकी गहराई के तापमान की निगरानी, आधुनिक पूर्वानुमान प्रणाली और तटीय क्षेत्रों में मजबूत आपदा प्रबंधन को प्राथमिकता देनी होगी। समुद्र की बढ़ती गर्मी को केवल प्राकृतिक उतार-चढ़ाव मानकर नजरअंदाज करना बड़ी भूल होगी। अब सवाल यह नहीं कि अगला तूफान कब आएगा, बल्कि यह है कि उसके आने से पहले हमारी तैयारी कितनी मजबूत होगी।

राहुल का नेतृत्व और लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा



गौतम चौधरी

भारतीय लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका केवल सत्ता का विरोध करना नहीं, बल्कि सत्ता को जवाबदेह बनाए रखना भी है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की शक्ति जितनी महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण उसका संस्थागत संतुलन भी है। संसद, न्यायपालिका, निर्वाचन आयोग और अन्य संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है। इसलिए जब किसी संवैधानिक संस्था की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं, तब विपक्ष का दायित्व केवल राजनीतिक प्रतिक्रिया देना नहीं, बल्कि उन सवालों को तथ्य, तर्क और लोकतांत्रिक मर्यादा के साथ देश के सामने रखना भी होता है।

एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में राहुल गांधी के नेतृत्व में आयोजित INDA गठबंधन की रैली को इसी व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। वोट बचाओ, देश बचाओ के नारे के साथ आयोजित इस रैली का मुख्य उद्देश्य मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करना और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर विपक्ष की आपत्तियों को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाना था। इस आयोजन में कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, तृणमूल कांग्रेस, वामपंथी दलों और अन्य विपक्षी संगठनों के नेताओं की भागीदारी रही। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, ममता बनर्जी और अन्य नेताओं की उपस्थिति ने इसे किसी एक दल के कार्यक्रम से आगे बढ़ाकर विपक्षी गठबंधन के सामूहिक शक्ति प्रदर्शन का रूप दिया। इस रैली का एक महत्वपूर्ण पक्ष राहुल गांधी का नेतृत्व प्रभाव है। पिछले कुछ वर्षों में राहुल गांधी ने अपनी राजनीतिक भूमिका को केवल कांग्रेस के संगठनात्मक नेतृत्व तक सीमित रखने के बजाय विपक्षी राजनीति के व्यापक चेहरे के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया है। भारत जोड़ो यात्रा, भारत जोड़ो न्याय यात्रा और संसद में उठाए गए विभिन्न मुद्दों के माध्यम से उन्होंने सामाजिक न्याय, संविधान, लोकतांत्रिक अधिकारों और संस्थागत जवाबदेही को अपनी राजनीति के प्रमुख विषयों में शामिल किया है।

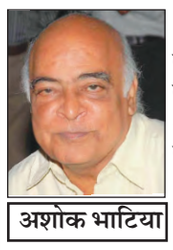
रामलीला मैदान की रैली इस राजनीतिक प्रयास की एक और कड़ी थी। विभिन्न विचारधाराओं और क्षेत्रीय हितों वाले दलों को एक मंच पर लाना अपने आप में आसान काम नहीं है। विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस के अतिरिक्त ऐसे दल भी हैं जिनकी अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं, क्षेत्रीय प्राथमिकताएं और नेतृत्व संबंधी अपेक्षाएं हैं। ऐसे में राहुल गांधी के लिए चुनौती केवल भीड़ जुटाने की नहीं, बल्कि सहयोगी दलों के बीच साझा राजनीतिक उद्देश्य विकसित करने की भी है।

इस दृष्टि से रैली में विपक्ष के प्रमुख नेताओं की भागीदारी महत्वपूर्ण रही। इससे यह संकेत अवश्य मिला कि चुनावी प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग की भूमिका को लेकर विपक्ष के भीतर कुछ साझा चिंताएं हैं। हालांकि साझा मंच पर उपस्थिति को स्थायी राजनीतिक एकजुटता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। विपक्ष की वास्तविक एकजुटता की परीक्षा तब होगी जब सीटों के बंटवारे, नेतृत्व, चुनावी रणनीति और क्षेत्रीय राजनीतिक हितों से जुड़े कठिन सवाल सामने आएंगे।

राहुल गांधी के नेतृत्व की वास्तविक सफलता इस बात से निर्धारित होगी कि वे इन अंतर्विरोधों के बीच कितना संवाद और समन्वय स्थापित कर पाते हैं। किसी भी राजनीतिक रैली का मूल्यांकन करते समय उसमें जुटी भीड़ एक महत्वपूर्ण संकेतक होती है, लेकिन उसे सफलता का एकमात्र पैमाना नहीं बनाया जा सकता।

इस रैली के आयोजन से पहले कांग्रेस ने दस लाख लोगों की भागीदारी का लक्ष्य रखा था। आयोजन में हजारों लोग शामिल हुए। हालांकि वास्तविक संख्या को लेकर अलग-अलग दावे सामने आए।

वाणी की मर्यादा और व्यासपीठ का बदलता स्वरूप



अशोक भाटिया

मध्य प्रदेश के शिवपुरी में बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण की तुलना करते हुए दिया गया एक विवादास्पद बयान इन दिनों देशव्यापी विमर्श और गहरे जन-आक्रोश का केंद्र बना हुआ है। एक धार्मिक कथा के दौरान दिए गए इस बयान में उन्होंने भगवान राम को सीधा और मर्यादित बताते हुए, भगवान कृष्ण और उनके पवित्र धाम वृंदावन को लेकर कुछ ऐसी टिप्पणियां कर दीं जिसे ब्रजवासियों, संतों और करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों ने आराध्य का घोर अपमान माना। विवाद इस कदर बढ़ा कि चौतरफा घिरे धीरेंद्र शास्त्री को अपनी केन्या यात्रा के दौरान नैरोबी से एक वीडियो संदेश जारी कर हाथ जोड़कर बिना शर्त माफी मांगनी पड़ी। उन्होंने सफाई दी कि उनके बयान को संदर्भ से काटकर पेश किया गया और उनका इरादा भगवान कृष्ण की त्रिभंग मुद्रा (तीन जगह से मुड़ी हुई दिव्य छवि) और उनके नटखट स्वभाव को रेखांकित करना था, न कि उनका उपहास उड़ाना। हालांकि, इस माफीनामे के बाद भी समाज में सुलगती बहस शांत नहीं हुई है। यह पूरी घटना केवल एक कथावाचक की जुबान फिसलने या सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समकालीन भारत में धार्मिक विमर्श के बदलते स्वरूप, व्यासपीठ की गिरती गरिमा, भीड़ को रिझाने की अंधी दौड़ और डिजिटल युग में जन-भावनाओं के त्वरित भड़कने की गंभीर प्रवृत्तियों को उजागर करती है। यह समय इस बात पर बेहद संजीदगी से विचार करने का है कि जो व्यासपीठ सदियों से समाज को नैतिकता, मर्यादा और अध्यात्म का पाठ पढ़ाती आई है, क्या वह आज केवल मनोरंजन, तालियां बटोरने और लाउडस्पीकर संस्कृति का माध्यम बनकर रह गई है?

भारतीय वास्तुकला, दर्शन और अध्यात्म में भगवान श्रीकृष्ण की 'त्रिभंग ललित मुद्रा' को परम सौंदर्य, आनंद और रस का साक्षात स्वरूप माना गया है। भगवान कृष्ण का तीन जगहों से मुड़कर बांसुरी बजाना कोई शारीरिक वक्रता या चरित्र का दोष नहीं है, बल्कि वह ब्रह्मांडीय लीला का वह चरम बिंदु है जहां आकर न्याय, प्रेम और कूटनीति एक साथ समाहित हो जाते हैं। ऐसे में किसी सार्वजनिक मंच से श्रीकृष्ण को 'टेढ़ा' कहना और उनके धाम वृंदावन के प्रति हल्के शब्दों का प्रयोग करना न केवल अज्ञानता को दर्शाता है, बल्कि करोड़ों भक्तों की गहरी आस्था पर आघात भी करता है। सनातन परंपरा की यह सबसे बड़ी खूबसूरती रही है कि यहां हरि और हर, राम और कृष्ण में कभी कोई भेद नहीं माना गया। तुलसीदास जी ने जिस रामचरितमानस की रचना की, उसी परंपरा में सूरदास और रसखान ने कृष्ण भक्ति के सागर बहाए। शास्त्र कहते हैं कि 'एकं सद्विप्रा बहुधा वदंति' अर्थात सत्य एक ही है, विद्वान उसे अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। जब हमारे मूल शास्त्र ही राम और कृष्ण को एक ही परम तत्व के दो रूप मानते हैं, तो किसी समकालीन कथावाचक द्वारा मंच पर खड़े होकर उनके बीच तुलनात्मक मूल्यांकन करना और एक को दूसरे से कमतर या श्रेष्ठ दिखाना पूरी तरह से अतार्किक और परंपरा-विरोधी प्रतीत होता है।

इस पूरे विवाद का एक सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि आज के दौर में कथावाचक पौराणिक आख्यानों को जनमानस तक पहुंचाने के लिए 'मास अपील' या भीड़ को रिझाने की कला पर अत्यधिक निर्भर हो गए हैं। आधुनिक दौर के कई कथावाचकों ने व्यासपीठ को एक ऐसे लोक-मंच में तब्दील कर दिया है जहां गंभीर आध्यात्मिक चर्चाओं की जगह लटके-झटके, शेरो-शायरी, हास्य-व्यंग्य और चमत्कारों के दावों ने ले ली है। मंच पर उपस्थित हजारों-लाखों की भीड़ को बांधे रखने और उन्हें लगातार ताली बजाने पर मजबूर करने के मनोवैज्ञानिक दबाव में कई बार कथावाचक अपनी भाषा का नियंत्रण खो बैठते हैं। हास्य पैदा करने के चक्कर में वे भूल जाते हैं कि वे किसी लाफ्टर शो के मंच पर नहीं, बल्कि उस परम पवित्र व्यासपीठ पर बैठे हैं जिसका एक-एक शब्द समाज के लिए मार्गदर्शक होना चाहिए। धीरेंद्र शास्त्री के इस बयान के पीछे भी वही मानसिकता दिखाई देती है जहां श्रोताओं को गुदगुदाने या एक नया नैरेटिव देने के प्रयास में शब्दों के चयन में भारी लापरवाही बरती गई। जब धार्मिक मंचों पर गंभीरता की जगह लोक-लुभावनवाद हावी होने लगता है, तो इस तरह के वैचारिक और भाषाई स्खलन अनिवार्य हो जाते हैं।

डिजिटल क्रांति और सोशल मीडिया के इस युग ने इस समस्या को और अधिक जटिल बना दिया है। आज किसी भी कथा की लाइव स्ट्रीमिंग होती है और चंद सेकंड के भीतर उसके छोटे-छोटे हिस्से (रील्स और शॉर्ट्स) बनाकर इंटरनेट पर तैरने लगते हैं। धीरेंद्र शास्त्री ने अपनी सफाई में बार-बार यही तर्क दिया कि उनका पूरा वीडियो नहीं देखा गया और केवल 'कट-पेस्ट' करके विवाद खड़ा किया गया। हालांकि सोशल मीडिया के इस दौर में यह बहाना पूरी तरह स्वीकार्य नहीं हो सकता। यदि आप एक सार्वजनिक हस्ती हैं और लाखों लोग आपको सुनते हैं, तो यह आपकी प्राथमिक जिम्मेदारी है कि आप ऐसे शब्दों का प्रयोग ही न करें जिन्हें संदर्भ से अलग करने पर समाज में विद्वेष फैले। इंटरनेट के इस दौर में आधी-अधूरे सच और सनसनीखेज क्लिपिंग्स का वायरल होना एक कड़वी हकीकत है। इस वास्तविकता से आंखें मूंदकर मंच पर कुछ भी बोल देना और बाद में सोशल मीडिया को दोष देना अपनी जिम्मेदारी से भागने जैसा है। आधुनिक कथावाचकों को यह समझना होगा कि उनके मुख से निकला एक-एक शब्द अब केवल पंडाल में बैठे लोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह वैश्विक स्तर पर रिकॉर्ड हो रहा है और उसका त्वरित सामाजिक प्रभाव पड़ रहा है। इस विवाद ने भारतीय राजनीति को भी एक नया और आक्रामक अखाड़ा प्रदान कर दिया है। यह मामला सिर्फ एक बयान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अब इस पर बड़े कानूनी कदम भी उठने लगे हैं। सांसद पप्पू यादव ने दिल्ली के संसद मार्ग थाने पहुंचकर धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। वहीं दूसरी तरफ, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए इस पर तीखी आपत्ति जताते हुए इसे विदेशी या आंतरिक ताकतों की मदद से हिंदू धर्म को बदनाम करने और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश करार दिया है। अखिलेश यादव ने यहां तक सवाल उठाया कि ऐसे लोग किसके राजनीतिक संरक्षण में सक्रिय हैं और मांग की कि इनके सभी कार्यक्रम तुरंत रद्द होने चाहिए। राजनीति का यह तीखा रुख यह साफ करता है कि भारत में धर्म और राजनीति का अंतर्संबंध कितना संवेदनशील है। जब भी कोई धार्मिक गुरु विवादों में घिरता है, राजनीतिक दल तुरंत सक्रिय होकर इसे अपने एजेंडे के अनुकूल मोड़ देने की कोशिश में जुट जाते हैं। संपादकीय दृष्टिकोण से यह देखना बेहद जरूरी है कि धार्मिक विवादों को जब विशुद्ध रूप से राजनीतिक चश्मे से देखा जाने लगता है, तो मूल समस्या—यानी व्यासपीठ की मर्यादा और भाषाई शुचिता—का मुद्दा कहीं पीछे छूट जाता है और केवल राजनीतिक नूराकुश्ती ही शेष रह जाती है।

क्राइम हो सकता है, अपराध नहीं!



कुमार कृष्णन

किसी राज्य का मुख्यमंत्री जब यह कहता है कि वहां क्राइम हो सकता है, लेकिन अपराध नहीं, तो यह केवल शब्दों के चयन या जुबान फिसलने का मामला नहीं रह जाता। यह उस राजनीतिक दृष्टि और प्रशासनिक सोच का प्रश्न बन जाता है, जिसके आधार पर सरकार अपनी उपलब्धियों का मूल्यांकन करती है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का अपराध और क्राइम के बीच अंतर बताने वाला बयान इसी कारण चर्चा में है। राज्य की कानून-व्यवस्था की तारीफ करते हुए मुख्यमंत्री ने जिस तरह अपराध को अंग्रेजी के शब्द 'क्राइम' से अलग करके प्रस्तुत किया, उसने सरकार के दावे और जमीनी हकीकत के बीच की दूरी पर बहस छेड़ दी है।

इस बयान की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि अपराध का कोई हिंदी-अंग्रेजी संस्करण नहीं होता। किसी महिला के साथ यौन हिंसा हो, किसी बच्ची के साथ दुष्कर्म हो, किसी परिवार की हत्या हो, किसी व्यापारी से रंगदारी मांगी जाए या किसी कमजोर व्यक्ति की जमीन पर कब्जा किया जाए, पीड़ित के लिए उसका नाम क्राइम हो या अपराध, पीड़ा और अन्याय एक ही होते हैं। कानून की नजर में भी अपराध की पहचान भाषा से नहीं, बल्कि उसके कृत्य और कानूनी प्रावधानों से होती है।

मुख्यमंत्री का पद केवल सरकार की उपलब्धियां गिनाने का मंच नहीं है। यह जनता के प्रति जवाबदेही का संवैधानिक दायित्व भी है। मुख्यमंत्री के प्रत्येक सार्वजनिक वक्तव्य से प्रशासनिक तंत्र को दिशा मिलती है। इसलिए जब कानून-व्यवस्था जैसे संवेदनशील विषय पर ऐसी टिप्पणी आती है, तो उसका राजनीतिक और प्रशासनिक अर्थ तलाशना स्वाभाविक है। सवाल यह नहीं कि मुख्यमंत्री ने कौन-सा अंग्रेजी शब्द इस्तेमाल किया, सवाल यह है कि क्या राज्य में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित है?

बिहार में अपराध को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप कोई नई बात नहीं है। सत्ता में बैठी हर सरकार कानून-व्यवस्था में सुधार का दावा करती है, जबकि विपक्ष घटनाओं को आधार बनाकर सरकार को घेरता है। लेकिन इस राजनीतिक बहस के बीच सबसे महत्वपूर्ण पक्ष आम नागरिक का है, जो सुरक्षित जीवन, निष्पक्ष पुलिस व्यवस्था और समय पर न्याय चाहता है। किसी सरकार की सफलता का पैमाना उसके भाषण या विज्ञापन नहीं, बल्कि नागरिकों का सुरक्षा-बोध होना चाहिए।

विशेष रूप से महिलाओं और लड़कियों के विरुद्ध होने वाले अपराध इस कसौटी को और गंभीर बना देते हैं। किसी बच्ची के साथ हिंसा की घटना केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं होती, बल्कि वह पूरे समाज की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा करती है। महिलाओं के विरुद्ध अपराध की शिकायत दर्ज कराने से लेकर जांच, आरोपपत्र, सुनवाई और दोषसिद्धि तक की प्रक्रिया में यदि देरी होती है, तो पीड़िता को न्याय मिलने की उम्मीद कमजोर पड़ती है। कई बार सामाजिक दबाव, आर्थिक निर्भरता और बदनामी का भय भी शिकायत दर्ज कराने में बाधा बनते हैं।

ऐसी परिस्थितियों में सरकार की प्राथमिकता अपराध की परिभाषा बदलना नहीं, बल्कि अपराध रोकने की व्यवस्था को प्रभावी बनाना होना चाहिए। लड़कियों की सुरक्षा केवल महिला हेल्पलाइन, सीसीटीवी कैमरे और जागरूकता अभियानों से सुनिश्चित नहीं हो सकती। इसके लिए स्कूलों, कॉलेजों, सार्वजनिक परिवहन, कार्यस्थलों और ग्रामीण इलाकों तक सुरक्षा का भरोसेमंद तंत्र विकसित करना होगा। पुलिस थानों में शिकायत दर्ज कराने का वातावरण ऐसा होना चाहिए, जहां पीड़िता को संदेह की नजर से न देखा जाए और न ही उसे समझौते के लिए मजबूर किया जाए।

कानून-व्यवस्था का अर्थ केवल अपराध होने के बाद पुलिस की कार्रवाई नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ अपराध की रोकथाम, त्वरित और निष्पक्ष जांच, गवाहों की सुरक्षा, अभियोजन की मजबूती और न्यायिक प्रक्रिया में पीड़ित के अधिकारों की रक्षा है। यदि अपराधी को राजनीतिक संरक्षण मिलने की धारणा बनती है, पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठते हैं और प्रभावशाली लोगों के मामलों में कार्रवाई अलग दिखाई देती है, तो कानून का भय कमजोर पड़ता है। कानून का शासन तभी स्थापित होता है, जब उसकी निष्पक्षता पर जनता का विश्वास हो।

मुख्यमंत्री को यह भी समझना होगा कि अपराध के आंकड़े और आम लोगों का अनुभव, दोनों शासन की समीक्षा के लिए जरूरी हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े अपराध की प्रवृत्तियों को समझने का एक महत्वपूर्ण आधार देते हैं, लेकिन केवल दर्ज मामलों की संख्या से पूरी तस्वीर सामने नहीं आती। अपराध के पंजीकरण में वृद्धि का अर्थ कई बार शिकायत दर्ज कराने की बेहतर व्यवस्था भी हो सकता है, जबकि कम आंकड़े अपने आप में बेहतर कानून-व्यवस्था का प्रमाण नहीं होते। इसलिए आंकड़ों के साथ अपराध की प्रकृति, जांच की गुणवत्ता, आरोपपत्र दाखिल करने की स्थिति, दोषसिद्धि और लंबित मामलों का भी विश्लेषण जरूरी है।

बिहार जैसे बड़े और सामाजिक-आर्थिक विषमताओं से जूझते राज्य में यह चुनौती और व्यापक है। ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की उपलब्धता, महिलाओं की सुरक्षा, दलितों और वंचित समुदायों के विरुद्ध हिंसा, जमीन विवाद, शराबबंदी से जुड़े अवैध कारोबार, साइबर अपराध और संगठित अपराध जैसे विषयों पर सरकार को गंभीरता से काम करना होगा। अपराध का स्वरूप बदल रहा है। अपराधी तकनीक और नए तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में पुलिस को भी आधुनिक संसाधनों, प्रशिक्षण और वैज्ञानिक अनुसंधान से लैस करना जरूरी है।

लेकिन प्रशासनिक सुधार के साथ राजनीतिक इच्छाशक्ति भी उतनी ही आवश्यक है। पुलिस की जवाबदेही सुनिश्चित किए बिना कानून-व्यवस्था में स्थायी सुधार संभव नहीं है। थानों में आम नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से लेना, प्राथमिकी दर्ज करने में टालमटोल रोकना, जांच में निष्पक्षता बनाए रखना और राजनीतिक हस्तक्षेप से पुलिस को मुक्त रखना सरकार की जिम्मेदारी है। किसी प्रभावशाली व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई हो या किसी कमजोर नागरिक की शिकायत, कानून का पैमाना एक ही होना चाहिए।

हिंसा की पौध हमने बोई अब फल देखकर हैरान हैं



कृति जैन

हम बच्चों के भविष्य को लेकर बेहद चिंतित रहते हैं। जन्म लेते ही अच्छे स्कूल की तलाश शुरू हो जाती है। फिर कोचिंग, प्रतियोगिता और करियर की दौड़ जुड़ जाती है। मगर इस पूरी कवायद में एक जरूरी सवाल पीछे छूट जाता है—बच्चा अच्छा इंसान भी बन रहा है या नहीं? पंचकूला के एक सरकारी स्कूल में आठ साल के बच्चे ने छह साल की मासूम बच्ची पर ईंट और गमले से हमला कर दिया। घटना सीसीटीवी में कैद हुई तो समाज की नींद खुली। टीवी पर बहसें छिड़ गईं और अखबार चिंता जताने लगे। लेकिन सवाल है कि इतनी कम उम्र में बच्चे के भीतर इतनी हिंसा आई कहाँ से? किसने उसके मन में यह सोच भरी कि किसी को चोट पहुँचाना ताकत है? और हम अब तक क्या करते रहे?

घटना सामने आते ही स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था कठघरे में आ गई। कैमरे लगे थे, लेकिन निगरानी कौन कर रहा था? कर्मचारी कितने थे और बच्चों की सुरक्षा का जिम्मा किस पर था? प्रशासन कहाँ चूका? सवाल जरूरी हैं, लेकिन हर बड़ी घटना के बाद हम एक दोषी खोजकर बाकी सबको बरी कर देते हैं। स्कूल पर कार्रवाई होगी, अधिकारी निलंबित होगा, जाँच समिति रिपोर्ट देगी और फिर मामला अगली खबर के नीचे दब जाएगा। मगर उन स्कूलों का क्या, जहाँ रोज धमकियाँ और मारपीट होती हैं? वहाँ न फुटेज सामने आती है, न बहस छिड़ती है। परिवार भी कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं—बच्चे हैं, लड़ते रहते हैं। जब तक खून न बहे, हम हिंसा को शरारत मानकर अनदेखा करते रहते हैं।

बच्चों के प्रति घर में भी हमारी जिम्मेदारी कम नहीं है। बच्चा मोबाइल माँगता है और हम थमा देते हैं। वह चुप हुआ तो घर में शांति हो गई। माता-पिता काम में लग गए और मोबाइल उसका साथी बन गया। वह क्या देखता है, कौन-से खेल खेलता है और उसके मन पर क्या असर पड़ता है, इसकी फिक्र किसे है? तकनीक से परिचित कराना और बच्चे को उसके हवाले करना अलग बातें हैं। बच्चा हिंसक दृश्य देखता है, आक्रामक खेल खेलता है और गुस्से भरी भाषा सुनता है। हम नहीं सोचते कि वह इससे क्या सीख रहा है। पंचकूला की घटना में भी आरोपी बच्चे के हिंसक गेम खेलने की बात सामने आई। यह अकेला कारण नहीं, लेकिन सवाल है—बच्चों की डिजिटल दुनिया पर निगरानी कौन रख रहा है?

विद्यालयों में भी स्थिति अलग नहीं है। अनुशासन का अर्थ चुपचाप बैठना और आदेश मानना रह गया है। शिक्षक पाठ्यक्रम, प्रबंधन परीक्षा परिणाम और अभिभावक अंकों की दौड़ में जुटे हैं। इस बीच बच्चे का मन अनदेखा रह जाता है। कोई बच्चा धमकाता है, मारता है या प्रताड़ना झेलता है, तो इसे सामान्य झगड़ा मानकर टाल दिया जाता है। शिक्षक पाठ पढ़ाते हैं, लेकिन बच्चे की मनःस्थिति नहीं समझ पाते। अच्छे अंक लाने वाला प्रतिभाशाली कहलाता है, पर अच्छे व्यवहार को कितनी अहमियत मिलती है? हम गणित के सवाल हल करना सिखाते हैं, गुस्से पर काबू पाना नहीं; आगे बढ़ना सिखाते हैं, हार स्वीकार करना नहीं। फिर बच्चों के व्यवहार पर हैरान होते हैं।

समस्या केवल हिंसा करने वाले बच्चों की नहीं, उसे चुपचाप सहने वालों की भी है। कितने माता-पिता जानते हैं कि उनका बच्चा स्कूल में डर के कारण खामोश रहता है? कितने शिक्षक रोज अपमान झेलने वाले बच्चे की पीड़ा पहचानते हैं? गाँवों और छोटे शहरों में कई घटनाएँ बदनामी या समझौते के नाम पर दबा दी जाती हैं। पीड़ित को ही चुप करा दिया जाता है। परिवार की इज्जत बच जाती है, लेकिन बच्चे का आत्मविश्वास टूट जाता है। दूसरी ओर, हिंसा करने वाले बच्चे को लगता है कि थोड़े शोर के बाद सब सामान्य हो जाएगा। इससे समस्या और गहरी होती है। ऐसे बच्चे की जवाबदेही तय करने के साथ उसके व्यवहार के कारण समझकर सुधार की व्यवस्था भी जरूरी है।

सरकारों का रवैया भी जाना-पहचाना है। घटना होते ही बाल अधिकार आयोग संज्ञान लेता है, शिक्षा विभाग रिपोर्ट माँगता है, पुलिस जाँच करती है और अधिकारी बैठकें बुलाते हैं। फिर कैमरे लगाने, सुरक्षा बढ़ाने और काउंसलिंग के निर्देश जारी होते हैं। कागजों पर सब दुरुस्त दिखता है, लेकिन हकीकत क्या है? कितने विद्यालयों में प्रशिक्षित काउंसलर हैं? कितनों में नियमित मनोवैज्ञानिक परामर्श होता है? कितने शिक्षकों को तनाव और आक्रामकता के संकेत पहचानने का प्रशिक्षण मिला है? कितने विद्यालयों में कैमरों की निगरानी और सुरक्षित शिकायत व्यवस्था है? इन सवालों के जवाब बिना निलंबन और जाँच को समाधान मानना आत्मसंतोष है। सुरक्षा का उद्देश्य सबूत जुटाना नहीं, घटना रोकना है।

बच्चों को अच्छा नागरिक बनाने की जिम्मेदारी भी हम एक-दूसरे पर टालते रहते हैं। माता-पिता स्कूल को, स्कूल घर के संस्कारों को और समाज सरकार को दोष देता है। शिकायतें सबके पास हैं, लेकिन जिम्मेदारी कोई नहीं लेता। बच्चों को उपदेश खूब मिलते हैं, उदाहरण कम। हम चाहते हैं कि वे गुस्सा न करें, लेकिन उनके सामने खुद गुस्से से बात करते हैं।

पीतल की तख्ती



डॉ सुरेश मिश्रा

कार्यालय में नए-नए पधारे क्षेत्रीय निदेशक श्रीमान अनिमेष अग्निहोत्री जी प्रशासनिक कड़कपन के ऐसे बेजोड़ नमूने थे कि उनकी उपस्थिति मात्र से ही दफ़्तर की मक्खियाँ भी कतार में उड़ने का प्रयास करती थीं। जब वे अपनी देदीप्यमान सरकारी गाड़ी से उतरकर 'डिजिटल अंतरराष्ट्रीय कक्ष' का निरीक्षण करने निकले, तो उनकी पारखी दृष्टि सीधे चबूतरे पर जमे मंगतराम काका पर जा टिकी, जो एक पुरानी पीतल की तख्ती के समक्ष इस प्रकार ध्यानमग्न थे मानो वह तख्ती न होकर स्वर्ग का टिकट हो।

संयुक्त राष्ट्र दिवस जैसे महान वैश्विक स्वांग जहाँ कूटनीतिज्ञ अत्यंत सुसंस्कृत भाषा में दुनिया को भुखमरी के लाभ समझाते हैं, के इस शुभ अवसर पर अनिमेष साहब को एक फटेहाल वृद्ध का धातु के टुकड़े के सामने नतमस्तक होना अत्यंत असभ्य और 'अविकासशील' प्रतीत हुआ। मुख्य सत्र समाप्त होने पर, जब सभी अंतरराष्ट्रीय नीति-निर्माता जनता के दुखों पर गहन चर्चा के बाद वातानुकूलित कक्षों में बहुमूल्य व्यंजनों का रसास्वादन करने पधारे, तब निदेशक साहब काका के पास पहुंचे।

निदेशक साहब ने कड़ककर कहा, ₹काका, इस प्रकार पुरानी तख्ती को घूरने से इस महान राष्ट्र का सकल घरेलू उत्पाद नहीं बढ़ने वाला। यदि मुफ़्त राशन का लालच है, तो खिड़की नंबर चार पर कतार में लगिए!

वृद्ध मंगतराम ने मुस्कुराकर उत्तर दिया, साहब, मैं यहाँ किसी मुफ़्त की भीख के लिए नहीं, बल्कि उस 'खोए हुए न्याय' की प्रतीक्षा में हूँ जो कभी इसी मेज पर नीलाम हुआ था।

निदेशक को यह बात किसी हास्यास्पद पहेली जैसी लगी। तभी पास खड़े वयोवृद्ध अधिकारी पंडित सोमेश्वर जी ने, जो चालीस वर्षों से इस कार्यालय के सभी वैधानिक प्रपंचों के निष्पक्ष गवाह रहे थे, रहस्योद्घाटन कियाः साहब, इसे वृद्ध का पागलपन न समझें। बीस वर्ष पूर्व काका के सुपुत्र मानस ने इसी तख्ती पर हाथ रखकर कसम खाई थी कि वह गरीबों की जमीनों को कॉर्पोरेट राक्षसों से बचाएगा।

सोमेश्वर जी ने आगे बताया कि कैसे मानस ने मानव अधिकारों के बैनर तले बड़ा नाम कमाया था और वादा किया था कि वह जिनेवा से ऐसा कड़ा कानून लाएगा जो सभी शोषकों को सबक सिखाएगा।

उत्सुकता के मारे निदेशक साहब ने अभिलिखित फाइलों का निरीक्षण किया। गोपनीय दस्तावेजों से यह सुखद और व्यावहारिक सत्य उद्घाटित हुआ कि बीस वर्ष पूर्व उस महान बहुराष्ट्रीय कॉ

प्रियंका का राहुल गांधी ने कराया आंख का ऑपरेशन

फ्लाइट से बनाया वीडियो, लिखा- थैंक्यू भैया; छात्रों की गूंज' में किया था मदद का वादा

इंदौर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बड़वानी की रहने वाली प्रियंका सेंगर का दिल्ली में ऑपरेशन हो गया है। बचपन में हुए एक हादसे में उनकी एक आंख की रोशनी चली गई थी। सालों बाद अब उनका इलाज हो पाया है।

इलाज के बाद प्रियंका घर लौट आई हैं। दिल्ली से वापसी के दौरान उन्होंने फ्लाइट से एक वीडियो जारी किया। इसमें उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी का आभार जताया और लिखा- 'थैंक्यू राहुल भैया।'

प्रियंका की कहानी कुछ महीने पहले चर्चा में आई थी। 19 अक्टूबर को इंदौर में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष



राहुल गांधी को अपनी परेशानी बताई थी।

कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी की नजर प्रियंका की आंख पर पड़ी। प्रियंका ने बताया था कि जब वह सिर्फ तीन साल की थीं, तब उनकी आंख में चूना चला गया था। इसके बाद से उन्हें एक आंख से दिखाई देना बंद हो गया था। राहुल गांधी ने उसी कार्यक्रम में उनके इलाज का भरोसा दिया था। अब उनके प्रयासों से दिल्ली में प्रियंका का ऑपरेशन हो गया है।

इलाज के बाद घर लौटते समय प्रियंका ने फ्लाइट से एक वीडियो जारी किया। इसमें उन्होंने अपनी खुशी जाहिर की और राहुल गांधी का आभार जताया। उन्होंने वीडियो में 'थैंक्यू राहुल भैया' भी लिखा।

प्रियंका के लिए यह सिर्फ ऑपरेशन के बाद घर लौटना नहीं, बल्कि बचपन से देखे सपने के करीब पहुंचने की उम्मीद है। वह चाहती हैं कि अब दोनों आंखों से दुनिया देख सकें और अपनी पढ़ाई पूरी कर भविष्य के सपनों को पूरा कर सकें।

प्रियंका बड़वानी जिले की सेंधवा तहसील के पाडछा गांव की रहने वाली हैं। जब वह सिर्फ तीन साल की थीं, तब उनकी एक आंख में चूना चला गया था। इस हादसे में उनकी आंख की रोशनी चली गई।

12वीं में पढ़ाई के दौरान बड़ौदा में उनकी आंख का एक ऑपरेशन कराया गया था। डॉक्टरों ने एक और ऑपरेशन कराने की सलाह दी थी, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण आगे का इलाज नहीं हो सका।

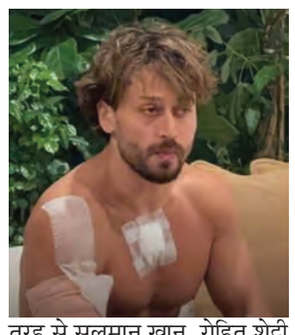
प्रियंका के पिता उदय सिंह सेंगर किसान हैं। परिवार के पास करीब तीन एकड़ जमीन है, लेकिन सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं होने से खेती से ज्यादा कमाई नहीं हो पाती। इस वजह से परिवार महंगे इलाज का खर्च नहीं उठा सका।

टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग का असर

मुंबई पुलिस ने बॉलीवुड हस्तियों को किया आगाह, सेल्फी को लेकर क्या दी हिदायत?

मुंबई, 4 नवंबर (एजेंसियां)। लॉरेंस बिश्नोई गैंग से मिल रही धमकियों और टाइगर श्रॉफ पर गोलीबारी की पृष्ठभूमि में मुंबई पुलिस ने बॉलीवुड सेलिब्रिटीज को सार्वजनिक जगहों से खुद को जितना संभव हो, दूर रहने की सलाह दी है। उन्हें यह भी सलाह दी गई है कि वह प्रशंसकों की मांग पर सार्वजनिक जगहों पर लोगों के बीच सेल्फी लेने से बचें।

मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस की सलाह पर ही अमिताभ बच्चन ने अपने बंगले से बुलेट प्रूफ कांच के पीछे से पिछले सप्ताह प्रशंसकों का अभिवादन किया। इससे पहले, वह कभी भी अपने घर पर बुलेट प्रूफ शीशे में नहीं दिखे। इस अधिकारी के अनुसार, हाल के दिनों में जिस



तरह से सलमान खान, रोहित शेट्टी और अब टाइगर श्रॉफ को टारगेट करते हुए शूटआउट हुआ है, उसके बाद मुंबई पुलिस जोखिम नहीं लेना चाहती। यही वजह है कि बॉलीवुड की सभी बड़ी सेलिब्रिटीज को मौखिक रूप से अलर्ट किया गया है। उन्हें सार्वजनिक जगहों पर सेल्फी से बचने की भी सलाह दी गई है। टाइगर श्रॉफ जुहू में हर सप्ताह जब फुटबॉल खेलने जाते थे, तो खेल खत्म होने के बाद कार में बैठने से पहले वह अक्सर प्रशंसकों के साथ सेल्फी लेते थे। बाद में 18 अक्टूबर को गाड़ी में बैठते ही उन पर गोली चला दी गई।

मुंबई पुलिस के अधिकारी के अनुसार, 90 के दशक में जब बॉलीवुड की कई हस्तियां टारगेट पर थीं, तब हमें पता रहता था कि किन्हें अंडरवर्ल्ड सरगनाओं के फोन आए हैं। पुलिस उसी हिसाब से सुरक्षा इंतजाम करती थी, लेकिन रोहित शेट्टी और टाइगर श्रॉफ के मामले में यह बात गलत साबित हो गई क्योंकि दोनों ही हस्तियों को कभी किसी तरह के धमकी भरे फोन आए ही नहीं। इन हस्तियों के साथ गोलीबारी की घटनाएं होंगी, इसकी पुलिस ने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

अधिकारी के अनुसार, इन घटनाओं से सबक लेते हुए मुंबई पुलिस बॉलीवुड की लगभग सभी बड़ी सेलिब्रिटीज की सुरक्षा की समीक्षा कर रही है और इसी कड़ी में उन्हें एहतियातन सार्वजनिक जगहों में खुद को ज्यादा देर रहने से बचने की सलाह दी जा रही है। टाइगर श्रॉफ शूटआउट में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में पुलिस को कुछ इनपुट्स भी मिल गए हैं कि इन आरोपियों ने टाइगर श्रॉफ पर गोली चलाने से पहले किन-किन अभिनेताओं के यहां की रेकी की थी। इस जानकारी के बाद ऐसी कई सेलिब्रिटीज की सुरक्षा का खासतौर पर रिव्यू किया गया है और इनकी सुरक्षा बढ़ाई भी गई है।

हाईकोर्ट बोला- लोकतंत्र में धरना-भूख हड़ताल की जगह नहीं

यूनिवर्सिटी राजनीति नहीं, पढ़ाई की जगह; आंदोलनकारी छात्रों को संस्थान से निकाल सकते हैं

तिरुवनंतपुरम, 4 नवंबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने कहा है कि धरना, भूख हड़ताल और सत्याग्रह जैसी गतिविधियों की संवैधानिक लोकतंत्र में जगह नहीं है। कोर्ट ने कहा- शिक्षण संस्थान पढ़ाई के लिए हैं, राजनीति के लिए नहीं। ऐसी गतिविधियों में शामिल छात्रों को संस्थान से निष्कासित किया जा सकता है। कोर्ट ने यह टिप्पणी कालडी स्थित श्री शंकराचार्य संस्कृत यूनिवर्सिटी के 16 निलंबित छात्रों के मामले में की। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सिंगल जज के उस अंतरिम आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें छात्रों को 4 नवंबर से शुरू होने वाली सेमेस्टर परीक्षाओं में बैठने की इजाजत दी गई थी। हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद अब 16 छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया से जुड़े इन छात्रों ने परीक्षा में बैठने की इजाजत देने की मांग की है। उनका कहना है कि इससे उनका पूरा सेमेस्टर बर्बाद हो सकता है। यूनिवर्सिटी में 13 अगस्त को सिंडिकेट की बैठक के दौरान SFI से जुड़े छात्रों ने प्रदर्शन किया था। वे कैंपस में बुनियादी सुविधाओं की कमी, पानी की समस्या और शिक्षकों के खाली पद भरने जैसी 18 मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे थे।

प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने एक नुक्कड़ नाटक किया। इसमें प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार दिखाया गया था। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने इसे वाइस चांसलर सीजा थॉमस का प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार बताया। वाइस चांसलर ने आरोप लगाया कि सिंडिकेट बैठक के बाद कैंपस से निकलते समय 18 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों ने उन्हें रोका और धक्का दिया। उन्होंने बाल खींचने और उनकी गाड़ी को नुकसान पहुंचाने का भी आरोप लगाया। घटना के बाद पुलिस ने 19 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया और चार SFI कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया।

चुनाव आयुक्तों को कानूनी सुरक्षा के खिलाफ याचिका

सुप्रीम कोर्ट का केंद्र-चुनाव आयोग को नोटिस; 2023 कानून के तहत इम्यूनिटी मिली, केस दर्ज नहीं होता

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को चुनाव आयुक्तों को आजीवन मिलने वाली छूट को लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। 2023 की धारा 16 के तहत मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) और अन्य चुनाव आयुक्तों को अपने सरकारी कामकाज के दौरान किए गए फैसलों के लिए आपराधिक मुकदमों से आजीवन कानूनी सुरक्षा दी गई है।

याचिका में सवाल उठाया गया है कि क्या चुनाव आयुक्तों को इस तरह कानूनी कार्रवाई से छूट देना संविधान के अनुरूप है। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची तथा जस्टिस वी. महादेवन की पीठ ने यह नोटिस जारी किया। याचिका सामाजिक कार्यकर्ता और वकील अरुण



कुमार अग्रवाल ने दायर की है।

मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 की धारा 16 को चुनौती दी गई है। इस धारा के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को उनके कार्यकाल के दौरान आधिकारिक जिम्मेदारियां निभाते हुए दिए गए बयानों, किए गए कामों और लिए गए फैसलों के संबंध में कानूनी संरक्षण मिलता है। याचिकाकर्ता का कहना है कि कानून में चुनाव आयुक्तों को बिना किसी अपवाद के कानूनी छूट दी गई है। यह छूट उन मामलों में भी लागू हो सकती है, जहां अधिकारी ने दुर्भावना से काम किया हो या अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कोई फैसला लिया हो। याचिकाकर्ता ने धारा 16 को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की है। उनका तर्क है कि इस प्रावधान से नागरिकों के पास मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों के खिलाफ उपलब्ध दीवानी और आपराधिक कानूनी उपाय सीमित हो जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल केवल याचिका पर नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। धारा 16 की संवैधानिक वैधता पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं दिया गया है।

बंगाल में पत्नी का कटा सिर लेकर घूमता रहा पति

मंदिर में प्रार्थना की; पुलिस ने हिरासत में लिया

कोलकाता, 4 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर में एक व्यक्ति ने पत्नी का सिर काट दिया। इसके बाद सिर हाथ में लेकर इलाके में घूमता रहा। मामला गंगारामपुर के नारायणपुर इलाके का है। लोगों ने उसे सिर लेकर घूमते देखा तो इलाके में दहशत फैल गई।

कुछ देर बाद आरोपी एक मंदिर में पहुंचा और वहां बैठकर हाथ जोड़कर प्रार्थना करने लगा। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने महिला का शव घर से बरामद किया और आरोपी पति रिंटू घोष को हिरासत में ले लिया। मृतका की पहचान सीमा सरकार घोष के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से हत्या में इस्तेमाल किया हथियार भी बरामद किया है। घटना के पीछे घरेलू विवाद की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस अन्य कारणों की भी जांच कर रही है।

आप का दिल्ली सरकार पर बड़ा आरोप

एक्यूआई कम दिखाकर लोगों की सेहत से हो रहा खिलवाड़, सीएम रेखा पर दर्ज हो केस

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) ने बुधवार को दिल्ली सरकार पर वायु गुणवत्ता डेटा में हेरफेर करने का आरोप लगाया। पार्टी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। आप ने राष्ट्रीय राजधानी में बिगड़ते प्रदूषण के बीच बड़े पैमाने पर डेटा धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। आप दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों पर पानी छिड़ककर प्रदूषण रीडिंग में हेरफेर किया जा रहा है। उन्होंने दिल्ली के सबसे प्रदूषित क्षेत्रों में से एक जहांगीरपुरी स्टेशन का हवाला दिया। भारद्वाज ने कहा कि पार्टी ने गुप्ता और सिरसा के साथ यह मुद्दा कई बार उठाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों ने उनकी चिंताओं को दूर करने से परहेज किया।

भारद्वाज ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को एक औपचारिक शिकायत दी। इसमें उन्होंने परिवेशी वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) डेटा में कथित हेरफेर के लिए गुप्ता और सिरसा के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग की। उन्होंने निगरानी स्टेशनों के साथ कथित भौतिक हस्तक्षेप की तत्काल, स्वतंत्र और उच्च-स्तरीय जांच की भी मांग की। इसके साथ ही दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण कमेटी (डीपीसीसी) द्वारा प्रबंधित डेटा अधिग्रहण प्रणालियों और निगरानी स्थानों का सख्त ऑडिट भी मांगा।

संघ सरकार्यवाह बोले-राम मंदिर बनाकर दिखा दिया

आरक्षण सामाजिक आधार पर जारी रहना चाहिए, राजनीति के लिए इस्तेमाल न हो

इंदौर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। इंदौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक बुधवार को समाप्त हो गई। डेली कॉलेज में 2 नवंबर से चल रही इस बैठक में देशभर से करीब 400 प्रतिनिधि शामिल हुए। समापन के बाद सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने आरक्षण, मंदिरों के मामलों, संगठन विस्तार, एसआईआर, संघ के पंजीयन और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर संघ का पक्ष रखा।

आरक्षण पर होसबाले ने कहा कि सामाजिक और शैक्षणिक रूप से



पिछड़े वर्गों को जब तक समान अवसर नहीं मिलते, तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए। इसका लाभ सभी पात्र लोगों तक पहुंचना चाहिए। आरक्षण सामाजिक और ऐतिहासिक परिस्थितियों के आधार पर हो, राजनीति के लिए नहीं। कृष्ण जन्मभूमि समेत अदालतों में चल रहे मंदिरों के मामलों पर उन्होंने कहा, 'हमें राम मंदिर बनाकर दिखाना था, वह हमने बना दिया। बाकी मामले कोर्ट में चल रहे हैं, उन्हें वहीं रहने देना चाहिए।' होसबाले ने बताया कि संघ के शताब्दी वर्ष में संगठन का विस्तार हुआ है। एक साल में संघ की पहुंच 10,241 नए स्थानों तक बढ़ी है। अब देश के 63,208 स्थानों पर 99,423 शाखाएं संचालित हो रही हैं। इसके अलावा 34,982 साप्ताहिक मिलन और 14,096 मासिक मंडलियां भी चल रही हैं। इन गतिविधियों के जरिए संघ की पहुंच कुल 1,03,397 स्थानों तक हो गई है। सामाजिक एकता और समरसता के लिए देशभर में 94,218 हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए। संघ के मुताबिक, इनमें करीब पांच करोड़ लोगों ने भाग लिया। संघ की शाखाओं के विस्तार पर होसबाले ने कहा कि पश्चिम बंगाल में शाखाओं की संख्या पहले की तुलना में 150 गुना बढ़ी है। पहले वहां शाखाएं लगाने का विरोध होता था। त्रिपुरा और असम में संघ के कई कार्यकर्ताओं की हत्या भी हुई, लेकिन संगठन का काम जारी रहा। मिजोरम में दो जगह और लद्दाख में भी शाखाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने दावा किया कि केरल के सभी गांवों में संघ की शाखाएं हैं।

टीआई की मौत के बाद शराब तस्करी की खुली पोल, मप्र से गुजरात तक फैले सिंडिकेट पर नजर

टीआई की शहादत ने हिलाया सिस्टम, शराब माफिया के गठजोड़ पर कसा शिकंजा

इंदौर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में अवैध शराब का कारोबार किस कदर संगठित नेटवर्क का रूप ले चुका है, इसका गंभीर उदाहरण देवास में सामने आया है। शराब तस्करी रोकने पहुंचे खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी गोस्वामी की अवैध शराब से भरे वाहन की चपेट में आने से हुई मौत ने प्रदेश की कानून व्यवस्था और आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद प्रदेश सरकार सक्रिय हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक ली और शराब माफिया के पूरे नेटवर्क को खत्म करने के निर्देश दिए हैं। अब जांच का दायरा मध्यप्रदेश से गुजरात तक फैले कथित तस्करी नेटवर्क पर केंद्रित है।

घटना 1 और 2 नवंबर की दरमियानी रात इंदौर-बैतूल हाईवे पर खातेगांव क्षेत्र के सांडलपुर फाटे के पास हुई। नर्मदा ढाबे के सामने अवैध शराब परिवहन की सूचना मिलने पर टीआई दिलीप पुरी गोस्वामी पुलिस टीम के साथ कार्रवाई के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान संदिग्ध आयशर वाहन के चालक ने भागने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार वाहन का पिछला पहिया टीआई के ऊपर से गुजर गया। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। वाहन



में विशेष रूप से बनाए गए गुप्त चैंबर से करीब 1800 लीटर से अधिक शराब बरामद हुई।

प्रारंभिक जांच में हरदा जिले के टिमरनी से शराब की खेप गुजरात भेजे जाने की बात सामने आई है। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि शराब किन दुकानों से निकलती थी, किन वाहनों में छिपाकर ले जाई जाती थी और गुजरात में किन लोगों तक पहुंचाई जाती थी। जांच में राहुल जायसवाल, मनीष जायसवाल, मोहिन जायसवाल और पाटेन्द्र जायसवाल के नाम सामने आए हैं। कारोबार में इनकी क्रमशः 30, 30, 30 और 10 प्रतिशत हिस्सेदारी होने की जानकारी सामने आई है। राहुल पर नेटवर्क संचालन और सप्लाई समन्वय का आरोप है। विजय राव और केरम सिंह चांगोड़ की भूमिका भी जांच के दायरे में है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सौम्या जैन के नेतृत्व में 22 सदस्यीय एसआईटी गठित की गई है। विशेष डीजी उपेंद्र जैन इसकी निगरानी कर रहे हैं। पुलिस अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें वाहन चालक गजेंद्र उर्फ अक्कू रावत और उसका साथी धीरज भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार दोनों ने अलग-अलग घटनाओं में अभिरक्षा से भागने और हथियार छीनने का प्रयास किया। जवाबी कार्रवाई में दोनों के दाहिने पैर में गोली लगी। शराब दुकान के मैनेजर भूपेंद्र राणा सहित अन्य लोगों से भी पूछताछ की गई है।

इस बीच आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी गाज गिरी है। शराब के बैच नंबर टिमरनी की दुकानों से जुड़े मिलने के बाद सहायक जिला आबकारी अधिकारी अमर सिंह बघेल और आबकारी आरक्षक अरुण कुमरे तथा कृष्णपाल सिंह डोडियार को निलंबित किया गया है। संबंधित शराब दुकानों के लाइसेंस भी निलंबित किए गए हैं। उधर, कांग्रेस ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए सरकार को घेरा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने निष्पक्ष जांच की मांग की है। वहीं मंत्री विश्वास सारंग ने शराब कारोबार से जुड़े लोगों के कांग्रेस से कथित संबंधों को लेकर सवाल उठाए हैं।

अब सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं, बल्कि उस पूरे तंत्र का पर्दाफाश करना है, जिसके जरिए मध्यप्रदेश से शराब गुजरात तक पहुंचाई जा रही थी। टीआई की मौत के बाद शुरू हुई कार्रवाई कितनी निर्णायक साबित होती है, यह एसआईटी की जांच और नेटवर्क के वास्तविक संचालकों तक पहुंचने से ही तय होगा।

डीआईजी के बेटे दी जान

गुरुग्राम, 4 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरुग्राम में बड़ा मामला सामने आया है। गुरुग्राम के सेक्टर-84 स्थित हाईराइज सोसाइटी के 11वें फ्लोर से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। बताया गया है कि युवक ने सुसाइड कर लिया है।

उसकी पहचान 28 साल के आशिम खची के रूप में हुई है। जो कि बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (BSF) में तैनात एक बड़े अधिकारी सत्यवान खची के बेटे थे। पुलिस पूरे मामल की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, यह घटना गुरुग्राम के सेक्टर-84 स्थित 'द लीफ सोसाइटी' में हुई। यहां आशिम खची अपनी मां के साथ रहता था। बुधवार को आशिम ने अचानक 11वीं मंजिल से छलांग लगा दी। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि आशिम के पिता सत्यवान खची बीएसएफ में कार्यरत हैं और ओडिशा में उनकी तैनाती है।

पुलिस की शुरुआती जांच से पता चला है कि आशिम काफी समय से डिप्रेशन में था। फिलहाल खेड़कीदौला थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

अभिषेक बनर्जी के संसदीय क्षेत्र में पार्टी ऑफिस पर छापा

कोलकाता, 4 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर के सरिषा इलाके में पार्टी के एक कार्यालय से पुलिस ने एक करोड़ दो लाख 79 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक, यह रकम मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी के निजी सहायक सुमित राय से पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर बरामद की गई। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी रकम पार्टी कार्यालय में क्यों रखी गई थी और इसका स्रोत क्या है। उल्लेखनीय है कि अभिषेक बनर्जी डायमंड हार्बर से टीएमसी के सांसद हैं। डायमंड हार्बर पुलिस ने मंगलवार रात सरिषा स्थित तृणमूल के एक कार्यालय में तलाशी अभियान चलाया। पुलिस के अतिरिक्त अधीक्षक अभिषेक मजूमदार के अनुसार, सुमित राय से हिरासत में पूछताछ के दौरान कुछ अहम सुराग मिले थे। इन्हीं के आधार पर पुलिस ने कार्यालय में छापा मारा और वहां से 1,02,79,000 रुपये नकद बरामद किए। पुलिस अधिकारी ने कहा कि कार्यालय तृणमूल कांग्रेस का था, लेकिन फिलहाल यह जांच की जा रही है कि उसका संचालन कौन करता था। रकम कहां से आई और किस उद्देश्य से वहां रखी गई थी, इसकी भी पड़ताल की जा रही है।

मिट्टी खोदते समय धंस गया टीला, तीन मासूम बच्चियों की मौत से गांव में मातम

किशनगंज, 4 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के किशनगंज जिले के दिघलबैंक प्रखंड से बुधवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। हरुवाडांगा पंचायत स्थित सुल्तानगंज वार्ड संख्या-10 में मिट्टी खोदने गईं तीन मासूम चचेरी बहनों की टीला धंसने से दबकर दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, दोपहर के समय तीनों बच्चियां घर के पास ही मिट्टी खोदने गई थीं। घर की लिपाई-पोताई के लिए मिट्टी लाने के दौरान अचानक ऊपर का बड़ा टीला भरभराकर धंस गया। तीनों बच्चियां मिट्टी के ढेर के नीचे दब गईं। आसपास खेत में काम कर रहे लोगों ने शोर सुना तो वे दौड़े। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद तीनों को मिट्टी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

बाबा बागेश्वर के खिलाफ मोर्चाबंदी, पुजारी-महामंडलेश्वर और हर्षानंद गिरि बोले- ईशनिंदा पर बने कानून

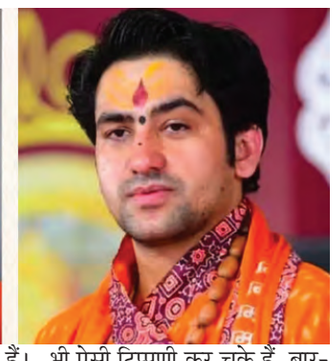
उज्जैन, 4 नवंबर (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री द्वारा भगवान श्रीकृष्ण और भगवान श्रीराम की तुलना करने और श्रीकृष्ण को तीन जगह से टेढ़ा कहने वाली टिप्पणी पर धार्मिक नगरी उज्जैन में बवाल मच गया है। महाकाल मंदिर के पुजारी, जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर और साध्वी हर्षानंद गिरि ने मोर्चा खोल दिया है। सभी ने एक स्वर में कहा - व्यासपीठ से भगवान का मजाक बर्दाश्त नहीं होगा।

महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पं. महेश शर्मा ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री मदमस्त हो चुके हैं। धन, राजनीतिक लोगों का साथ और लगातार बढ़ते फॉलोअर का उन्हें मद चढ़ गया है, उन्हें लगता है जो कर रहे हैं वही सही है। भगवान श्रीकृष्ण तो स्वयं लीलाधर हैं। उन पर टिप्पणी का अधिकार किसी को नहीं है। राम और कृष्ण एक ही हैं, दोनों भगवान श्रीहरि के अवतार हैं। जो लोग भगवान पर ठिठोली करते हैं, सनातन का मजाक उड़ाते हैं, उनकी कथा न करवाना चाहिए, न सुनना चाहिए। पं. शर्मा ने मांग की है कि देश में ईशनिंदा पर सख्त कानून बनना चाहिए। सनातन धर्म और भगवान के खिलाफ बोलने वालों पर न सिर्फ कार्रवाई हो, बल्कि कठोर सजा भी मिले। धीरेंद्र शास्त्री ने कृष्ण को तिरछा कहने









के साथ मुरली का भी मजाक उड़ाया है। इससे राम और कृष्ण को मानने वालों के बीच विवाद शुरू हो गया है, जबकि दोनों एक ही हैं

जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी शैलेशानंद गिरि ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री ज्ञान से पिछड़े हुए हैं। शब्दों की मर्यादा घातक होती है, शब्द ही हमारा चरित्र बता देते हैं। राजनीति हो या धर्म, हर जगह भाषाई अमर्यादा बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि राम और कृष्ण एक ही हैं। श्रीमद् भागवत में भी इसका उल्लेख है। फिर आज के कथावाचक भगवान में भेद क्यों कर रहे हैं? उन्हें यह अधिकार किसने दिया? धीरेंद्र इसके पहले भी ऐसी टिप्पणी कर चुके हैं, बार-बार टिप्पणी करना और फिर माफी मांगना क्षमा योग्य अपराध नहीं है। महामंडलेश्वर ने राजनेताओं को भी नसीहत दी। बोले- टोना-टोटका, पर्ची वाले बाबा को वोट बढ़ाने के लिए मंच पर बिठाना और लाभ लेना सही नहीं है। इसके दुष्परिणाम समय-समय पर सामने आते हैं, अब नेताओं को भी सजग होना होगा।

साध्वी हर्षानंद गिरि ने कहा, लोगों को समझना होगा - कृष्ण ही राम हैं और राम ही कृष्ण हैं, महादेव ही राम हैं और राम ही महादेव हैं। भगवानों में कोई भिन्नता नहीं है, समय के अनुरूप उन्होंने अलग-अलग रूप धारण किए हैं। उन्होंने कहा, सामान्य व्यक्ति को यह समझाना ठीक है, लेकिन व्यासपीठ पर बैठे पीठाधीश्वर को यह समझाना पड़े, यह समझ से परे है। राम सीधे हैं और कृष्ण तीन जगह से टेढ़े भी हैं तो इसमें क्या परेशानी है? बंशी बजाने वाला पर्वत भी उठा सकता है, यह भगवान ने ही बताया है। साध्वी ने तीखा हमला करते हुए कहा, बागेश्वर धाम हिंदू राष्ट्र और सनातनियों को एक करने की बात करते हैं तो फिर भगवान में तुलना क्यों? वो मीडिया में बने रहने के लिए ऐसे बयान देते हैं, उन्हें मीडिया में छाने की भूख है। उनके मित्र शायद इसीलिए हकीकत नहीं बताते कि कहीं रिश्ते खराब न हो जाएं। उन्होंने कहा, आपको शर्म आना चाहिए, ऐसे वक्तव्य आपके मुख से अच्छे नहीं लगते। अभी भी समझ जाइए, ऐसा न हो कि आपकी यह वाणी एक दिन आपको ही ले डूबे।



श्रद्धा कपूर दो सालो से बड़े पर्दे से थीं गायब

अब बताया क्यों साइन नहीं कीं मोटी फीस वाली फिल्में

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर दो साल बाद अपनी फिल्म ईठा से बड़े पर्दे पर नजर आने वाली हैं। एक्ट्रेस को आखिरी बार साल 2024 में आई फिल्म 'स्त्री 2' में देखा गया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई की और अब उन्हें ईठा नाम की एक फिल्म में देखा जाएगा जिसमें वो एक लावणी डांसर का किरदार निभा रही हैं। हाल में श्रद्धा ने बताया कि क्यों उन्होंने स्त्री 2 के बाद कोई फिल्म साइन नहीं की। उन्होंने बताया कि इस दौरान उन्हें मोटी फीस के साथ फिल्में ऑफर की गई थीं। इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ सवाल-जवाब सेशन यानी फैंस के सवालों के जवाब दिए। एक फैन ने श्रद्धा से आज की युवा लड़कियों के करियर को लेकर सलाह मांगी। इस सवाल का जवाव देते हुए एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं अपने बारे में बताती हूं। 'स्त्री 2' के बाद मुझे कई फिल्मों और मोटी फीस ऑफर हुई थीं। लेकिन मैंने तय कर लिया था जब तक मुझे एकदम सही कहानी नहीं मिल जाती, तब तक मैं किसी भी फिल्म को साइन नहीं करूंगी। मेरे दिल ने कहा कि मुझे इंतजार करना होगा और मैंने वैसा ही किया।' इस वजह से श्रद्धा दो सालों तक स्क्रीन से गायब रहीं। एक्ट्रेस ने कहा कि किसी ऐसे प्रोजेक्ट का इंतजार करना जो वो सच में करना चाहती हैं, वो मुश्किल था। लेकिन अब उन्हें खुद के इस फैसले पर गर्व होता है। उन्होंने कहा कि इंतजार करने के बाद उन्होंने ये फिल्म साइन की। उन्होंने ये भी कहा कि लोगों को अपने दिल की सुननी चाहिए। कभी-कभी ये मुश्किल फैसले होते हैं, लेकिन सही होते हैं।

श्रद्धा कपूर की पिछली फिल्में

श्रद्धा कपूर की फिल्मों की बात करें तो पिछले कुछ सालों में एक्ट्रेस ने हर साल सिर्फ एक फिल्में की हैं। साल 2020 में उनकी दो फिल्में स्ट्रीट डांसर 3डी और बागी 3 रिलीज हुई थी। इसके बाद साल 2022 में भेड़िया में उनकी एक झलक दिखी थी। साल 2023 में तू झूठी मैं मक्कार में रणबीर कपूर के साथ केमिस्ट्री को पसंद किया गया था। साल 2024 में स्त्री 2 और अब इस साल ईठा आ रही है।

ईठा के डायरेक्टर ने बनाई ये शानदार फिल्में

फिल्म ईठा की बात करें तो ये एक असली महिला की कहानी है। महाराष्ट्र की मशहूर लावणी औइर तमाशा आर्टिस्ट विठाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर की जिंदगी पर बेस्ड है। विठाबाई की कहानी इसलिए खास बताई जाती है कि एक दफा वो 9 महीने प्रेग्नेंट थीं और परफॉरमेंस के दौरान उन्हें लेबर का दर्द शुरू हुआ। उन्होंने स्टेज के पीछे बच्चे को जन्म दिया और फिर से स्टेज पर आकर परफॉर्म किया।

यही कहानी इस फिल्म में भी दिखाई जाएगी। विकी कौशल की छावा, कृति सेनन की मिमी, जैसी फिल्में बनाने वाले लक्ष्मण उतेकर ने ईठा का डायरेक्शन किया है। ये फिल्म 4 दिसंबर को थिएटर में रिलीज हो रही है।

'पगली देखावे अगरबत्ती' गाने ने भोजपुरी में उड़ाया गर्दा, नीलकमल सिंह ने मचाई धूम



सलमान खान और माधुरी दीक्षित की फिल्म 'हम आपके हैं कौन' का गाना 'दीदी तेरा देवर दीवाना' आज भी शादी-ब्याह में खूब सुनाई देता है। अब इसी पुरानी धुन की याद दिलाने वाला एक भोजपुरी गाना भी यूट्यूब पर खूब देखा जा रहा है। नीलकमल सिंह और रक्षा गुप्ता पर फिल्माया गया गाना 'पगली देखावे अगरबत्ती' 39.60 करोड़ से ज्यादा व्यूज बटोर चुका है। गाने के बोल भले ही अलग हैं, लेकिन इसकी धुन सुनते ही पुराने बॉलीवुड गाने की याद आ जाती है। 'पगली देखावे अगरबत्ती' को नीलकमल सिंह ने अपनी आवाज दी है। वीडियो में उनके साथ रक्षा गुप्ता नजर आती हैं। गाने की खास बात इसकी धुन है, जो 'दीदी तेरा देवर दीवाना' से मेल खाती है। इस तरह पुराने हिंदी गाने की पहचान को भोजपुरी बोल और नए फिल्मांकन के साथ पेश किया गया है।

यह गाना 28 सितंबर 2023 को रिलीज हुआ था। रिलीज के बाद से इसे लगातार दर्शक मिलते रहे हैं और अब इसके यूट्यूब व्यूज 396 मिलियन यानी 39.60 करोड़ के पार पहुंच चुके हैं। गाने को नीलकमल सिंह की आवाज और वीडियो में नीलकमल-रक्षा की जोड़ी के लिए भी पसंद किया गया है।

इस गाने के बोल आशुतोष तिवारी ने लिखे हैं और इसका संगीत शुभम राज ने तैयार किया है। वीडियो का निर्देशन और कोरियोग्राफी लक्की विश्वकर्मा ने की है। गाने में एक लड़की के प्यार और शादी की चाहत को मजेदार भोजपुरी बोलों के जरिए दिखाया गया है।

1994 में रिलीज हुई थी 'हम आपके हैं कौन'

जिस गाने की धुन से 'पगली देखावे अगरबत्ती' मेल खाती है, वह 'दीदी तेरा देवर दीवाना' साल 1994 में आई फिल्म 'हम आपके हैं कौन' का हिस्सा था। इसे लता मंगेशकर और एस.पी। बालासुब्रह्मण्यम ने गाया था। फिल्म में सलमान खान और माधुरी दीक्षित मुख्य भूमिका में थे। इतने साल बाद भी इस गाने की धुन लोगों को याद है और अब भोजपुरी गाने के जरिए इसकी चर्चा फिर हो रही है।

राज कपूर के बेटों और भाइयों की इन बीमारियों की वजह से हुई थी डेथ, कम उम्र में कहा अलविदा



भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में राज कपूर के परिवार का अहम योगदान रहा है, हिंदी सिनेमा की सबसे यादगार फिल्में और गीत हों या इन्हीं फिल्मों में सामाजिक मुद्दों को उठाना, कपूर परिवार ने सिनेमा को नई ऊंचाई तक पहुंचे। इस परिवार से निकले एक्टर्स ने इंडस्ट्री को विदेशी स्तर पर तक बड़ी पहचान दिलाई। पृथ्वीराज कपूर से लेकर आज रणबीर कपूर तक परिवार की पीढ़ी आगे बढ़ी है। कई अब भी इंडस्ट्री में पहचान बना रहे हैं, वहीं कुछ दुनिया को अलविदा कह चुके। लेकिन क्या आप जानते हैं कपूर परिवार के इन सदस्यों की डेथ कब और इन वजहों से हुई थी। 3 नवंबर 1906 को पैदा हुए पृथ्वीराज कपूर ने मुगल-ए आजम जैसी फिल्मों में यादगार काम किया था।

उनकी बुलंद आवाज और शख्सियत को पसंद किया गया। इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने और बच्चों को स्थापित करने के बाद एक्टर 29 मई 1972 को 66 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गए। इनकी डेथ की वजह कैंसर से हुई थी। हैरानी वाली बात ये है कि एक्टर की डेथ के 15 दिन के अंदर इनकी पत्नी रामसनी की डेथ भी कैंसर से हो गई।

डर के आगे मौत है!

भूमि पेडनेकर की नई हॉरर फिल्म 'जानी दुश्मन' का एलान ; फिल्म का फर्स्ट लुक हुआ आउट

बॉलीवुड में एक बार फिर से हॉरर फिल्मों का दौर लौट आया है। एक के बाद एक ऐसी फिल्मों का एलान हो रहा है। अभी हाल ही में इमरान हाशमी की फिल्म 'रूह' की अनाउंसमेंट हुई है। अब लीजिए भूमि पेडनेकर भी एक हॉरर फिल्म में दिखने वाली हैं, जिसका फर्स्ट लुक पोस्टर और एलान किया जा चुका है। जी हां, भूमि पेडनेकर ने ओटीटी पर धांसू प्रोजेक्ट करने के बाद अब एक और दमदार प्रोजेक्ट के साथ वापसी करने का एलान कर दिया है। भूमि ने ओरिजिनल थिएट्रिकल हॉरर फ्रेंचाइजी 'जानी दुश्मन' के लिए हाथ मिलाया है। भूमि की इस फिल्म का नाम 'जानी दुश्मनः डर के आगे मौत है' रखा गया है। पैरानॉर्मल सीरीज 'भयः द गौरव तिवारी मिस्ट्री' की क्रिएटिव टीम एक बार फिर साथ आई है। इस महत्वाकांक्षी थिएट्रिकल हॉरर फिल्म के लिए रॉबी ग्रेवाल क्रिएटिव प्रोड्यूसर के तौर पर आगे आए हैं। वहीं फिल्म को अरशद सैयद डायरेक्टर करने जा रहे हैं।

इसके अलावा फिल्म से मशहूर एक्शन और स्टंट डायरेक्टर पीटर पेड्रेरो भी इस प्रोजेक्ट के साथ जुड़े हैं। यूनाइटेड किंगडम की रहस्यमयी पृष्ठभूमि पर आधारित भूमि की फिल्म 'जानी दुश्मन' एक भावनात्मक मां-बेटी की कहानी है, जिसमें डरावने सुपरनैचुरल एलिमेंट्स, परिवार से जुड़े दफन राज और रोंगटे खड़े कर देने वाले सीन्स होंगें, जहां मा-बेटी के रिश्ते के बीच कैसे हॉरर की कहानी को गढ़ा गया है, यही फिल्म में हमें देखने को मिलेगा। हालांकि फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है, लेकिन हां, माना जा रहा है कि जानी दुश्मन की बाकी फिल्मों की तरह ही ये भी हटकर होगी। वहीं भूमि की बात करें तो इससे पहले अभिनेत्री दलदल और द रॉयल्स जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आईं, जो ओटीटी पर ही रिलीज हुए।

वहीं फिल्म 'जानी दुश्मन' की बात करें तो ये मूवी



2027 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इससे पहले जानी दुश्मन सीरीज की दो बड़ी फिल्में आ चुकी हैं। पहली जानी दुश्मन साल 1979 में आई थी, तो वहीं दूसरी साल 2002 में रिलीज हुई थी। अब फ्रेंचाइजी का तीसरा पार्ट आ रहा है।

अमृता अरोड़ा का ओजेम्पिक लेने से इनकार, 14 किलो वजन कम करने पर दो टूक जवाब– लोगों को जो कहना है, कहने दो



बॉलीवुड एक्ट्रेस अमृता अरोड़ा लड़क इन दिनों अपने जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर चर्चा में हैं। 45 साल की एक्ट्रेस ने पिछले कुछ महीनों में करीब 14 किलो वजन कम किया है। उनके जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन के बाद सोशल मीडिया पर कयास लगाए जा रहे हैं कि उन्होंने वजन घटाने वाली दवाओं ओजेम्पिक और माउंजारो का इस्तेमाल किया है। अब एक्ट्रेस ने इन अटकलों पर चुप्पी तोड़ते हुए जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि लोग जो कहना चाहते हैं, उन्हें कहने दो, क्योंकि वे तो कुछ न कुछ कहेंगे ही। अमृता ने अपने इस बदलाव के पीछे की वजह और पिछले कुछ सालों में अपने फिटनेस सफर के बारे में भी खुलकर बात की है। हाल ही में एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपने इस बदलाव की तस्वीर शेयर करते हुए इसे एक शब्द में 'रिडेम्पशन' यानी खुद को फिर से पाना बताया। हालांकि, अमृता के लिए यह बदलाव सिर्फ वजन कम करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके इमोशनल और फिजिकल सफर का भी हिस्सा है। उनका कहना है कि इस बदलाव के बाद वह खुद को पहले से ज्यादा खुश और बेहतर महसूस कर रही हैं। अमृता अरोड़ा ने सोशल मीडिया पर अपने ट्रांसफॉर्मेशन की तस्वीर शेयर की थी, जिसमें उनका बदला हुआ लुक देखने को मिला।

आयुष्मान खुराना को मिली धमकी, खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताने वाले शख्स ने की करोड़ों की मांग



बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना को धमकी मिलने का मामला सामने आया है। मुंबई पुलिस सूत्रों के मुताबिक अभिनेता को एक धमकी भरा ऑडियो क्लिप भेजा गया है, जिसमें मैसेज भेजने वाले शख्स ने खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताया है। इतना ही नहीं, ऑडियो में करोड़ों रुपये की मांग भी की गई है। मामले की जानकारी मिलने के बाद मुंबई पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हालांकि फिलहाल इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक आयुष्मान खुराना को मिले ऑडियो मैसेज में एक व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस गैंग से जुड़ा बताया है और उनसे करोड़ों रुपये की मांग की है। पुलिस अब इस ऑडियो क्लिप की जांच कर रही है। शुरुआती जांच के तहत मैसेज भेजने वाले की पहचान और उसके दावों की पड़ताल की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार ऑडियो में जिस व्यक्ति ने अपनी पहचान बताई है, उसकी आवाज का मिलान पुलिस रिकॉर्ड में मौजूद उस नाम के आरोपी के ऑडियो से किया जा रहा है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि धमकी देने वाला वास्तव में किसी आपराधिक गिरोह से जुड़ा है या फिर किसी ने गैंग के नाम का इस्तेमाल कर अभिनेता को डराने की कोशिश की है।

शादी के 4 साल बाद टूटा कनिका कपूर और गौतम का रिश्ता

'बेबी डॉल' सिंगर ने पति से अलग होने का किया ऐलान



बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर कनिका कपूर ने बिजनेसमैन गौतम हाथीरमानी से अलग होने की घोषणा की है। उन्होंने 2022 में लंदन में गौतम से शादी की थी। 48 साल की कनिका ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी और लोगों से उनकी प्राइवेसी का सम्मान करने की अपील की। यह घोषणा तब आई, जब उन्होंने इंस्टाग्राम से अपनी शादी की तस्वीरें और वीडियो हटा दीं। कनिका कपूर ने साफ किया कि उनके अलग होने के पीछे कोई तीसरा व्यक्ति नहीं है।

उन्होंने उन दावों को भी खारिज कर दिया कि उनकी शादी इसलिए टूटी, क्योंकि वह लागोस नहीं जाना चाहती थीं, जहां गौतम काम के सिलसिले में रहते हैं। अपने आधिकारिक बयान में कनिका कपूर ने कहा, 'काफी सोच-विचार के बाद मैंने और मेरे पति ने



अलग होने का फैसला किया है। हमने जो समय साथ बिताया उसके लिए मैं आभारी हूं और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देती हूं। अब जब हम अपनी जिंदगी में आगे बढ़ रहे हैं तो मैं आप सभी से हमारी प्राइवेसी का सम्मान करने की गुजारिश करती हूं।'

कनिका कपूर ने कहा, 'मुझे कोई और नहीं मिला है और जहां तक मुझे पता है, गौतम को भी कोई और नहीं मिला है। मेरे लिए यह दूसरी बार है जब मेरा तलाक हो रहा है और इससे काफी दुख और निराशा होती है।' सिंगर कनिका ने बताया कि वह अभी मुंबई में हैं और तीन प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे तीन बच्चे हैं, जिनकी मुझे देखभाल करनी है। मैं उम्मीद करती हूं कि गौतम के साथ मेरा भविष्य का रिश्ता अच्छा और सौहार्दपूर्ण बना रहे, क्योंकि मैं झगड़ालू इंसान नहीं हूं।

मुझे लगता है कि वह भी यही चाहेंगे।' कनिका कपूर और गौतम हाथीरमानी कई सालों तक अच्छे दोस्त रहे और बाद में उनके बीच प्यार हो गया। 20 मई 2022 को लंदन के एक फाइव-स्टार होटल में उन्होंने एक निजी समारोह में शादी की, जिसमें उनके परिवार वाले और करीबी दोस्त शामिल हुए थे। इससे पहले उनकी शादी लंदन में रहने वाले जनरल प्रैक्टिशनर डॉ। जसप्रीत सिंह चंडोक से हुई थी। 2012 में उनका तलाक हो गया था।

उनके तीन बच्चे हैं - आयना, समारा और युवराज। लखनऊ की रहने वालीं कपूर अक्सर भारत में अपने माता-पिता से मिलने आती रहती हैं और उन्होंने एक सिंगल मदर के तौर पर अपने बच्चों की परवरिश की है।

कनिका कपूर के हिट गाने

डॉ. ज़ीउस के साथ रिकॉर्ड किए गए 2012 के सिंगल जुगनी जी से उन्हें सफलता मिली और 2014 में बेबी डॉल से उन्हें जबरदस्त नेम-फेम मिला। उनके अन्य गानों में चिट्टियां कलाइयां, टुकुर टुकुर, गेंदा फूल और ऊ बोलेगा या ऊ ऊ बोलेगा शामिल हैं।

टीवी की 'पार्वती' के साथ हुई थी नाइंसाफी, फीस बढ़ाने की मांग पर चलते शो से किया गया था बाहर



एक वक्त हुआ करता था, जब छोटे पर्दे पर माइथोलॉजिकल शो देवों के देव। महादेव को लेकर काफी क्रेज नजर आता था। इस शो में अभिनेता मोहित रैना ने भगवान शिव का किरदार निभाया और माता पार्वती के रोल में एक्ट्रेस सोनारिका भदौरिया नजर आईं। हाल ही में सोनारिका भदौरिया ने ये खुलासा किया है कि एक शो से उन्हें इस वजह से निकाल दिया गया था, क्योंकि उन्होंने अपनी फीस बढ़ाने की मांग की थी। अभिनेता और अभिनेत्रियों के बीच फीस का मुद्दा हमेशा से चर्चा का विषय बना हुआ है। अब देवों के देव। महादेव में माता पार्वती की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री सोनारिका भदौरिया ने हाल ही में टेलीविजन इंडस्ट्री में कलाकारों के बीच फीस के भेदभाव को लेकर बात की। उन्होंने बताया की कैसे फीस बढ़ाने की मांग करने पर उन्हें एक शो से बाहर कर दिया गया था और उनकी जगह दूसरे कलाकार को ले लिया गया था। बिना शो या उसमें काम करने वाले कलाकारों, निर्माताओं का नाम लिए बिना सोनारिका ने कहा- जीआरपी (ग्रास रेटिंग प्वाइंट) की बात छोड़िए, शो की टीआरपी इतनी अच्छी थी कि चैनल ने पूरी टीम के लिए पार्टी रखी थी। ऐसे में आप काम के लिए तारीफ या फीस में बढ़ोतरी की उम्मीद करते हैं।

लेकिन जब मैंने फीस बढ़ाने की बात कही तो मुझसे पूछा गया कि आखिर किस आधार पर मैं फीस बढ़ाने की मांग कर रही हूं। ज्यादा फीस मांगने पर मुझे शो से बाहर कर दिया गया। जब शो की टीआरपी अच्छी थी, तब मेरे पुरुष सह-कलाकार शो छोड़ने की धमकी देते थे। उनकी फीस तीन गुना बढ़ा दी गई, लेकिन मेरी फीस एक बार भी नहीं बढ़ाई गई। सोनारिका ने बताया कि तेलुगु और तमिल फिल्म इंडस्ट्री में भी कलाकारों के बीच फीस को लेकर भेदभाव होता है। उनके मुताबिक, वहां नए अभिनेताओं को भी बड़ी रकम दी जाती है, क्योंकि दर्शक उन्हें अपना हीरो मानते हैं।

चंद्रशेखर आजाद की रैली से पहले बसपा ने बजाया चुनावी बिगुल

6 दिसंबर को लखनऊ में मायावती का बड़ा शक्ति प्रदर्शन



लखनऊ, 4 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने संगठनात्मक तैयारियों को तेज करने की कवायद शुरू कर दी है। बसपा प्रमुख मायावती ने कल प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारियों और सभी 75 जिलों के जिला अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों, संगठन की सक्रियता और प्रत्याशियों के चयन को लेकर चर्चा होने की संभावना है। इसके साथ ही 6 दिसंबर को लखनऊ के रमाबाई पार्क में प्रस्तावित बड़ी रैली की तैयारियों पर भी मंथन हो सकता है।

बसपा उत्तर प्रदेश संगठन की ओर से जारी बयान के अनुसार, बैठक लखनऊ के माल एवेन्यू स्थित पार्टी मुख्यालय में 11 बजे आयोजित होगी।

बसपा प्रमुख मायावती की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद और बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल के भी शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही मायावती की ओर से पहले जारी किए गए संगठनात्मक निर्देशों पर हुए काम का आकलन किया जाएगा। आगामी चुनाव के लिए प्रत्याशियों के चयन को लेकर भी चर्चा होने की संभावना है।

पिछले कुछ चुनावों में बसपा के प्रदर्शन में गिरावट आई है। ऐसे में पार्टी नेतृत्व के सामने संगठन को सक्रिय करने और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने की चुनौती है। इसी लिहाज से इस बैठक को चुनावी तैयारियों के साथ-साथ पार्टी की आगे की राजनीतिक दिशा तय करने के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

6 दिसंबर को लखनऊ में बड़ी रैली की तैयारी

सूत्रों के मुताबिक, बैठक में 6 दिसंबर को लखनऊ के रमाबाई पार्क में प्रस्तावित बड़ी रैली की तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं। बताया जा रहा है कि बसपा इस रैली को बड़े स्तर पर आयोजित करने की योजना बना रही है। बैठक में रैली की रूपरेखा तैयार करने, भीड़ जुटाने और अलग-अलग जिलों से कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर चर्चा हो सकती है। राजनीतिक गलियारों में बसपा की 6 दिसंबर की प्रस्तावित रैली को आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद की 26 नवंबर को लखनऊ के रमाबाई अंबेडकर मैदान में प्रस्तावित रैली से जोड़कर भी देखा जा रहा है। ऐसे में बसपा की रैली को बड़े राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है।

जंगल में कारों का जमावड़ा, जुआ खेलते 156 लोग पकड़ाए

मुर्गा लड़ाई की आड़ में दांव, आंध्र-तेलंगाना से पहुंचे थे, 20 लाख कैश जब्त

बीजापुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में जंगल में जुआ खेलते 156 लोग अरेस्ट हुए हैं। रायगुड़ा गांव के पास जंगल में मुर्गा लड़ाई की आड़ में जुआ खेला जा रहा था। तेलंगाना और आंध्रप्रदेश से भी लोग पहुंचे थे।

जंगल में लग्जरी कारों के पहुंचने की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी की। मौके से 20 लाख कैश, 47 कार और 12 मोबाइल जब्त किए गए हैं। जुआ एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। यह मामला भद्राकाली थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, रायगुड़ा के जंगल में लंबे समय से मुर्गा लड़ाई के नाम पर जुआ खेलने की सूचना मिल रही थी। यहां बड़ी संख्या में लोग जुट रहे थे। जुआ खेलने के लिए तेलंगाना और आंध्रप्रदेश से भी लोग पहुंच रहे थे।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर ट्रक में लगी आग

चालक और क्लीनर की जिंदा जलकर मौत



जालौन, 4 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में बुधवार तड़के बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। ईंटों से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर एक्सप्रेसवे से नीचे जा गिरा। इसके बाद ट्रक में भीषण आग लग गई, जिसकी चपेट में आने से चालक और क्लीनर की मौत हो गई। करीब तीन घंटे तक चले राहत-बचाव अभियान के बाद दोनों के शवों के अवशेष बाहर निकाले जा सके। पुलिस मृतकों की पहचान करने में जुटी है।

जानकारी के अनुसार, ट्रक मैनपुरी से ईंटें लादकर झांसी की ओर जा रहा था। बुधवार सुबह करीब 3 बजे जब वह जालौन कोतवाली क्षेत्र में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 209.2 के पास पहुंचा, तभी चालक को झपकी आ गई। इससे ट्रक अनियंत्रित हो गया और एक्सप्रेसवे से नीचे जा गिरा।

ट्रक के नीचे गिरते ही उसमें आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

तीन घंटे तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचे। आग की लपटें तेज होने के कारण तत्काल ट्रक तक पहुंचना और उसमें फंसे लोगों को बाहर निकालना संभव नहीं हो सका। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

इसके बाद करीब तीन घंटे तक राहत-बचाव अभियान चलाया गया। इस दौरान ट्रक से चालक और क्लीनर के शवों के अवशेष बाहर निकाले गए।

मृतकों की पहचान में जुटी पुलिस

पुलिस अधीक्षक डॉ. सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि चालक और क्लीनर के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस चालक की पहचान करने में जुटी है, ताकि हादसे की जानकारी उनके परिजनों तक पहुंचाई जा सके।

ब्राउन शुगर बेचने के आरोप में छह गिरफ्तार

रामगढ़, 4 नवंबर (एजेंसियां)। रामगढ़ पुलिस ने ब्राउन शुगर खरीदने-बेचने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, तीन लोग रांची और आसपास के इलाकों में नशा बेचते थे और खुद भी उसका सेवन करते थे। पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली थी कि स्कूटी पर तीन लोग महुआटांड से बोरोबिन की ओर आएंगे। उनके पास ब्राउन शुगर और अन्य नशीले पदार्थ होने की जानकारी मिली थी।

सूचना की जांच और कार्रवाई के लिए रामगढ़ के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एसआईटी बनाई गई। रजरप्पा थाना प्रभारी और अन्य पुलिसकर्मियों ने बोरोबिन पुल के पास बैरियर लगाकर महुआटांड की ओर से आने वाले वाहनों की जांच शुरू की। पुलिस के मुताबिक, शाम करीब 7:45 बजे तीन लोगों की स्कूटी बोरोबिन चेक नाके पर पहुंची। पुलिस ने उसे रोककर सवारों से पूछताछ की। उनकी पहचान दिवाकर कुमार ठाकुर (28), कृष्णा नायक (32) और आनंद लकड़ा (20) के रूप में हुई। तीनों अनगड़ा थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में तीनों ने बताया कि वे रजरप्पा प्रोजेक्ट के दीपक रजक (19), रजरप्पा प्रोजेक्ट स्टेडियम के पास रहने वाले आकाश सिंह उर्फ गोंदु (23) और महुआटोली के हेमंत राजभर (27) से ब्राउन शुगर खरीदते थे।

पुलिस के मुताबिक, तीनों ने बताया कि उन्होंने उस दिन महुआटांड जाने वाले रास्ते पर सुनसान जंगली जगह से नशा खरीदा था। इसके बाद एसआईटी ने छापा मारकर दीपक रजक, आकाश सिंह और हेमंत राजभर को पकड़ा। पुलिस ने सामान की सूची बनाकर उसे जब्त किया।

होर्मुज से भारतीय जहाजों को गुजरने देगा ईरान

8 महीने से बंद था रास्ता, इसी रूट से 40% कच्चा तेल मंगाता है भारत

तेहरान, 4 नवंबर (एजेंसियां)। ईरान ने करीब 8 महीने बाद भारतीय जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की छूट दे दी है। अब भारतीय जहाज इस रास्ते से बिना किसी रोक-टोक के गुजर सकेंगे। ईरान ने चीन, इराक और कतर के जहाजों को भी यह छूट दी है। 28 फरवरी से इस रास्ते पर जहाजों की आवाजाही पर पाबंदियां लगी हुई थीं। भारत अपने कुल कच्चे तेल आयात का करीब 40% इसी रास्ते से मंगाता है।

ईरान की न्यूज वेबसाइट ईरानवायर और अनादोलू एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के उपाध्यक्ष अहमद हयात-मोगद्दम ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने भारत को यह छूट इसलिए दी है, ताकि उसे भारत से दवाएं मिलती रहें। वहीं, चीन को छूट देने के पीछे ईरान की उम्मीद है कि मुश्किल वक्त में बीजिंग उसका राजनीतिक रूप से साथ देगा।



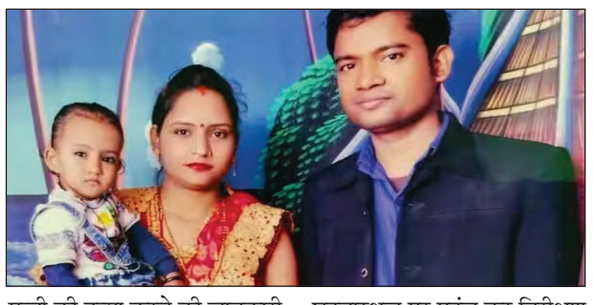
हालांकि, भारतीय और चीनी जहाजों को होर्मुज से गुजरने के लिए पैसे देने होंगे। वहीं, कतर के जहाज बिना कोई शुल्क दिए इस रास्ते से गुजर सकेंगे। इराक को किस वजह से छूट दी गई है, यह साफ नहीं किया गया है।

भारत अपनी जरूरत का 85% से ज्यादा कच्चा तेल दूसरे देशों से खरीदता है। इसमें से करीब 40% तेल होर्मुज स्ट्रेट से होकर आता है। सऊदी अरब, इराक, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देशों से भारत आने वाले तेल के लिए यह अहम रास्ता है। अगर भारत रोजाना 50 लाख बैरल कच्चा तेल विदेशों से मंगाता है, तो इसमें करीब 20 लाख बैरल तेल होर्मुज के रास्ते आता है। ऐसे में इस रास्ते पर पाबंदी लगने से भारत की तेल सप्लाई पर बड़ा असर पड़ सकता है।

होर्मुज सिर्फ कच्चे तेल के लिए ही जरूरी नहीं है। भारत खाड़ी देशों से बड़ी मात्रा में एलएनजी यानी प्राकृतिक गैस और एलपीजी यानी रसोई गैस भी मंगाता है।

पति ने पत्नी की हत्या कर घर में लगाया ताला

फिर ससुर को फोन कर कहा – मैंने मार दिया, 8 साल की बेटी हुई अनाथ



बाराबंकी, 4 नवंबर (एजेंसियां)। बाराबंकी में सनकी पति पत्नी की हत्या के बाद घर में ताला लगा कर फरार हो गया। वारदात की जानकारी होने के करीब 7 घंटे बाद ससुर मौके पर पहुंचे, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ताला तुड़वा कर शव घर से बाहर निकलवाया। दहला देने वाली घटना से आठ साल की बेटी के सिर से मां का साया उठ गया है। वहीं मायके पक्ष की तहरीर पर पुलिस जांच में जुटी है।

पुलिस के मुताबिक, नगर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला रसूल पुर निवासी संदीप वर्मा पत्नी सीमा वर्मा अपनी 8 वर्षीय बेटी के साथ रहता है। बुधवार सुबह ताला लगे घर में शव होने की सूचना मिली, मौके पर पहुंची पुलिस ने ताला तुड़वा कर महिला का शव घर से बरामद किया है। बताया जा रहा पति संदीप पत्नी की विवाद के बाद हत्या कर दी और घर में ताला लगा कर फरार हो गया। आरोपी ने खुद फोन कर अपने ससुर को पत्नी की हत्या करने की जानकारी दी। सूचना मिलने के करीब सात घंटे बाद महिला के पिता मौके पर पहुंचे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने बंद घर का ताला खुलवाकर कमरे से सीमा वर्मा का शव बरामद किया। घटना के बाद से आरोपी पति फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए एएसपी उत्तरी विवेक तिवारी और सीओ सिटी आफताब आलम भी घटनास्थल पर पहुंच कर निरीक्षण किया। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए। एएसपी विवेक तिवारी ने बताया कि पुलिस को फोन पर धर्मेंद्र नाम के शख़्स ने अपनी बेटी की हत्या की सूचना दी थी। जिसके बाद पुलिस तत्काल मौके पर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल अभी हत्या के पीछे पारिवारिक कलह होने की बात समाने आई है।

छत्तीसगढ़ में 6.38 करोड़ का गांजा बरामद



कोंडागांव, 4 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में गांजा तस्करी के दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने करीब 4.88 करोड़ रुपए का गांजा जब्त किया है। कांकेर में पुलिस की घेराबंदी की भनक लगने पर तस्कर 2 क्विंटल 80 किलो गांजा गढ़िया पहाड़ के पास फेंककर फरार हो गए।

वहीं, केशकाल पुलिस ने एक कार से 407 किलो 910 ग्राम गांजा बरामद कर राजस्थान के एक युवक को गिरफ्तार किया है। दोनों मामलों में पुलिस तस्करी के नेटवर्क की जांच कर रही है।

कांकेर के कोतवाली थाना क्षेत्र के सिगारभाट स्थित गढ़िया पहाड़ के किनारे पुलिस ने लावारिस हालत में गांजे के 70 पैकेट बरामद किए। इनका कुल वजन 2 क्विंटल 80 किलो और अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 50 लाख रुपए बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, तस्कर ओडिशा से विश्रामपुरी और केशकाल के रास्ते कांकेर पहुंचे थे। गांजा तस्करी की सूचना मिलने पर केशकाल पुलिस उनकी तलाश में जुटी थी। केशकाल पुलिस ने कांकेर पुलिस को भी इसकी जानकारी दी, जिसके बाद आरोपियों को पकड़ने के लिए घेराबंदी की गई।

बताया जा रहा है कि पुलिस की घेराबंदी की भनक लगने पर तस्कर गांजे के पैकेट सुनसान जगह पर फेंककर फरार हो गए। मुखबिर की सूचना पर मौके पर पहुंची कांकेर पुलिस ने गांजा जब्त कर लिया।

कांकेर एसडीओपी हरीश पाटिल के मुताबिक, पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों की जांच के दौरान गांजा बरामद किया है। तस्करी में इस्तेमाल की गई दो गाड़ियों की पहचान कर ली गई है और एक कार चालक को भी चिह्नित किया गया है। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम जुटी हुई है।

दूसरी कार्रवाई में केशकाल पुलिस ने 3 नवंबर को सूचना के आधार पर सिल्वर रंग की महिंद्रा XUV-500 (OD-10-V-7053) को रोककर तलाशी ली।

महादेव सट्टा, सौरभ चंद्राकर 8 दिन की सीबीआई रिमांड पर

दिल्ली ले जाएगी टीम, 12 नवंबर को पेशी, ईडी ने भी रिमांड की मांग रखी

रायपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर की सीबीआई कोर्ट में महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को पेश किया गया। कोर्ट ने सीबीआई को 8 दिन की कस्टोडियल रिमांड मंजूर की है।

सीबीआई की टीम अब उसे दिल्ली ले जाएगी, जहां उससे अपने ऑफिस में पूछताछ की जाएगी। उसे 12 नवंबर को फिर कोर्ट में पेश करना होगा। कोर्ट में सीबीआई की ओर से बहस के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी और वकील भी मौजूद रहे। ईडी ने भी सौरभ की रिमांड के लिए आवेदन लगाया है। वहीं, सौरभ के वकील तुषार गिरी ने सीबीआई की रिमांड मांग का विरोध किया और इसे गलत बताया। सौरभ की पेशी को देखते हुए कोर्ट कैंपस में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। यहां भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

बता दें कि करीब 6 हजार करोड़ रुपए के सट्टा घोटाले में आरोपी चंद्राकर को मंगलवार को सीबीआई की टीम दिल्ली से फ्लाइट ई6 2307 से रायपुर लेकर पहुंची थी। सीबीआई सौरभ को ओमान से प्रत्यर्पण के बाद भारत लेकर आई है। सोमवार को उसे दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने दो दिन की ट्रांजिट रिमांड पर उसे सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था। सौरभ के वकील तुषार ने कहा कि उनका पक्ष है कि सौरभ के खिलाफ केवल ईडी के मामले में ही कार्रवाई हो सकती है। सीबीआई के मामले में उनके खिलाफ केस बनने का सवाल ही नहीं उठता, गिरफ्तारी तो दूर की बात है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने ओमान सरकार को पत्र लिखकर सौरभ की नागरिकता के संबंध में जानकारी मांगी थी। ओमान सरकार ने स्पष्ट किया है कि सौरभ भारतीय नागरिक है।

उन्होंने मीडिया में चल रही खबरों को निराधार बताते हुए कहा कि कई बातें बिना तथ्यों के प्रसारित की जा रही हैं। महादेव सट्टा ऐप के जरिए करप्शन और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों पर उन्होंने कहा कि ये सिर्फ सट्टे का ऐप है। हो सकता है कि कोई सामान्य परिवार से आता हो तो उसे हम अगल नजरिए से देखते हैं। यदि कोई बड़ी-बड़ी कंपनी शामिल हो जाती है तो उसे हम क्रिकेट इंडिया के लोगो पर देखते हैं। महादेव सट्टा केस में सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि मुख्य आरोपी को पकड़कर लाया गया है। सीबीआई की पूछताछ में कई और लोगों के नाम सामने आ सकते हैं।

कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए लोकतंत्र की हत्या की और आज वही लोकतंत्र की बात कर रही है।

बंद घर से 6 लाख के गहने-कैश की चोरी

मकान मालिक के घर पहुंचने के 1 घंटे पहले हुई वारदात, सीसीटीवी में कैद हुए चोर

लातेहार, 4 नवंबर (एजेंसियां)। लातेहार के सदर थाना क्षेत्र के पहाड़पुरी मुहल्ले में चोरों ने मंगलवार की शाम बंद घर का ताला तोड़कर करीब छह लाख रुपए के जेवरात और नकदी चुरा ली। चोरी की घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। फुटेज में दो चोर दिखाई दे रहे हैं।

मकान मालिक के घर पहुंचने के महज एक घंटे पहले ही चोरों ने इस वारदात हो अंजाम दिया और भाग निकले। सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, दोनों चोर एक अधूरे मकान की ओर से आए और बाउंड्री पार कर शाम 6 बजे घर में घुसे।

आरोपियों में से एक ने सफेद और दूसरे ने काले रंग का स्वेटर पहना था। वहीं, घर के मालिक निशांत कुमार सिंह उर्फ राहुल ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 10 बजे वे पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों को दिल्ली की ट्रेन पकड़वाने के लिए रांची गए थे।

निशांत जब शाम करीब 7 बजे घर वापस लौटे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। घर के अंदर सामान बिखरा था और लोहे की अलमारी टूटी हुई थी।

निशांत के मुताबिक, चोर पत्नी की सोने की एक चेन, सोने की आठ जोड़ी बालियां, चांदी की चार सेट पायल, पति-पत्नी की पांच सोने की अंगूठियां, सोने का हार सेट, जरूरी दस्तावेज और 30 हजार रुपए नकद ले गए। चोरी हुए सामान की कुल कीमत करीब छह लाख रुपए बताई गई है।

इधर, सूचना मिलने पर एसडीपीओ संदीप कुमार गुप्ता और थाना प्रभारी अशोक कुमार पासवान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच की। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान करने में जुटी है।

नाबालिग पर जानलेवा हमला

पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने के आरोप में चार पर केस

दरभंगा, 4 नवंबर (एजेंसियां)। जिले के सिमरी थाना क्षेत्र में दुर्गा पूजा का मेला देखकर घर लौट रहे एक नाबालिग लड़के पर चार अन्य नाबालिगों द्वारा पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना में जख्मी नाबालिग की स्थिति काफी गंभीर बताई जा रही है। बच्चा बुरी तरह झुलस गया है। घटना 18 अक्टूबर की रात की बताई जा रही है। पीड़ित के पिता के अनुसार, रात करीब एक बजे जब उनका बेटा मेला देखकर लौट रहा था, तभी पानी की टंकी के पास मौजूद चार लड़कों ने उसे जबरन घेर लिया और धनकौल गांव में लगे मेले में चलने को कहा। जब उसने जाने से इनकार किया तो वहां मौजूद लड़कों ने उनके बेटे के पूरे शरीर पर पेट्रोल छिड़क दिया।

शहीद की मां बोली– बहू ने घर से निकाला

85 लाख से जमीन-गाड़ी खरीदी, अनुकंपा में मिली थी एएसआई की नौकरी



सरगुजा, 4 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में शहीद एसटीएफ जवान के बुजुर्ग माता-पिता ने अपनी बहू पर उन्हें बेसहारा छोड़ने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि, बेटे की शहादत के बाद बहू को एएसआई के पोस्ट पर अनुकंपा नियुक्ति और 84 लाख रुपए की आर्थिक सहायता भी मिली, लेकिन अब वह उनकी देखभाल नहीं कर रही है।

नौकरी मिलने के बाद बहू अपना अलग घर बनवाकर रह रही है। बेटे के बनाए घर में ताला लगा दिया है। अब ससुराल भी नहीं आती-जाती है। बुजुर्ग माता-पिता ने सरगुजा कलेक्टर और एसपी को शिकायत देकर अनुकंपा नियुक्ति की शर्तों के उल्लंघन, घर से बेदखल करने और शहीद परिवार को मिली आर्थिक सहायता की जानकारी छिपाने का आरोप लगाया है। जानकारी के मुताबिक, रामशंकर सिंह स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) में पदस्थ थे। बीजापुर में 3 मार्च 2021 को नक्सली हमले में वे शहीद हो गए थे। उनकी शहादत के बाद पत्नी बिस्तुरी सिंह को परिवार के भरण-पोषण और देखभाल की शर्त पर एसपी कार्यालय अंबिकापुर में एएसआई के पोस्ट पर अनुकंपा नियुक्ति दी गई थी। रामशंकर की कोई संतान नहीं है।

शहीद जवान के पिता और अमदला निवासी दुखराम (76) और मां दुलारी बाई (68) का आरोप है कि, बहू ने नौकरी मिलने के बाद उनसे संबंध तोड़ लिए। वह उनकी कोई आर्थिक मदद भी नहीं करती है। फिलहाल दोनों बुजुर्ग अपने छोटे बेटे के साथ रह रहे हैं। माता-पिता के मुताबिक, रामशंकर ने अंबिकापुर में मकान बनवाया था, लेकिन उस मकान पर भी ताला लगा दिया गया है। इस कारण उन्हें छोटे बेटे जय सिंह और उसके परिवार के साथ रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। छोटा बेटा मजदूरी और खेती-किसानी कर उनका भरण-पोषण कर रहा है। बुजुर्ग माता-पिता ने आरोप लगाया है कि बेटे की शहादत के बाद शासन से करीब 84 लाख रुपए मिलने की जानकारी दी गई थी, जबकि बहू ने केवल 25 लाख रुपए मिलने की बात बताई।

उनका आरोप है कि शहादत के बाद मिली राशि और वेतन से बहू ने कार, स्कूटी, ट्रैक्टर, बाइक, जमीन और बैंक में फिक्स्ड डिपॉजिट जैसी संपत्तियां बनाई हैं, लेकिन उनकी आर्थिक मदद नहीं की।

दीपावली से पहले यूपी-112 एक्शन मोड में

हॉटस्पॉट पर नजर, हर जिले में बदलेगा पीआरवी का रूट चार्ट

लखनऊ, 4 नवंबर (एजेंसियां)। आगामी दीपावली पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से बिनोद कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक, यूपी-112 द्वारा मुख्यालय से प्रदेश के समस्त जनपदीय नोडल अधिकारियों (यूपी-112) के साथ एक उच्चस्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग गोष्ठी की गई। इस बैठक के दौरान आगामी त्योहार के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं पर गहन समीक्षा की गयी और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

हॉटस्पॉट का चिह्नीकरण और रूट चार्ट

28 अक्टूबर को प्रेषित दीपावली एडवाइजरी के अनुसार, विगत घटनाओं/इवेंट्स का विश्लेषण कर थाना क्षेत्र और स्थान के आधार पर हॉटस्पॉट चिह्नित किए जाएं। संवेदनशील मार्गों पर यूपी-112 के वाहनों (पीआरवी) की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए संशोधित रूट चार्ट दिनांक 05.11.2026 तक मुख्यालय को अनिवार्य रूप से प्रेषित किया जाए।

यह सुनिश्चित किया जाए कि जनशक्ति के अभाव या किसी तकनीकी खराबी (ब्रेकडाउन) के कारण कोई भी पीआरवी वाहन 'नान आपरेशनल' न रहे, जिससे आपातकालीन स्थिति में त्वरित सहायता मिल सके।

कम्युनिकेशन और मॉनिटरिंग

आरओआईपी पर नियुक्त कर्मियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने, इवेंट मॉनिटरिंग को प्रभावी बनाने तथा पीआरवी कर्मियों की नियमित ब्रीफिंग और चेकिंग के निर्देश दिए गए।

गत 16 अक्टूबर 2026 को जारी संशोधित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक यूपी-112 द्वारा सभी जनपदों के नोडल अधिकारियों की समस्याओं को सुनकर उनके निदान हेतु आश्वस्त किया गया साथ ही समस्त जनपदीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे त्योहार के दौरान प्रदेशवासियों को त्वरित और निर्बाध आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने के लिए पूरी तरह सतर्क रहें।



सेंसेक्स 384 अंक बढ़कर 77,301 पर बंद

निफ्टी भी 130 अंक चढ़ा

मुंबई, 4 नवंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 4 नवंबर को बढ़त रही। सेंसेक्स 384 अंक ऊपर 77,301 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 150 अंक की बढ़त रही, ये 23,961 पर बंद हुआ। रियल्टी, मेटल, मीडिया और एफएमसीजी शेयर्स में आज ज्यादा खरीदारी रही।

क्षेत्रों में निफ्टी रियल्टी सूचकांक में 2 फीसदी की जोरदार वृद्धि हुई। निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं सूचकांकों में 1 फीसदी से अधिक का लाभ दर्ज किया गया। हालांकि, रुझान के विपरीत निफ्टी आईटी सूचकांक लाल निशान पर फिसल गया। मीडिया और रियल्टी शेयरों ने बाजार को ऊपर उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सेंसेक्स में 301.80 अंकों (0.39 फीसदी) की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, निफ्टी में 100.86 अंकों (0.42 फीसदी) का लाभ हुआ। व्यापक बाजारों में भी बढ़त जारी रही। निफ्टी स्मॉलकैप 250 और निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांक 0.75 फीसदी तक उछले।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने ऊंचा किया तिरंगा

मुकेश अंबानी की कंपनी को फिर मिली टॉप 100 में जगह



नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। देश की मोस्ट वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में पिछले दो दिन में 12 फीसदी तेजी आई। इसके साथ ही रिलायंस एक बार फिर दुनिया की टॉप 100 कंपनियों में शामिल हो गई है। मुकेश अंबानी की यह कंपनी इस लिस्ट में शामिल एकमात्र भारतीय कंपनी है। रिलायंस के शेयरों में सोमवार को 11.64 फीसदी तेजी आई थी जबकि मंगलवार को यह 0.55 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ। इसके साथ ही इसका मार्केट कैप 17.60 लाख करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया।

companiesmarketcap.com के मुताबिक रिलायंस का मार्केट कैप 187.39 अरब डॉलर पहुंच चुका है और यह मार्केट कैप के लिहाज से दुनिया के टॉप कंपनियों की लिस्ट में 99वें नंबर पर है। रिलायंस ने लंबे समय बाद इस लिस्ट में वापसी की है। इस लिस्ट में एनवीडिया एक बार फिर पहले नंबर पर पहुंच चुकी है। उसका मार्केट कैप $4.990 ट्रिलियन डॉलर है। आईफोन बनाने वाली ऐपल $4.843 ट्रिलियन के साथ दूसरे नंबर पर खिसक चुकी है।

अमेरिका का दबदबा

दुनिया की टॉप 100 कंपनियों में अमेरिका का दबदबा है। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका की 62 कंपनियों को इस लिस्ट में जगह मिली है। चीन की दस कंपनियां इस लिस्ट में शामिल हैं। चाइना कंस्ट्रक्शन बैंक $462.86 अरब के मार्केट कैप के साथ इस लिस्ट में 26वें नंबर पर है। ब्रिटेन की 5, स्विट्जरलैंड और फ्रांस की तीन-तीन, जापान, ऑस्ट्रेलिया और साउथ कोरिया की दो-दो कंपनियों को टॉप 100 में जगह मिली है।

टॉप 10 में कौन?

टॉप 10 में भी अमेरिका का वर्चस्व है। अमेरिका की आठ कंपनियां टॉप 10 में शामिल हैं। इसमें एआई चिप बनाने वाली एनवीडिया और ऐपल के साथ-साथ माइक्रोसॉफ्ट, गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट, ऐमजॉन, स्पेसएक्स, मेटा प्लेटफॉर्म्स और ब्रॉडकॉम शामिल हैं। इस लिस्ट में ताइवान की चिप मेकर टीएसएमसी 2.099 ट्रिलियन डॉलर के साथ छठे और सऊदी अरामको 1.687 अरब डॉलर के साथ आठवें नंबर पर है।

ट्रंप की चुनावी हार के बाद कीमती धातुओं में जोरदार उछाल

पलक झपकते ही सोना 3,486 रुपए और चांदी 7,775 रुपए तक चढ़ी



नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। लगातार कई दिनों तक दबाव में रहने के बाद बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी देखने को मिली।

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव नतीजों, कमजोर डॉलर, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में नरमी और वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के चलते निवेशकों का रुझान एक बार फिर सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर बढ़ा, जिससे कीमती धातुओं में तेज खरीदारी देखने को मिली। घरेलू बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना एक ही दिन में 2.21 प्रतिशत यानी 3,088 रुपए चढ़कर 1,42,540 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया। वहीं दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी में और अधिक तेजी देखने को मिली तथा इसका भाव 3.84 प्रतिशत यानी 6,902 रुपए बढ़कर 1,86,600 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गया। वहीं खबर लिखे जाने तक, एमसीएक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी के साथ 1,42,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखा, तो वहीं दिसंबर वायदा चांदी 3.71 प्रतिशत की उछाल के साथ 1,86,373 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती नजर आई।

बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी के कमजोर प्रदर्शन के बाद निवेशकों ने सुरक्षित निवेश की ओर रुख किया। चुनाव परिणामों के मुताबिक, डेमोक्रेटिक पार्टी ने सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में बढ़त हासिल की, जिसके बाद वैश्विक बाजारों में नई राजनीतिक संभावनाओं को लेकर चर्चा तेज हो गई। विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी नतीजों के बाद डॉलर में कमजोरी और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में गिरावट ने सोने को अतिरिक्त समर्थन दिया। आमतौर पर कमजोर डॉलर और कम बॉन्ड यील्ड सोने जैसी गैर-ब्याज देने वाली संपत्तियों को आकर्षक बनाते हैं।

पिछले कारोबारी सत्र में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आने से महंगाई को लेकर चिंताएं कुछ कम हुई हैं, जिससे निवेशकों को उम्मीद जगी है कि केंद्रीय बैंकों के पास मौद्रिक नीति में कुछ लचीलापन दिखाने की गुंजाइश बन सकती है। सोना ऐसे वातावरण में बेहतर प्रदर्शन करता है।

वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो कॉमेक्स में सोना 2.32 प्रतिशत चढ़कर 4,031.90 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती नजर आई, जबकि चांदी 4.10 प्रतिशत चढ़कर 51.795 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। बाजार की नजर अभी वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर भी बनी हुई है। रूस ने यूक्रेन और अमेरिका के साथ त्रिपक्षीय शांति वार्ता के लिए सहमति जताई है, जबकि ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। ऐसे माहौल में निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

धनतेरस पर 46 से 52 टन सोना बिकने की उम्मीद

मुंबई, 4 नवंबर (एजेंसियां)। धनतेरस और दिवाली से पहले सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखी जा रही है। त्योहारों सीजन से ठीक पहले यह कीमतों यह गिरावट ग्राहकों के लिए खरीदारी का अवसर तो है साथ ही सर्राफा बाजार के लिए यह राहत की बात है, क्योंकि त्योहारों से पहले कीमतें गिरने से बिक्री बढ़ने की उम्मीद ज्वेलर्स की बढ़ गई हैं। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) का कहना है, पिछले साल धनतेरस पर 36 टन सोना बिका था जिसकी तुलना में इस साल धनतेरस पर 46 से 52 टन सोना बिकने की उम्मीद है, वहीं चांदी की बिक्री केवल धनतेरस पर 250 टन के करीब होने की संभावना है।

इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र मेहता ने अमर उजाला डॉटकॉम के साथ हुई बातचीत में बताया कि, त्योहारों से पहले सोने और चांदी कीमतों में आई गिरावट सर्राफा कारोबारियों और ग्राहकों दोनों के लिए सकारात्मक है। इस साल धनतेरस और दिवाली में सोने की मांग लगभग 7 से 10 प्रतिशत तक की वृद्धि होगी और चांदी की मांग 7 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस साल धनतेरस पर 46 से 52 टन सोना बिकने की उम्मीद है, वहीं चांदी की बिक्री केवल धनतेरस पर 250 टन के करीब होने की संभावना है। दिवाल और धनतेरस को मिलाकर कुल 65 टन सोना बिकने का अनुमान है, जबकि कुल चांदी की बिक्री 300 टन के आसपास होने की संभावना है।

दैनिक पंचांग



श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य दक्षिणायने /दक्षिण **,** ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि **- 432000**
भोग्य कलि वर्ष. **- 426873** सूर्योदय 06-18
कलियुग संवत् **- 5127** वर्ष, सूर्यास्त. 17-40
कल्पारंभ संवत् **- 1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् **- 1955885127**
दिशाशूल **-** दक्षिण **-** जीरा खाकर घर से निकले
मास **-** कार्तिक कृष्ण पक्ष गुरुवार **05 Nov 2026**
तिथि **-** एकादशी **10-35** तक उपरान्त द्वादशी
नक्षत्र **-** उ.फाल्गुनी **03-56** रात्रि तक उपरान्त
योग **-** ऐन्द्र **06-26** तक उप वैधृति
करण **-** बालव **10-35** तक उप कौलव
व्रत रामा एकादशी व्रत
त्योहार गोवत्स द्वादशी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-25 से 14-51 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा **9247132654 9167555710**

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
शुभ	06-18 - 07-43 शुभ	अमृत	17-40 - 19-16 शुभ
रोग	07-43 - 09-08 अशुभ	चंचल	19-16 - 20-51 शुभ
उत्पात	09-08 - 10-34 अशुभ	रोग	20-51 - 22-25 अशुभ
चंचल.	10-34 - 12-00 शुभ	काल	22-25 - 00-00 अशुभ
लाभ	12-00 - 13-25 शुभ	लाभ	00-00 - 01-34 शुभ
अमृत	13-25 - 14-51 शुभ	उत्पात	01-34 - 03-09 अशुभ
काल	14-51 - 16-16 अशुभ	शुभ.	03-09 - 04-43 शुभ
शुभ	16-16 - 17-40 शुभ	अमृत	04-43 - 06-18 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

स्वास्थ्य अच्छा बना रहता है। आज कोई लेनदार आपके पास आ सकता है और आपसे कर्ज चुकाने के लिए कह सकता है। हालाँकि आप राशि चुका देंगे, लेकिन यह जीवन में आर्थिक तंगी पैदा कर सकता है। इसलिए आपको उधार लेने से बचने की सलाह दी जाती है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

दांत दर्द या पेट खराब होना आपके लिए कुछ परेशानी खड़ी कर सकता है। तुरंत राहत पाने के लिए चिकित्सक की सलाह लें। जो व्यापारी काम के सिलसिले में घर से बाहर निकल रहे हैं उन्हें आज अपना धन किसी सुरक्षित स्थान पर जमा करके रखना चाहिए, चोरी होने की संभावना है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आप अपने आस-पास के लोगों को अत्यधिक मांग करने वाले पाएंगे- जितना आप कर सकते हैं उससे अधिक का वादा न करें- और केवल दूसरों को खुश करने के लिए खुद को थकाने के लिए तनाव न दें। आज के दिन आपको पैसों से जुड़ी समस्या आ सकती है और अपने पिता या पिता तुल्य व्यक्ति से सुझाव मांग सकते हैं।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

लंबे समय से जीवन में चल रहे तनाव और तनाव से आपको राहत मिलेगी। उन्हें स्थायी रूप से दूर रखने के लिए अपनी जीवन शैली को बदलने का सही समय है। इस राशि के कुछ जातकों को आज संतान के माध्यम से आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व होगा।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा इसलिए अपने अच्छे स्वास्थ्य के लिए टहलने के लिए बाहर निकलें। आज आप पैसे जमा करने और बचाने का हुनर सीख सकते हैं और उसका सही इस्तेमाल कर सकते हैं। आपके बच्चे के पुरस्कार समारोह में निमंत्रण खुशी का स्रोत होगा।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

समय-समय पर टूटने से आपको कुछ परेशानी हो सकती है। अपने तंत्रिका तंत्र को क्रियाशील रखने के लिए पूरा आराम करें। परिवार के छोटे सदस्यों का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, जिससे आपको स्थिति को संभालना होगा और काफी धन खर्च करना होगा। गृह-सुधार परियोजनाओं पर विचार किया जाना चाहिए।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आपका बच्चों जैसा स्वभाव सामने आएगा और आप चंचलता के मूड में रहेंगे। अप्रत्याशित बिल आर्थिक बोझ बढ़ाएंगे। परिजनों के बीच पैसों के मामले में विवाद होने की संभावना है। आपको परिवार के सभी सदस्यों को वित्त और नकदी प्रवाह के बारे में स्पष्ट रहने की सलाह देनी चाहिए।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आपकी जबरदस्त बौद्धिक क्षमता आपको विकलांगता से लड़ने में मदद करेगी। सकारात्मक विचार रखकर ही आप इस समस्या से लड़ सकते हैं। संयुक्त उद्यमों और संदिग्ध वित्तीय योजनाओं में निवेश न करें। पुराने संपर्कों और संबंधों को पुनर्जीवित करने के लिए दिन अच्छा है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

कुछ अपरिहार्य परिस्थितियां आपको कुछ बेचैनी दे सकती हैं। लेकिन आपको अपना संतुलन बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए और स्थिति से निपटने के लिए तुरंत प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए। आज आपके सामने कई नई आर्थिक योजनाएँ आएंगी- कोई भी वादा करने से पहले अच्छे-बुरे पर विचार कर लें।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

तनाव दूर करने के लिए कोई सुखदायक संगीत सुनें। अगर आपको लगता है कि आपका पैसा बिना किसी अच्छे कारण के खर्च हो रहा है तो आज आपको एक सही और प्रभावी बजट योजना बनाने की जरूरत है। आपका कोई करीबी बेहद अप्रत्याशित मूड में रहेगा।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

जैसे-जैसे आप दूसरों के साथ खुशी के पल साझा करेंगे, आपका स्वास्थ्य भी खिलेगा। लेकिन सावधान रहें क्योंकि इसे नज़रअंदाज करना बाद में आपको परेशान कर सकता है। जैसा कि आपने अतीत में बहुत खर्च किया है, आपको अपने वर्तमान में इसके परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

मोतियाबिंद के रोगियों को प्रदूषित वातावरण में जाने से बचना चाहिए क्योंकि धूम्रपान आपकी आँखों को और नुकसान पहुँचा सकता है। हो सके तो धूप के ज्यादा संपर्क में आने से बचें। यदि आपने अपने परिवार के किसी सदस्य से कुछ धन उधार लिया था तो उसे आज ही लौटा देना उत्तम होगा।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : **9167555710**

साबुत चावल तो छोड़िए, टूटे चावल भी लगा रहा है छलांग

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। महंगे होते चावल के दाम ने सरकार की नींद उड़ा दी है। शायद यही वजह है कि अब फूड कार्पोरेशन या एफसीआई के सरप्लस चावल से बनने वाले इथेनॉल की ऊपरी सीमा तय यानी कैपिंग कर दी गई है। इससे पहले चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी को देखते हुए सरकार ने गन्ने के रस से इथेनॉल बनाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। अब खबर आई है कि खुले बाजार में शत प्रतिशत टूटे हुए चावल या ब्रोकेन की कीमतों में भी तेज उछाल हो रहा है। इसे देखते हुए हो सकता है कि सरकार इसके निर्यात पर प्रतिबंध लगा दे। वैसे भी इस साल अभी तक धान का उत्पादन घटने की ही खबर आई है।

चावल से इथेनॉल बनाने पर कैपिंग

पेट्रोल में इथेनॉल की मिलावट के लिए हर साल सरकार की तरफ से टेंडर निकाला जाता है। इसी टेंडर में इथेनॉल निर्माण और सप्लाई से जुड़ी नियम एवं शर्तों की जानकारी होती है। सरकार की तरफ से 3 नवंबर 2026 को जारी रिवाइज्ड टेंडर कंडीशंस में बताया गया है कि इस साल के शुरुआती तीन तिमाहियों में एफसीआई के सरप्लस चावल से 3.24 अरब लीटर से अधिक इथेनॉल नहीं बनाया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि भारत में गन्ने के रस के अलावा चावल और मक्का का इथेनॉल बनाने में उपयोग होता है। चावल में भी अधिकतर टूटे चावल का ही उपयोग इसे बनाने में होता है। बीते कुछ महीनों के दौरान ही चावल की कीमतों में खासी बढ़ोतरी हो रही है। इसकी वजह विदेशी बाजारों में चावल की कीमतों में बढ़ोतरी, देश में धान की बुवाई के रकबे में कमी और कुछ और कारण बताए जा रहे हैं।

भारत-पोलैंड आर्थिक रिश्तों को नई गति

जितिन प्रसाद ने रक्षा, अंतरिक्ष और टेक्नोलॉजी कंपनियों के प्रमुखों से की मुलाकात



नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने पोलैंड की राजधानी वारसॉ में प्रमुख उद्योग जगत के नेताओं के साथ कई उच्चस्तरीय बैठकें कर रक्षा, अंतरिक्ष, सूचना प्रौद्योगिकी, विनिर्माण और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत-पोलैंड सहयोग को मजबूत करने की संभावनाओं पर चर्चा की।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए मंत्री ने कहा कि उन्होंने पोलैंड की अग्रणी कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर निवेश, संयुक्त अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी), तकनीकी साझेदारी और औद्योगिक सहयोग के नए अवसरों पर विचार-विमर्श किया। रक्षा एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख पोलिश कंपनी डब्ल्यूबी ग्रुप के दौरे के दौरान जितिन प्रसाद ने कंपनी के अध्यक्ष पिओटर वोज्चेखोव्स्की से मुलाकात की। बैठक में अगली पीढ़ी की रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स, मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएवी), उन्नत संचार तकनीकों, स्वायत्त प्रणालियों और सामरिक इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। मंत्री ने वैश्विक आईटी और क्लाउड सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी बिलेनियम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) गावेल लोपिंस्की से भी मुलाकात की। बिलेनियम की भारत के पुणे में पहले से मौजूदगी है। दोनों पक्षों ने भारत के डिजिटल टैलेंट इकोसिस्टम, क्लाउड ट्रांसफॉर्मेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आईटी क्षेत्र में नए निवेश एवं सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग को लेकर जितिन प्रसाद ने पोलैंड की स्पेस टेक्नोलॉजी कंपनी क्रियोटेक इंस्ट्रूमेंट्स के सह-संस्थापक डॉ. ग्रेजेगोरज ब्रॉना और उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी ग्रेजेगोर्ज ब्रोचना से मुलाकात की। बातचीत के दौरान माइक्रो-सैटेलाइट्स, अंतरिक्ष हार्डवेयर, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स और क्वांटम प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ भारत के तेजी से बढ़ते अंतरिक्ष क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान और निवेश के अवसरों पर विचार किया गया।

अमेरिका पर एक महीने में ही चढ़ गया पाकिस्तान की जीडीपी के बराबर कर्ज



नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका का कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। अक्टूबर में अमेरिका की फेडरल गवर्नमेंट का कर्ज 422 अरब डॉलर बढ़कर 40.6 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इस तरह इसमें एक महीने में पाकिस्तान की जीडीपी के बराबर तेजी आई। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) के मुताबिक पाकिस्तान की इकॉनमी का साइज पिछले साल 2025 में 407 अरब डॉलर था और इस साल इसके 450 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है। जुलाई से ही अमेरिका की सरकार का कर्ज 1.2 ट्रिलियन डॉलर बढ़ चुका है। यानी इस दौरान देश का कर्ज हर महीने 300 अरब डॉलर बढ़ा है। रोजाना इसमें 10 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। इस कारण अमेरिका का डेट टु जीडीपी रेश्यो 123 फीसदी पहुंच चुका है जो 2020 में कोरोना काल के पीक लेवल के बाद सबसे अधिक है।

ट्रेजरी बिल्स और नोट्स की नीलामी

इस बीच ट्रेजरी ने पिछले हफ्ते ट्रेजरी बिल्स और नोट्स की नीलामी के रिकॉर्ड 839 अरब डॉलर जुटाए। इसमें से ज्यादातर राशि का इस्तेमाल मैच्योर हो रहे बिल्स के भुगतान में किया जाएगा। इससे पहले ट्रेजरी बिल्स और नोट्स की नीलामी से सबसे ज्यादा पैसा जुटाने का रिकॉर्ड पिछले साल बना था। 2025 में भी ट्रेजरी विभाग ने इसी अवधि में 834 अरब डॉलर जुटाए थे। ट्रेजरी बिल यूएस गवर्नमेंट का शॉर्ट टर्म इंस्ट्रूमेंट होता है। ट्रेजरी विभाग फेडरल गवर्नमेंट के खर्चों के लिए धन जुटाने के वास्ते इसे जारी करता है। इसी तरह ट्रेजरी नोट शॉर्ट टर्म डेट सिक्योरिटी होती है। इसमें हर छह महीने में फिक्स रेट पर ब्याज का भुगतान किया जाता है और मैच्योर होने पर इसकी फेस वैल्यू वापस मिल जाती है। अमेरिका का कर्ज साल 1990 में 3.2 ट्रिलियन डॉलर था जो 1995 में 5 ट्रिलियन डॉलर पहुंचा।

भारत में एपल की रिकॉर्ड कमाई

सीईओ जॉन टर्नस बोले-देश में आईफोन और मैक की डिमांड ऑल-टाइम हाई

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। ग्लोबल स्मार्टफोन मार्केट में मंदी और सप्लाई की चुनौतियों के बावजूद एपल ने सितंबर तिमाही में भारत में अब तक का सबसे ज्यादा रेवेन्यू हासिल किया है। कंपनी के सीईओ जॉन टर्नस ने अर्निंग्स कॉल में इसकी जानकारी दी। हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया कि रेवेन्यू कितना रहा है। लेकिन ग्लोबल रेवेन्यू बढ़कर 114.5 अरब डॉलर यानी करीब 10.80 लाख करोड़ रुपए हो गया। ये पिछले साल की इसी तिमाही के 102.5 अरब डॉलर के मुकाबले लगभग 12% ज्यादा है। वहीं, पूरे साल में एपल ने रिकॉर्ड 479 अरब डॉलर यानी करीब 45 लाख करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल किया है, जो पिछले साल 416 अरब डॉलर था।

अमूल ने घी-बटर महंगा किया

1 किलो घी 50 रुपये बढ़कर 680 रुपये का हुआ, 100 ग्राम बटर 66 रुपये का

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। अमूल ने घी और बटर 3 से 50 रुपए तक महंगा कर दिया है। एक किलो घी का कार्टन 630 से बढ़कर 680 रुपए का हो गया है। बटर के 100 ग्राम पैक की कीमत 63 से बढ़कर 66 रुपए हो गई है। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक, दाम बढ़ने की वजह गुजरात-राजस्थान में नकली घी के खिलाफ कार्रवाई के बाद ब्रांडेड घी की बढ़ी मांग है। इससे सितंबर 2025 की जीएसटी कटौती का फायदा भी काफी कम हो गया है।

सितंबर 2025 में जीएसटी की दर घटने के बाद अमूल ने 700 डेयरी प्रोडक्ट्स के दाम कम किए थे। डेयरी प्रोडक्ट्स पर जीएसटी 12% से घटाकर 5% किया गया था। उस समय एक लीटर घी के कार्टन की कीमत 650 रुपये से घटकर 610 रुपये हो गई थी। पांच लीटर का टिन 3,275 रुपये से घटकर 3,075 रुपये हो गया था। बटर के 100 ग्राम पैक की कीमत 62 से घटकर 58 रुपये हो गई थी। 500 ग्राम पैक 305 रुपये से घटकर 285 रुपये का हुआ था।

भारत में ब्रिटेन से बल्क स्कॉच-व्हिस्की का इंपोर्ट 1000% बढ़ा

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और ब्रिटेन के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) के लागू होने के बाद देश में बल्क स्कॉच व्हिस्की का इंपोर्ट रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। अगस्त 2026 में बल्क स्कॉच व्हिस्की का इंपोर्ट साल-दर-साल आधार पर करीब 1,000% बढ़कर 12.39 मिलियन डॉलर यानी 117 करोड़ रुपए रहा।

इंपोर्ट ड्यूटी 150% से घटकर 75% हुई

इंपोर्ट ड्यूटी में कटौती के कारण कंपनियों ने बड़े शिपमेंट मंगाने शुरू कर दिए हैं। भारत-यूके का ट्रेड एग्रीमेंट 15 जुलाई 2026 से प्रभावी हुआ था। इसके तहत एलिजिबल स्कॉच व्हिस्की पर इंपोर्ट ड्यूटी को 150% से घटाकर 75% कर दिया गया। इस टैरिफ कटौती के बाद ही बल्क शिपमेंट में यह तेज बढ़ोतरी देखने को मिली है। 2 लीटर से ज्यादा कैपेसिटी वाले कंटेनरों में स्कॉच व्हिस्की का इंपोर्ट करीब 679% बढ़कर 2.5 मिलियन यानी 25 लाख लीटर पर पहुंच गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 3.20 लाख लीटर था। इससे साफ होता है कि यह ग्रोथ सिर्फ कीमतों के कारण नहीं, बल्कि इंपोर्ट बढ़ने से हुई है।



छोटी बोतलों में इंपोर्ट 30% घटा

बल्क शिपमेंट के उलट, 2 लीटर या उससे कम कैपेसिटी वाले कंटेनरों (बोतल) में स्कॉच व्हिस्की के इंपोर्ट में गिरावट दर्ज की गई। अगस्त में इस कैटेगरी का इंपोर्ट साल-दर-साल 30% घटकर 3.08 मिलियन डॉलर यानी 29 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल 4.39 मिलियन डॉलर यानी 41 करोड़ रुपए था।इसका इंपोर्ट वॉल्यूम भी 30% घटकर 5,71,449 यूनिट्स से 402,507 यूनिट्स पर आ गया है। इससे पता चलता है कि टैरिफ कटौती का शुरुआती असर छोटी बोतलों के मुकाबले बल्क शिपमेंट पर ज्यादा पड़ा है।

वित्त वर्ष 2027 के पहले 5 महीनों में 349% की ग्रोथ

वित्त वर्ष 2026-27 के पहले 5 महीनों में बल्क स्कॉच व्हिस्की का इंपोर्ट पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में करीब 349% बढ़ा है। यूके से केवल स्कॉच ही नहीं, बल्कि अन्य स्पिरिट्स का इंपोर्ट भी बढ़ा है। 2 लीटर या उससे कम के कंटेनरों में जिन का इंपोर्ट अगस्त में 150% बढ़कर 0.84 मिलियन डॉलर यानी 8 करोड़ रुपए रहा।



'मैं किसी को छोड़ता नहीं, ब्याज समेत चुकाता हूं'

पूर्व सीएम गहलोत पर बरसे सीएम भजनलाल

जयपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में त्योहारी सीजन के बीच बड़ा भूचाल आ गया है। जोधपुर में आयोजित एक पदयात्रा के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर लगाए गए गंभीर व्यक्तिगत और प्रशासनिक आरोपों के बाद प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के बीच तीखा जुबानी जंग शुरू हो गई है। एक तरफ जहां मुख्यमंत्री ने गहलोत पर पेपर लीक गिरोह, आरपीएससी सदस्य नियुक्तियों में लेन-देन और पुराने व्यापार को लेकर तल्ख हमले बोले, वहीं पलटवार करते हुए पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने आरोपों को कपोल-कल्पित और झूठा करार देते हुए मुख्यमंत्री को 24 घंटे के भीतर तथ्य सार्वजनिक करने या माफी मांगने का अल्टीमेटम दे दिया है। जोधपुर में पदयात्रा के दौरान मीडिया और जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, 'अरे गहलोत साहब, पूरी तरह से सुन लीजिए। अगर बायां हाथ गलती करेगा, भ्रष्टाचार करेगा तो बाएं हाथ को काट दिया जाएगा। अगर दायां हाथ भ्रष्टाचार करेगा तो दायां हाथ काट दिया जाएगा। यह ब्रजवासी है, किसान का बेटा है...



भ्रष्टाचार की पूरी फेहरिस्त बताऊंगा तो आपके पैरों तले जमीन खिसक जाएगी। मैं किसी को छोड़ता नहीं, ब्याज सहित चुकाता हूं।

पेपर लीक और सीएमओ के तार: सीएम ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के दौरान हुए पेपर लीक गिरोह के तार पूर्व सीएमओ के ओएसडी शशिकांत और पीएसओ राजकुमार यादव से जुड़े हुए थे।

आरपीएससी नियुक्तियां: पैसों के लेन-देन के आधार पर राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्यों की नियुक्तियां की गईं।

व्यापारिक आरोप: पुराने खाद-बीज कारोबार में नकली माल बेचकर किसानों को लूटने का काम किया गया।

मुख्यमंत्री के तीखे बयानों पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कड़ी प्रतिक्रिया दी। गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री अपराधबोध और बौखलाहट में आकर भाषा की मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ रहे हैं और जनता को भ्रमित करने का असफल प्रयास कर रहे हैं।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म का आरोप: उन्होंने जोधपुर के बड़ा कांटेचा गांव में 37 खनन लीज में से 16 लीज गहलोत के रिश्तेदारों को आवंटित किए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि विवाद बढ़ने पर उस वक्त सरकार को इन्हें निरस्त करना पड़ा था, जिसका जवाब गहलोत को देना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का बचाव: टीकाराम जूली ने मुख्यमंत्री के बयानों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि अशोक गहलोत का सार्वजनिक जीवन दशकों से बेदाग और अनुकरणीय रहा है। मुख्यमंत्री के इस तरह के गैर-जिम्मेदाराना बयान राजस्थान की स्वस्थ राजनीतिक परंपरा और स्तर को गिराने वाले हैं, जिसके लिए उन्हें तत्काल माफी मांगनी चाहिए।

दिवाली से पहले पूर्व विधायक बलजीत यादव को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत



जयपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। दिवाली से पहले पूर्व विधायक बलजीत यादव को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने एमएलए फंड में कथित अनियमितता और करीब 3.72 करोड़ रुपए के घोटाले के मामले में जयपुर की सेंट्रल जेल में बंद बलजीत यादव की दूसरी जमानत याचिका स्वीकार कर ली है। जस्टिस रवि चिरानिया की एकलपीठ ने बलजीत यादव को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता चित्रांश सक्सेना ने पैरवी की।

बता दें कि विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि के कथित दुरुपयोग और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने बलजीत यादव को इसी साल 3 फरवरी को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद रिमांड अवधि पूरी होने पर 7 फरवरी को उन्हें जयपुर की विशेष अदालत में पेश किया गया था। जहां से बलजीत यादव को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया था। अब बलजीत यादव को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है।

बलजीत यादव पर बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र के 32 सरकारी स्कूलों के लिए खेल सामग्री खरीदने में एमएलए फंड की राशि के दुरुपयोग का आरोप है। आरोपों के अनुसार सरकारी स्कूलों के लिए बैडमिंटन और क्रिकेट किट खरीदी गई थीं। इस खरीद में निर्धारित कीमत से कई गुना अधिक दर पर खेल सामग्री खरीदने का आरोप लगाया गया है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, खेल सामग्री की खरीद में कथित अनियमितताओं के कारण सरकारी खजाने को करीब 3.72 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इस मामले में कुछ फर्मों के संचालकों और शिक्षा विभाग से जुड़े कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आई। एजेंसियों ने इसे सरकारी धन के कथित दुरुपयोग और उससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग का मामला माना है। इस मामले की शुरुआत एसीबी की कार्रवाई से हुई थी। एसीबी ने 12 दिसंबर 2024 को बलजीत यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया था।

कुलपति की नियुक्ति को चुनौती देना पड़ा भारी

हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर लगाया एक लाख रुपये जुर्माना



जयपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने सरदार पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ पुलिस, सिक्योरिटी एंड क्रिमिनल जस्टिस के कुलपति डॉ. आलोक त्रिपाठी की नियुक्ति को चुनौती देने वाली जनहित याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने याचिकाकर्ता सहायक प्रोफेसर विजय सिंह शेरों पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने याचिकाकर्ता की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि जनहित याचिका का इस्तेमाल निजी रंजिश निकालने या प्रचार पाने के लिए नहीं किया जा सकता। सुनवाई के दौरान यह भी सामने आया कि याचिकाकर्ता ने अपने खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों और अदालती कार्यवाही की जानकारी छिपाई थी।

न्यायमूर्ति विनीत कुमार माथुर और न्यायमूर्ति चंद्रशेखर शर्मा की खंडपीठ ने नियुक्ति प्रक्रिया और संबंधित अधिनियम की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुनाया। सुनवाई के दौरान प्रतिवादी पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ताओं और अतिरिक्त महाधिवक्ता ने अदालत के सामने याचिकाकर्ता के खिलाफ दर्ज मामलों का विवरण रखा। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता ने राजस्थान उच्च न्यायालय नियम, 1952 के नियम 385-एफ का स्पष्ट उल्लंघन किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन की महिला अधिकारियों और छात्राओं की ओर से दर्ज कराई गई शिकायतों के आधार पर याचिकाकर्ता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354, 354ए, 354डी, 384 और 509 के तहत मामले दर्ज हैं। इसके अलावा यौन उत्पीड़न (रोकथाम) अधिनियम और राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम के तहत भी उनके खिलाफ कई मामले दर्ज होने की जानकारी अदालत को दी गई। इनमें से कई आपराधिक मामलों में पुलिस अदालत के समक्ष आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता ने इन मामलों और अपने खिलाफ लंबित अदालती कार्यवाहियों की जानकारी याचिका में नहीं दी थी।

बंद दुकान के पीछे बिना लाइसेंस चल रही थी फैक्ट्री

2960 किलो सूजी-बेसन जब्त , 4 प्रतिष्ठान बेनकाब !



जयपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में दिवाली पर जहां मिलावटखोर मुनाफाखोरी के लिए प्लानिंग बना रहे हैं। वहीं राजस्थानसरकार की खाद्य सुरक्षा टीम भी निगरानी में जुटी है। इसी क्रम में फिर 'शुद्ध आहार–मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई की। जयपुर में अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह के सुपरविजन और संयुक्त आयुक्त वी.पी. शर्मा की निगरानी में केंद्रीय खाद्य सुरक्षा दल ने बड़ा खुलासा किया है। टीम ने यहां जयपुर में एक ही दिन में चार प्रतिष्ठानों की जांच की। इस दौरान खाद्य पदार्थों के 7 नमूने लिए गए, करीब 2,960 किलो खाद्य सामग्री सीज की गई और 25 किलो अखाद्य सामग्री नष्ट करवाई गई।

खाद्य सुरक्षा दल ने मैसर्स महेश्वरी फूड प्रोडक्ट्स के सरना डूंगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित लाइसेंस में दर्ज पते पर जांच की तो वहां प्रतिष्ठान बंद मिला। फोन पर जानकारी करने पर पता चला कि फर्म ने करीब 6 महीने पहले बिना विभाग को सूचना दिए अपना कारोबार दूसरी जगह शुरू कर दिया था।इसके बाद टीम ने वीकेआई स्थित फर्म की दूसरी इकाई की भी जांच की।

यह इकाई खाद्य लाइसेंस में दर्ज नहीं थी। जांच के दौरान वहां साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा से जुड़ी कई कमियां मिलीं। टीम ने मौके से करीब 2,960 किलो सूजी, मैदा और बेसन सीज किया। साथ ही जांच के लिए खाद्य पदार्थों के 3 नमूने लिए।

टीम ने मैसर्स लक्ष्मी बेकर्स की निर्माण इकाई की भी जांच की। यहां साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा से जुड़ी कई कमियां मिलीं। टीम ने नानखताई बिस्किट और सुमन गोल्ड ब्रांड वनस्पति के एक-एक नमूने सहित कुल 2 नमूने जांच के लिए लिए।

खाद्य सुरक्षा दल ने गोपालपुरा स्थित मैसर्स रिद्धि सिद्धि स्वीट्स और सहकार मार्ग स्थित मैसर्स दूध मिष्ठान भंडार का भी निरीक्षण किया।

दोनों प्रतिष्ठानों से मावा मिठाई के एक-एक नमूने जांच के लिए लिए गए। रिद्धि सिद्धि स्वीट्स से करीब 25 किलो अखाद्य सामग्री भी नष्ट करवाई गई।

जांच के दौरान चारों प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा से जुड़ी कमियां मिलने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 32 के तहत सुधार नोटिस जारी किए जाएंगे। इन नोटिस के जरिए प्रतिष्ठानों को कमियां दूर करने और खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन करने के निर्देश दिए जाएंगे।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने सभी खाद्य कारोबारियों से अपील की है कि वे खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण और बिक्री के दौरान साफ-सफाई एवं सुरक्षा का पूरा ध्यान रखें। आमजन को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए विभाग की जांच और कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

रेलवे ट्रैक पर ब्लास्ट, पैसेंजर ट्रेन गुजरने के 45 मिनट बाद धमाका

200 मीटर दूर तक सुनाई दी आवाज; 4 ट्रेनें रद्द



श्रीगंगानगर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सीमावर्ती जिले श्रीगंगानगर में रेलवे ट्रैक पर जोरदार धमाका हुआ। अनूपगढ़-सूरतगढ़ रेललाइन पर 50 जीबी गांव के पास हुए विस्फोट से पटरी के नीचे लगे सीमेंट के दो स्लीपर पूरी तरह टूट गए। धमाके से रेलवे ट्रैक के बीच करीब दो फीट गहरा गड्ढा बन गया। इसकी आवाज लगभग 200 मीटर दूर तक सुनाई दी।

राहत की बात यह रही कि धमाके से करीब 45 मिनट पहले ही इसी ट्रैक से पैसेंजर ट्रेन गुजर चुकी थी। घटना के बाद रेलवे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। एहतियात के तौर पर चार ट्रेनों को रद्द करना पड़ा। पुलिस, एटीएस, आईबी और सीआईडी की टीमें मामले की जांच कर रही हैं।

पुलिस के अनुसार, अनूपगढ़ जंक्शन से सूरतगढ़ की ओर पैसेंजर ट्रेन रवाना हुई थी। यह ट्रेन रात करीब 9 बजे 50 जीबी गांव के पास से गुजरी। इसके लगभग 45 मिनट बाद रात 9:45 बजे रेलवे ट्रैक पर जोरदार धमाका हुआ। धमाके की आवाज सुनकर आसपास की ढाणियों में रहने वाले लोग घरों से बाहर निकल आए। करीब 200 मीटर दूर रहने वाले ग्रामीण रेलवे लाइन की तरफ पहुंचे। वहां पहुंचने पर उन्होंने ट्रैक के नीचे लगे स्लीपर टूटे हुए देखे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी रात करीब 11 बजे मौके पर पहुंचे।

विस्फोट की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि रेलवे ट्रैक को काफी नुकसान पहुंचा। पटरी के नीचे लगे सीमेंट के दो स्लीपर टूट गए। पटरी और स्लीपर को जोड़ने वाले लॉक भी क्षतिग्रस्त हो गए। घटनास्थल पर करीब दो फीट गहरा गड्ढा बन गया।

सरपंच चुनाव में गायब हुए 150 बैलेट पेपर

जोधपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। भावी ग्राम पंचायत के सरपंच चुनाव में 150 बैलेट पेपर चोरी के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया कि सरपंच प्रत्याशी के पुत्र एवं छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष सुनील चौधरी ने दो मतदान अधिकारियों के साथ मिलकर बैलेट पेपर चोरी की साजिश रची थी। चोरी के बाद हंगामा होने पर सहायक मतदान अधिकारी ने सुनील को वॉट्सऐप कॉल कर बैलेट पेपर वापस मंगवाए थे। निलंबित मतदान अधिकारी एवं स्कूल व्याख्याता जगदीश सारण और सहायक मतदान अधिकारी एवं कृषि पर्यवेक्षक सहीराम बिश्नोई से पूछताछ में यह खुलासा हुआ।

पुलिस ने मामले में कुछ अन्य लोगों को भी नामजद किया है। वृत्ताधिकारी (बिलाड़ा) मनीष देव ने बताया कि दोनों मतदान अधिकारियों को 1 नवंबर को गिरफ्तार कर दो-दो दिन के रिमांड पर लिया गया था। रिमांड अवधि पूरी होने पर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार पंचायत चुनाव के लिए मतदान अधिकारी और कर्मचारी 27 अक्टूबर को भावी पहुंच गए थे। 30 अक्टूबर को मतदान होना था। इससे एक दिन पहले सरपंच प्रत्याशी सोहनीदेवी के पुत्र सुनील ने मतदान कार्मिकों से संपर्क किया और बैलेट पेपर चोरी की साजिश रची गई। इसमें रुपए के लेन-देन की भी जांच की जा रही है।

30 अक्टूबर को 150 बैलेट पेपर चोरी होने का पता लगते ही ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया था। मामला बढ़ता देख कृषि पर्यवेक्षक सहीराम ने सुनील को वॉट्सऐप कॉल कर बैलेट पेपर वापस मंगवाए। इन बैलेट पेपर पर सुनील की मां के नाम और चुनाव चिह्न के सामने मुहर लगी हुई थी। पुलिस ने दोनों मतदान अधिकारियों के साथ सुनील का मोबाइल भी जब्त किया है। वॉट्सऐप कॉल की डिलीट की गई डिटेल रिकवर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बैलेट पेपर चोरी के बाद भावी ग्राम पंचायत का सरपंच चुनाव निरस्त कर दिया गया था। 2 नवंबर को पुनर्मतदान की घोषणा की गई थी, लेकिन 1 नवंबर को बिलाड़ा थाने पर पथराव, लाठीचार्ज, तोड़फोड़ और आंसू गैस के गोले छोड़े जाने के बाद गांव में तनाव के चलते पुनर्मतदान स्थगित कर दिया गया। फिलहाल गांव में शांति है, लेकिन पुनर्मतदान की तारीख घोषित नहीं हुई है।

भीषण सड़क हादसा, ट्रक ने बाइक सवार युवकों को कुचला, 3 दोस्तों की मौके पर ही मौत



सिरोही, 4 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सिरोही जिले में भीषण सड़क हादसे में तीन दोस्तों की दर्दनाक मौत हो गई। आबूरोड के मावल गांव के पास नेशनल हाईवे-27 पर तेज रफ्तार ट्रक और बाइक की जबरदस्त भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीनों युवकों को संभलने तक का मौका नहीं मिला और घटनास्थल पर ही तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

तीनों दोस्त बाइक पर सवार होकर वासड़ा से आबूरोड की तरफ आ रहे थे। इसी दौरान मावल गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही रीको थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। इसके बाद पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना भिजवाई। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किए जांएगे। रीको थानाधिकारी लक्ष्मण सिंह चंपावत के अनुसार मृतकों की पहचान माउंट आबू के देलवाड़ा निवासी शंकर, काछोली निवासी प्रकाश और आबूरोड ब्लॉक की सांतपुर पंचायत के चामुंडाफली निवासी दिनेश के रूप में हुई है। तीनों दोस्त बाइक पर सवार होकर वासड़ा से आबूरोड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान हादसा हो गया।

शादीशुदा जोड़े को जेल भेजने की धमकी देकर मांगी थी रिश्वत

तत्कालीन एसएचओ को जेल में गुजारने पड़ेंगे 4 साल

अलवर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। शादीशुदा जोड़े को जेल भेजने की धमकी देकर एक लाख रुपए की रिश्वत मांगने के छह साल पुराने मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) कोर्ट ने सख्त फैसला सुनाया है। अदालत ने नारायणपुर थाने क तत्कालीन थानाधिकारी जितेंद्र कुमार और रिश्वत मांगने में बिचौलिए की भूमिका निभाने वाले बलवीर सिंह यादव को दोषी मानते हुए 4-4 साल के कारावास की सजा सुनाई है। दोनों पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। एसीबी कोर्ट की जज अनु चौधरी ने यह फैसला सुनाया। मामला वर्ष 2020 का है।

परिवादी कृष्ण कुमार के मौसेरे भाई संदीप ने सोनाली गंगावत से शादी की थी। इसके बाद सोनाली के पिता ने बेटी को भगा ले जाने की शिकायत नारायणपुर थाने में दर्ज कराई। पुलिस दोनों को थाने ले आई। 8 जनवरी 2020 को कृष्ण कुमार थाने पहुंचे और तत्कालीन थानाधिकारी जितेंद्र कुमार को संदीप और सोनाली की शादी के वैध दस्तावेज दिखाए। आरोप है कि थानाधिकारी ने उनकी बात सुनने के बजाय संदीप को जेल भेजने की धमकी दी।

आरोप के अनुसार, थानाधिकारी ने दलाल बलवीर सिंह यादव के माध्यम से एक लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। यह राशि संदीप और सोनाली के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने तथा मामले में राहत देने के एवज में मांगी गई थी। परिवादी को रिश्वत की रकम बलवीर यादव को देने के लिए कहा गया था।

परिवादी की शिकायत पर एसीबी ने मामले की जांच की। जांच में आरोप सही मिलने के बाद अदालत में चालान पेश किया गया। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की बहस और उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद अदालत ने तत्कालीन थानाधिकारी जितेंद्र कुमार और दलाल बलवीर सिंह यादव को दोषी ठहराते हुए दोनों को चार-चार साल की जेल और 10-10 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई।

पंचायत चुनाव में मिठाई के डिब्बों में रुपये बांटने का आरोप, गांव में मचा हंगामा; पुलिस ने वैन जब्त की

अजमेर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। केकड़ी के थांवला गांव में मतदान के दौरान मिठाई के डिब्बों में रुपये बांटने के आरोप पर हंगामा हुआ। पुलिस ने अंकित सोनी के नाम वाले डिब्बों से भरी वैन जब्त की, लेकिन तलाशी में नकदी नहीं मिली।

केकड़ी के समीपवर्ती ग्राम पंचायत थांवला (देवली) में एक संभावित सरपंच प्रत्याशी के समर्थकों पर मिठाई के डिब्बों के साथ रुपये बांटने के आरोप को लेकर हंगामा हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मिठाई के डिब्बों से भरी वैन को जब्त कर थाने ले गई। डिब्बों पर सरपंच पद के संभावित प्रत्याशी अंकित सोनी का नाम और फोटो छपा हुआ था। हालांकि, पुलिस की तलाशी में मिठाई तो मिली, लेकिन नकदी बरामद नहीं हुई। थांवला (देवली) गांव में पंचायत समिति और जिला परिषद सदस्यों के चुनाव के लिए मतदान चल रहा था। इसी दौरान सरपंच पद के एक संभावित प्रत्याशी के समर्थकों पर आरोप लगा कि वे मिठाई के डिब्बों में मिठाई के साथ रुपये बांट रहे हैं। इस पर ग्रामीणों ने आपत्ति जताई और हंगामा शुरू हो गया। विवादित मिठाई के डिब्बों पर सरपंच पद के संभावित प्रत्याशी अंकित सोनी का नाम और फोटो छपा हुआ था। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

नासिरदा थाना पुलिस के अनुसार, थांवला गांव में हंगामे की सूचना मिली थी। ग्रामीणों ने एक वाहन में रखे मिठाई के डिब्बों के जरिए रुपये बांटने का आरोप लगाया था। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और वाहन को जब्त कर थाने ले आई।

हाईकोर्ट का फर्जी जमानत आदेश दिखाकर जेल से छूटा आरोपी फरार, दो संदिग्ध आदेशों की जांच शुरू

जयपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर एक आरोपी को नियमित जमानत देने से जुड़े दो संदिग्ध न्यायिक आदेश सामने आने के बाद प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है। दोनों आदेशों के रजिस्ट्रेशन नंबर और अन्य जानकारियों में अंतर मिलने से उनकी प्रामाणिकता पर सवाल खड़े हुए हैं। हाईकोर्ट प्रशासन ने न्यायिक शाखा से रिपोर्ट मांगी है कि ये आदेश वेबसाइट पर कैसे अपलोड हुए। मामला पंजाब निवासी 53 वर्षीय कलविंदर सिंह पानेसर से जुड़ा है। उसे श्रीगंगानगर जिले में 8.061 किलो अफीम की कथित बरामदगी के मामले में गिरफ्तार किया गया था। राजियासर थाने में उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 8/18, 25 और 29 के तहत मामला दर्ज है।

इस प्रकरण में 15 अक्टूबर और 26 अक्टूबर 2026 की तारीख वाले दो आदेश सामने आए हैं। 26 अक्टूबर के कथित आदेश में जस्टिस चंद्रशेखर शर्मा का नाम है। इसमें पानेसर की नियमित जमानत अर्जी मंजूर करने और उसकी अंतरिम जमानत को नियमित जमानत में बदलने की बात कही गई है। वहीं, 15 अक्टूबर के दूसरे कथित आदेश में नियमित जमानत अर्जी को वकील की ओर से पैरवी नहीं किए जाने के आधार पर निस्तारित बताया गया है।

पानेसर की ओर से 6 मई को अंतरिम जमानत की पैरवी करने वाले अधिवक्ता कैलाश खिलेरिया ने बताया कि उन्होंने बाद में नियमित जमानत की अर्जी भी लगाई थी, ताकि 30 दिन की अंतरिम जमानत अवधि पूरी होने के बाद उस पर सुनवाई हो सके। लेकिन अंतरिम जमानत की अवधि खत्म होने के बाद पानेसर ने सरेंडर नहीं किया।

ऑनलाइन गेमिंग की आड़ में सट्टेबाजी का खुलासा

सात आरोपी गिरफ्तार; 50 से ज्यादा बैंक खाते ब्लॉक

जयपुर, 4 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में ऑनलाइन गेमिंग की आड़ में चल रहे अवैध सट्टेबाजी के नेटवर्क का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मुख्यालय के 'म्यूल हंटर' अभियान के तहत की गई कार्रवाई में करोड़ों रुपये के संदिग्ध वित्तीय लेन-देन का खुलासा हुआ है। पुलिस ने नेटवर्क से जुड़े 50 से अधिक बैंक खाते और 35 से ज्यादा यूपीआई आईडी की पहचान कर उन्हें ब्लॉक करवा दिया है। इसके अलावा विभिन्न बैंक खातों में जमा करीब पांच लाख रुपये की राशि फ्रीज कराई गई है। आरोपियों के 3,200 यूएसडीटी वाले क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट को भी ब्लॉक करवाया गया है। इसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 3.50 लाख रुपये बताई जा रही है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि गिरोह के आरोपी खुद अलग-अलग ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी की वेबसाइटों के पैनल खरीदकर उनका संचालन कर रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक मास्टर आईडी भी बरामद की है। इसी के माध्यम से पूरा ऑनलाइन सट्टेबाजी नेटवर्क संचालित किया जा रहा था। आरोपी अलग-अलग ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म के जरिए आम लोगों को सट्टा खिलवाते थे। इस खेल में शामिल होने वाले ज्यादातर लोगों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था। सट्टेबाजी से मिलने वाली रकम के लेन-देन के लिए आरोपी बैंक खातों, यूपीआई आईडी और यूएसडीटी क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट का इस्तेमाल करते थे।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 19 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप और 20 सिम कार्ड भी जब्त किए हैं। पुलिस अब इन उपकरणों और डिजिटल माध्यमों के जरिए गिरोह के कामकाज से जुड़ी जानकारियां जुटा रही है।

स्कूल यूनिफॉर्म की गुणवत्ता पर विद्यार्थियों से ली जाएगी राय : रेवंत रेड्डी

रंग और डिजाइन को आकर्षक बनाने पर विशेष जोर



हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जाने वाली स्कूल यूनिफॉर्म की गुणवत्ता को लेकर उनसे सीधे प्रतिक्रिया प्राप्त की जाए। उन्होंने कहा कि यूनिफॉर्म के रंग और डिजाइन आकर्षक होने चाहिए तथा विद्यार्थियों की बहुमत की पसंद को ध्यान में रखते हुए इन्हें अंतिम रूप दिया जाए। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को सरकारी छात्रावासों, स्कूलों और आवासीय शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म एवं अन्य आवश्यक सामग्री के वितरण की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पहले की तुलना में इस बार यूनिफॉर्म की गुणवत्ता बेहतर होनी चाहिए। इसके रंग और डिजाइन भी आकर्षक रखे जाएं। इसके लिए विद्यार्थियों से उनकी पसंद और सुझाव लेकर निर्णय किया जाए। समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म के साथ टाई, बेल्ट, पहचान पत्र, जूते, मोजे, प्लेट, गिलास, कटोरे, चटाई और स्कूल बैग सहित अन्य सामग्री का वितरण लगभग पूरा हो चुका है। कुछ संस्थाओं के जिम्मे मौजूद सामग्री का वितरण 95 प्रतिशत तक पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री ने शेष सामग्री का वितरण भी जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने अगले शैक्षणिक वर्ष से विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म और अन्य सामग्री समय पर उपलब्ध कराने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि सामग्री की सूची तैयार करने, निविदा प्रक्रिया पूरी करने, खरीद और आपूर्ति से लेकर वितरण तक सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश देते हुए कहा कि स्कूल दोबारा खुलने के पहले दिन यानी एक जून को ही सभी विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म और आवश्यक सामग्री उपलब्ध होनी चाहिए। बैठक में सांसद वेम नरेंद्र रेड्डी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव एन. श्रीधर, कल्याण विभाग के विशेष मुख्य सचिव सब्यसाची घोष, जनजातीय एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के प्रधान सचिव राहुल बोज्जा सहित शफीउल्लाह, बाला मायादेवी, विजयेंद्र बोयी, दिव्या देवराajan, जी. रवि, बी. सैदुलु, बी.एम. संतोष, नवीन निकोलस और सीता लक्ष्मी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शराब पीकर वाहन चलाने के मामले में 9 लोगों को जेल

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत मेडचल यातायात पुलिस थाना क्षेत्र में शराब पीकर वाहन चलाने (ड्रंक एंड ड्राइव) के मामलों में अदालत ने 9 लोगों को जेल की सजा सुनाई है। मेडचल स्थित प्रधान कनिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं सातवें अतिरिक्त न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट की अदालत में 4 नवंबर को ऐसे कुल 21 मामलों का निपटारा किया गया। इनमें बार-बार शराब पीकर वाहन चलाने के दोषी पाए गए 9 लोगों को जेल की सजा सुनाने के साथ कुल 30,100 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। सजा पाने वालों में एक व्यक्ति को 3 दिन, 5 लोगों को 5 दिन, एक व्यक्ति को 7 दिन और 2 लोगों को 10 दिन की जेल की सजा सुनाई गई। इस अवसर पर मेडचल यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की कि शराब पीकर वाहन न चलाएं। ऐसा करने से न केवल उनकी अपनी जान, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ती है। पुलिस ने सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने और बिना वाहन चालन अनुज्ञप्ति के गाड़ी नहीं चलाने की हिदायत दी।

धनतेरस–दीपावली पर शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स की भव्य 100% धमाका सेल

22 कैरेट 916 हॉलमार्क सोने के आभूषण शुद्ध सोने के भाव पर खरीदने का सुनहरा अवसर

सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट, लाइटवेट एवं आकर्षक ज्वेलरी की विशाल रेंज बनी ग्राहकों के लिए विशेष आकर्षण



हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। धनतेरस एवं दीपावली पर प्रतिष्ठित आभूषण प्रतिष्ठान शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स, सोमाजीगुड़ा द्वारा ग्राहकों के लिए विशेष 100% धमाका सेल का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष सेल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ग्राहकों को 22 कैरेट 916 हॉलमार्क सोने के आभूषण शुद्ध सोने के भाव पर खरीदने का शानदार अवसर मिल रहा है।

वर्तमान समय में सोने एवं चांदी की कीमतों में आई उल्लेखनीय गिरावट ने आभूषण खरीदने वालों के लिए एक बेहतरीन अवसर पैदा किया है। सोने की कीमत लगभग 19,300 प्रति ग्राम के उच्चतम स्तर से घटकर करीब 13,900 प्रति ग्राम के स्तर तक आ गई थी। वहीं चांदी की कीमत भी लगभग 4,20,000 प्रति किलो के उच्चतम स्तर से घटकर 1,79,000 प्रति किलो से नीचे आ गई है। कीमतों में इस गिरावट और विशेष धमाका सेल का लाभ एक साथ मिलना ग्राहकों के लिए वास्तव में एक स्वर्णिम अवसर है।

गुणवत्ता और विश्वसनीयता की पांच दशकों से अधिक की परंपरा

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स पिछले 50 वर्षों से अधिक समय से अपनी उत्कृष्ट गुणवत्ता, शुद्धता, पारदर्शी व्यवहार और ग्राहक विश्वास के लिए विशेष पहचान रखता है। प्रतिष्ठान में उपलब्ध आभूषणों की गुणवत्ता, बारीक कारीगरी और फिनिशिंग पर विशेष ध्यान दिया जाता है। 916 हॉलमार्क ज्वेलरी के माध्यम से ग्राहकों को भरोसेमंद खरीदारी का अनुभव प्रदान करना प्रतिष्ठान की प्राथमिकता रही है।

लाइटवेट ज्वेलरी का शानदार एवं विशाल कलेक्शन

आज के बदलते फैशन और ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए प्रतिष्ठान में हल्के वजन की खूबसूरत एवं आकर्षक ज्वेलरी का विशेष संग्रह उपलब्ध है। कम वजन में शानदार डिजाइन, बारीक कारीगरी और बेहतरीन फिनिशिंग के साथ ऐसी ज्वेलरी प्रस्तुत की गई है, जिसे ग्राहक रोजमर्रा के उपयोग से लेकर शादी-विवाह एवं विशेष समारोहों तक पहन सकते हैं।

इसके अतिरिक्त पारंपरिक राजस्थानी, गुजराती एवं उत्तर भारतीय डिजाइनों के साथ कुंदन, पोल्की, एंटीक, डायमंड एवं आधुनिक डिजाइनर ज्वेलरी की विशाल रेंज भी उपलब्ध है। 20,000 से अधिक आकर्षक डिजाइनों के साथ प्रतिष्ठान ग्राहकों को उनकी पसंद, बजट और अवसर के अनुरूप बेहतरीन विकल्प प्रदान करता है।

प्रतिष्ठान प्रबंधन के अनुसार, हमारा उद्देश्य केवल आभूषणों की बिक्री करना नहीं, बल्कि ग्राहकों को शुद्धता, उत्कृष्ट गुणवत्ता, उचित मूल्य और विश्वास के साथ खरीदारी का अनुभव प्रदान करना है। सोने-चांदी की कीमतों में आई गिरावट और 100% धमाका सेल का विशेष लाभ एक साथ मिलना ग्राहकों के लिए वास्तव में एक स्वर्णिम अवसर है।

इस धनतेरस एवं दीपावली पर सभी ग्राहकों से आग्रह है कि वे इस विशेष अवसर का भरपूर लाभ उठाएं, क्योंकि ऐसे सुनहरे मौके बार-बार नहीं आते। इस स्वर्णिम अवसर को चूकें नहीं!

केंद्र ने तेलंगाना में 3,892 करोड़ रुपये की 5 शहरी परियोजनाओं को दी मंजूरी

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार ने शहरी चुनौती कोष के तहत तेलंगाना में 3,892.38 करोड़ रुपये की लागत वाली 5 प्रमुख शहरी अवसंरचना परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनके लिए 873.49 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता स्वीकृत की गई है। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय की राष्ट्रीय शीर्ष समिति की 3 नवंबर को हुई बैठक में ये मंजूरियां दी गईं। इन परियोजनाओं में हैदराबाद महानगर क्षेत्र में गोदावरी पेयजल आपूर्ति, वारंगल में बाढ़ प्रबंधन और ऐतिहासिक धरोहर संरक्षण, हनमकोंडा में वाणिज्यिक अवसंरचना विकास तथा आलमपुर में मंदिर नगर का पुनर्विकास शामिल है। हैदराबाद महानगर जल आपूर्ति एवं मलजल बोर्ड द्वारा कार्यान्वित गोदावरी पेयजल परियोजना के दूसरे और तीसरे चरण में 120 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इसके अलावा 120 और 70 एमएलडी क्षमता वाले 2 जल शोधन संयंत्र बनाए जाएंगे तथा 102.5 मिलियन लीटर भंडारण क्षमता विकसित की जाएगी। इससे 2035 तक लगभग 174 लाख लोगों की पेयजल जरूरतें पूरी होने की उम्मीद है। परियोजना दिसंबर 2027 तक पूरी करने का लक्ष्य है। वारंगल में बाढ़ नियंत्रण परियोजना के तहत नालों का निर्माण, 10 प्रमुख तालाबों का जीर्णोद्धार और प्राकृतिक जल संरक्षण उपाय किए जाएंगे।

किसानों की मौजूदगी में किया जाए भूमि का पुनर्सर्वेक्षण : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राजस्व, आवास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों को राज्यभर में व्यापक भूमि पुनर्सर्वेक्षण किसानों की मौजूदगी में कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों के हितों की रक्षा करना और भूमि संबंधी विवादों का स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है। मंत्री ने तहसीलदारों को पुनर्सर्वेक्षण वाले गांवों का प्रतिदिन दौरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राजस्व मंडल अधिकारियों, अतिरिक्त जिलाधीशों और जिलाधीशों को भी इस कार्य की निगरानी करनी चाहिए तथा सप्ताह में कम से कम एक बार गांवों का दौरा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार अगले वर्ष तक राज्यभर में भूमि के प्रत्येक हिस्से का व्यापक सर्वेक्षण पूरा करना चाहती है, ताकि सभी भूस्वामियों को सुरक्षित और विवादरहित भूमि स्वामित्व उपलब्ध कराया जा सके। सरकार प्रत्येक किसान को प्रमाणिक भूमि अभिलेख और पासबुक देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो भूमि स्वामित्व के पहचान दस्तावेज के रूप में काम करेंगे। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बुधवार को रंगा रेड्डी जिले के प्रभारी मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू के साथ मेडचल-मल्काजगिरि जिलाधीश कार्यालय में व्यापक समीक्षा बैठक की। इसमें अविभाजित रंगा रेड्डी जिले से संबंधित भूमि सर्वेक्षण, राजस्व प्रशासन, स्टांप एवं पंजीकरण तथा आवास से जुड़े मुद्दों की समीक्षा की गई।

एमएलसी ने जीओ 14 को रद्द करने की मांग की, बीसी आंदोलन की चेतावनी दी

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण कुमार ने कांग्रेस सरकार द्वारा जारी जीओ एमएस संख्या 14 को तत्काल वापस लेने की मांग की है, उनका आरोप है कि यह तेलंगाना में पिछड़े वर्गों (बीसी) के स्वशासन और आत्मसम्मान को कमजोर करता है। बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर को लिखे एक पत्र में, श्रवण ने बीसी आत्मा गौरव भवनलु के प्रबंधन को अपने हाथ में लेने के सरकार के फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई, जो पहले संबंधित जाति-आधारित ट्रस्ट समितियों को सौंपा गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी आदेश ब्रिटिश कोलंबिया समुदायों के प्रबंधन अधिकारों को छीन लेता है, क्योंकि यह भवनों को सरकारी अधिकारियों और मंत्रीय नामित व्यक्तियों के अधीन कर देता है, जिससे सामुदायिक प्रतिनिधि केवल कार्यवाहक बनकर रह जाते हैं। श्रावण ने पिछली बीआरएस सरकार द्वारा लगभग 4,000 करोड़ रुपये मूल्य की 87 एकड़ भूमि के आवंटन और भवनों के लिए 95.25 करोड़ रुपये आवंटित करने का जिक्र करते हुए कांग्रेस सरकार पर बीसी स्वशासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई पहल को पलटने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस कामारेड्डी बीसी घोषणा के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने में विफल रही है और अब सामुदायिक संस्थानों की स्वायत्तता में हस्तक्षेप कर रही है। सरकारी आदेश की संवैधानिक वैधता पर सवाल उठाते हुए, श्रावण ने तर्क दिया कि बिना पूर्व सूचना के समितियों को भंग करना, सामुदायिक आवाजों को प्रतिबंधित करना और इमारतों पर निगरानी रखना संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 21 और 300ए का उल्लंघन है। उन्होंने सरकार से सरकारी आदेश संख्या 14 को रद्द करने, निर्माण और रखरखाव की जिम्मेदारियों को पंजीकृत जाति ट्रस्टों को वापस सौंपने और निर्धारित समय सीमा के भीतर भवनों को पूरा करने के लिए लंबित धनराशि जारी करने की मांग की। सरकार द्वारा जवाब न दिए जाने पर संघर्ष को और तीव्र करने की चेतावनी देते हुए श्रावण ने कहा कि इस मुद्दे को विधानसभा और विधानसभा दोनों में उठाया जाएगा। उन्होंने ब्रिटिश कोलंबिया समुदायों के अधिकारों की रक्षा के लिए अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालय का रुख करने की भी धमकी दी।

मौजूदा स्कूलों और जूनियर कॉलेजों के लिए अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाणपत्र के नियम सरल

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने राज्य के मौजूदा स्कूलों और जूनियर तथा इंटरमीडिएट कॉलेजों को अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी करने के नियमों को सरल बनाया है। राज्य आपदा प्रतिक्रिया, अग्निशमन सेवा एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के महानिदेशक विक्रम सिंह मान ने बुधवार को नए दिशा-निर्देशों की घोषणा की। नए नियमों का उद्देश्य पुराने भवन निर्माण मानकों के कारण शैक्षणिक संस्थानों को होने वाली व्यावहारिक और संरचनात्मक कठिनाइयों को दूर करना है। इसके साथ ही अग्नि सुरक्षा, जीवन सुरक्षा और आपातकालीन निकासी के मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इस पहल से मौजूदा शैक्षणिक संस्थानों को आवश्यक बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने में मदद मिलेगी।

दक्षिण मध्य रेलवे की महिला बास्केटबॉल टीम ने लगातार चौथे वर्ष जीता स्वर्ण पदक



हैदराबाद, 4 नवबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे की महिला बास्केटबॉल टीम ने 49वीं अखिल भारतीय अंतर-रेलवे बास्केटबॉल चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। यह प्रतियोगिता 30 अक्टूबर से 4 नवंबर 2026 तक सिकंदराबाद स्थित रेलवे खेल परिसर में आयोजित की गई। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि के रूप में विजेता टीम को सम्मानित किया और खिलाड़ियों के परिश्रम, खेल भावना तथा समर्पण की सराहना की। उन्होंने लगातार चौथे वर्ष चैंपियनशिप जीतने पर टीम को बधाई दी।

फाइनल मुकाबले में दक्षिण मध्य रेलवे की टीम ने कई नामी खिलाड़ियों से सजी पूर्वी रेलवे की टीम को पराजित कर खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में कुल 13 टीमों ने हिस्सा लिया, जिन्हें 4 समूहों में बांटा गया था। दक्षिण मध्य रेलवे ने समूह मुकाबलों में उत्तर पश्चिम रेलवे और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को चुनौती दी।

इसके बाद क्वार्टर फाइनल में मध्य रेलवे और सेमीफाइनल में उत्तर रेलवे को हराकर फाइनल में जगह बनाई। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे खेल संघ की अध्यक्ष एवं महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त अरोमा सिंह ठाकुर, महासचिव पी. कोटेश्वर राव, उप मुख्य अभियंता एवं बास्केटबॉल सचिव वाई. श्रीनिवास, विभागाध्यक्ष, हैदराबाद एवं सिकंदराबाद मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक और अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

धूलपेट में 72 ग्राम अफीम के साथ दो व्यक्ति पकड़े गए

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। धूलपेट निषेध एवं आबकारी पुलिस ने धूलपेट में सीतारामबाग मंदिर के पास राजस्थान के दो लोगों को पकड़ा और उनके पास से 72 ग्राम अफीम जब्त की।

पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान पाकाराम देवासी और रमेश चंद्र के रूप में हुई है। वे एक दोपहिया वाहन पर जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें रोका और तलाशी ली। अधिकारियों ने उनके पास से 72 ग्राम अफीम, दोपहिया वाहन और मोबाइल फोन जब्त किए।

दक्षिण मध्य रेलवे मुख्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

हिंदी में सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को किया गया पुरस्कृत



हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे मुख्यालय में बुधवार को मुख्य राजभाषा अधिकारी राजेश पी. खाडे की अध्यक्षता में मुख्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें मुख्यालय के सभी विभागों और उनके अधीनस्थ इकाइयों में राजभाषा कार्यान्वयन से जुड़े कार्यों की देखरेख करने वाले अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य राजभाषा अधिकारी राजेश पी. खाडे ने कहा कि संसदीय राजभाषा समिति कभी भी रेलवे कार्यालयों का निरीक्षण कर सकती है। इसलिए सभी राजभाषा संपर्क अधिकारी अपने-अपने विभागों में हिंदी के कार्यान्वयन की नियमित रूप से समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय रेलवे स्तर पर दक्षिण मध्य रेलवे के राजभाषा विभाग की अच्छी छवि है और इसे बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए। बैठक के प्रारंभ में उप महाप्रबंधक (राजभाषा) एम.के. नागराजु ने अध्यक्ष और सभी सदस्यों का स्वागत किया।

उन्होंने बताया कि मुख्यालय के विभिन्न विभागों और उनके अधीनस्थ इकाइयों में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा करने के उद्देश्य से नियमित रूप से ऐसी बैठकें आयोजित की जाती हैं।

उन्होंने सभी सदस्यों से हिंदी के कार्यान्वयन में सक्रिय सहयोग देने की अपेक्षा की। इसके बाद राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान हिंदी में सराहनीय कार्य करने तथा राजभाषा कार्यान्वयन में सक्रिय योगदान देने वाले दमरे के पीआरओ के. राजेश और आरपीएफ ट्रेनिंग सेंटर मौलाली के वाइस प्रिंसिपल श्रीनिवास समेत कई अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्टणम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें।
Website: www.scr.indianrailways.gov.in

ई-निविदा सूचना सं. जीएनटी/एसजी/36/006, दि.02-11-2026 & ई-निविदा सूचना सं. जीएनटी/एसजी/36/007, दि.02-11-2026 PUB/SCoR/463

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता, गुंटूर डिवीजन द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

आयडी नं.-006, कार्य विवरण: 1) गुंटूर डिवीजन के एमरजेंसी कम्युनिकेशन, एलसी गेट कम्युनिकेशन & इन्टरलाक्ड एलसी गेट्स नेटवर्किंग के आरटीयुज पर, विश्वसनीयता में सुधार के लिए, 1.4 एमएम डाया क्राड केबुल सहित एनडीकेडी-एमसीएलए लेंथी ब्लाक सेक्शन में खराब या डिफेक्टिव क्राड केबुल के प्रतिस्थापन /रिप्लेसमेन्ट के साथ तत्संबंधित दूरसंचार व्यवस्थाएं। 2)गुंटूर डिवीजन पर एस&टी स्टाफ के लिए अत्यावश्यक उपकरण/एस्सेन्शियल इक्वीपमेंट का प्रावधान।
निविदा मूल्य रु.4,39,91,839.02, अग्रधन/बोली सुरक्षा रु.8,79,800.00, निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य।

आयडी नं.-007, कार्य विवरण: 1) गुंटूर डिवीजन के एनडीकेडी स्टेशन पर जलद पानी/क्रीक वाटरिंग फेसिलीटीज के प्रावधान सहित तत्संबंधित दूरसंचार व्यवस्थाएं। 2) गुंटूर डिवीजन के एनडीएल स्टेशन पर जलद पानी/क्रीक वाटरिंग फेसिलीटीज के प्रावधान सहित तत्संबंधित दूरसंचार व्यवस्थाएं। 3) गुंटूर डिवीजन के जीएनटी स्टेशन पर जलद पानी/क्रीक वाटरिंग फेसिलीटीज के प्रावधान सहित तत्संबंधित दूरसंचार व्यवस्थाएं।
4) जीएनटी डिवीजन के डीइएन/पश्चिम/जीएनटी के तहत विविध स्टेशनों पर स्टाफ क्वार्टर्स के लिए प्रस्तावित पानी की सुविधाओं का विकास & ड्रेनेज व्यवस्थाएं
तथा तत्संबंधित दूरसंचार व्यवस्थाएं। जीएनटी डिवीजन के एनडीकेडी, आरएएल & पीजीआरएल में डीइएन/उत्तर/जीएनटी के तहत विभिन्न स्टेशनों पर स्टाफ क्वार्टर्स के लिए प्रस्तावित वाटरिंग फेसिलीटीज का विकास तथा ड्रैनेज व्यवस्थाएं सहित तत्संबंधित दूरसंचार व्यवस्थाएं।
निविदा मूल्य रु.1,24,77,756.24, अग्रधन/बोली सुरक्षा रु.2,49,600.00, निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य।

यदि निविदाएं खोलने की तिथि को तदनंतर छुट्टी घोषित होती हो तो, निविदाओं को उसके अगले कार्य दिवस पर निर्दिष्ट समय पर खोला जायेगा।
ई-बोलियों की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथियां 1) दि.25-11-2026 के 16.00 बजे तक & दि. 25-11-2026 के 16.00 बजे तक। अधिक जानकारी हेतु हमारे वेबसाइट: www.iअeps.gov.in पर लाग आन करें।
अधिक संचार /शुध्दिपत्र को ई-पोर्टल: www.iअeps.gov.in के माध्यम से ही सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल&दूरसंचार अभियंता, गुंटूर

ई-निविदा सूचना सं.-एम258-पीआइएीइ-16, दि.02-11-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/आरबाईपीएस, दक्षिण तट रेलवे, वैगान वर्कशाप, गुंटूपल्ली-521241 द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

कार्य विवरण: वैगान वर्कशाप, गुन्टुपल्ली के परिसरों पर कम्प्रेस्ड एयर आपूर्ति/सप्लाई हेतु न्यूमैटिक पाइपलाइन (अल्युमिनियम) की आपूर्ति, इंस्टाल्लेशन व कमीशनींग करना। मात्रा: निविदा दस्तावेज में विवरितानुसार, कार्य पूरा करने की अवधि: 07 महिने, निविदा मूल्य रु. 1,57,04,496.64 (रु. एक करोड सत्तावन लाख चार हजार चारसौ छियानवे व चौंसठ पैसे मात्र), जमा किया जानेवाला अग्रधन रु.3,14,100.00 (रु.तीन लाख चौदह हजार एकसौ मात्र), निविदा दस्तावेज मूल्य रु शून्य, प्रस्ताव की वैधता: निविदा बंद करने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा का प्रकार: संबध्द आईआरजीसीसी-2022 द्वारा अधिशासित कार्य निविदा, टेंडरिंग प्रणाली: खुली निविदा-सिंगल पैकेट, निविदा बंद करने की तिथि व समय: 27-11-2026 के 15.00 बजे, निविदा दस्तावेज व शुध्दिपत्र: वेबसाइट:http://www.ireps.gov.in देखें, पत्राचार हेतु डाक का पता: चीफ वर्कशाप मैनेजर, वैगान वर्कशाप, गुन्टुपल्ली-521241, आंध्र प्रदेश।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, वैगान वर्कशाप/गुन्टुपल्ली

ई-निविदा सूचना सं.-इटी-सीआरएफ-डीवायडी एरिया-वीएसकेपी-2026, दि.30-10-2026 PUB/SCoR/465

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण तट रेलवे, वीएसकेपी डिवीजन द्वारा विशाखापत्तनम डिवीजन पर, डिसपैच यार्ड (डीवाईडी) एरिया (रेलवे भूमि-क्षेत्र डीवाईडी-1-10.569 एकड, डीवाईडी -2-6.058 एकड, डीवाईडी3-2.663 एकड, कुल 19.29 एकड) अर्थात् 78063.85 स्क्वे.मीटर्स, वीजेडपी (पोर्ट साइडिंग्स) के समीप, मारीपालेम पर, निजी निवेश के माध्यम से कार्गो संबंधित सुविधाओं (सीआरएफ) के विकास व संचालन हेतु 25 (पच्चीस) वर्ष की अवधि के लिए योग्य कंपनियों/फर्मो से आईआरईपीएसwww.iअeps.gov.in के वर्क्स मोड्यूल द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। तत्संबंधित ई-नीलामी शेड्यूल नीचे दिया गया है:

कार्य विवरण: रेलवे बोर्डस मास्टर सर्कुलर, 2026 संबध्द शेड्यूल-3, गति शक्ति मल्टि-मोडल कार्गो टर्मिनल्स (जीसीटी) के विकास के माध्यम से रेल आधारित लाजिस्टिक्स व कार्गो संबंधित सुविधाएं(सीआरएफ) के माध्यम से तत्संबंधित के तहत डिसपैच यार्ड (डीवाईडी) एरिया (रेलवे भूमि-क्षेत्र डीवाईडी-1-10.569 एकड, डीवाईडी -2-6.058 एकड, डीवाईडी3-2.663 एकड, कुल 19.29 एकड) अर्थात् 78063.85 स्क्वे.मीटर्स, वीजेडपी (पोर्ट साइडिंग्स) के समीप, मारीपालेम पर, 25 (पच्चीस) वर्ष की अवधि के लिए , निजी निवेश के माध्यम से कार्गो संबंधित सुविधाओं (सीआरएफ) के विकास व संचालन संबंधित कार्य।
विज्ञापित मूल्य रु.65,15,500.00, बोली शुरु /बिड्डींग स्टार्ट तिथि: 09-11-2026, बंद करने की तिथि: 23-11-2026

इस निविदा के प्रति मैन्युएल या हस्तलिखित प्रस्ताव अमान्य हैं तथा इस मामले में किसी भी हस्तलिखित प्रस्तावों की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा। निविदा दस्तावेज का संपूर्ण विवरण वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। कृपया इसपर ध्यान दें तथा ई-निविदा में सहभागिता हेतु तदनुसार भाग लें।

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, विशाखापत्तनम
SCoR-A521

निविदा नियम शर्तें /ज्यादा जानकारी & निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स:http://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

सं. सी/एमडी/43/अस्पतालों का एम्पैनलमेंट/2026, दि.03-11-2026 PUB/790

रुचि की अभिव्यक्ति (इओआई)
दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद डिवीजन के विभिन्न स्थानों पर अस्पतालों की एम्पैनलमेंट हेतु रुचि की अभिव्यक्ति

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे -दमरे, सिकंदराबाद-500020 द्वारा निम्नलिखित सिकंदराबाद डिवीजन के तत्संबंधित स्थानों पर स्थित प्रख्यात निजी अस्पतालों से सीजीएचएस दरों पर, रेलवे लाभार्थियों के प्रति रेफर्रल हास्पिटल्स के रुप में सूचीबध्दता/एम्पैनलमेंट हेतु रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित हैं।
सूचीबध्दता/एम्पैनलमेंट हेतु प्रस्तावित स्थान:

1. रायचूर (आरसी)	**2. सेडम (एसइएम)**	**3. विकाराबाद (वीकेबी)**
4. बिदर (बीआयडीआर)	**5. तांडूर (टीडीयु)**	**6. यादगिर (वाईजी)**
7. नलगोण्डा (एनएलजी)	**8. भद्राचलम रोड (बीडीसीआर)**	**9. करीमनगर (केआरएमआर)**
10. बीबीनगर (बीएन)	**11. महबूबाबाद (एमएबीडी)**	**12. बेल्लमपल्ली (बीपीए)**
13. रामगुण्डम (आरडीएम)		

इच्छुक & अर्हक अस्पतालों /स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा निर्धारित जानकारी & समर्थित दस्तावेजों सहित अपने रुचि की अभिव्यक्ति (इओआई) को, --- पर अस्पताल की सूचीबध्दता के लिए रुचि की अभिव्यक्ति/ इओआई अंकित कर, जिस स्थान के लिए एम्पैनलमेंट चाहिए, को सूचित कर, निम्नलिखित अधोहस्ताक्षरी कार्यालय के पते पर **दि.04-12-2026 के 11.00 बजे** या इससे पहले प्रस्तुत करें। जहां कहीं भी आवेदक एक से अधिक स्थान के लिए एम्पैनलमेंट चाहते हैं तो, प्रत्येक स्थान के लिए अलग अलग रुचि की अभिव्यक्ति या इओआई प्रस्तुत करना चाहिए।
विस्तृत इओआई दस्तावेज, योग्यता मानदंड, सेवाओं का दायरा, लागू दरें, नियम व शर्तें तथा अन्य समुचित जानकारी, दमरे की आधिकारिक वेबसाइट: www.scr.indianrailways.gov.in से प्राप्त /डाउनलोड कर सकते हैं।
आवेदन प्रस्तुत करने का पता: मुख्य चिकित्सा अधीक्षक का कार्यालय, सिकंदराबाद डिवीजन, चिलकलगुडा, मेट्रो पिल्लर नं.1294, सिकंदराबाद, 500020 तेलंगाना।
रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए किसी भी या सभी इओआई/रुचि की अभिव्यक्तियों को स्वीकार या अस्वीकार करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, सिकंदराबाद
A908

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com

भारत ने न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हराया

पहले वनडे में कोहली ने 74 रन बनाए; अर्शदीप सिंह ने 4 विकेट लिए





ऑकलैंड, 4 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम इंडिया 5 मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे हो गई है।

ऑकलैंड के ईडन पार्क में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। अर्शदीप सिंह के 4 विकेट की बदौलत न्यूजीलैंड की टीम 40.2 ओवर में 185 रन पर ऑलआउट हो गई। गुरनूर बरार ने भी 3 विकेट लिए।

बारिश के कारण भारत को 32 ओवर में 143 रन का रिवाइज्ड टारगेट मिला। टीम ने 22.4 ओवर में 5 विकेट खोकर इसे हासिल कर लिया। विराट कोहली ने 51 गेंदों पर 74 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 13 चौके और 1 छक्का लगाया। कप्तान शुभमन गिल ने 56 गेंदों पर 37 रन बनाए।

विराट कोहली वनडे रन चेज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। कोहली के अब चेज में 8,741 रन हो गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के 8,720 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

प्लेयर ऑफ द मैच अंशुल कंबोज ने कहा कि उनकी रणनीति पिच के बारे में ज्यादा सोचने के बजाय सही लाइन और लेंथ पर लगातार गेंदबाजी करने की थी। अंशुल ने 10 ओवर में महज 22 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्होंने 2 मेडन ओवर भी डाले।

मिचेल स्टार्क टेस्ट के नंबर-1 गेंदबाज बने

दुबई, 4 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने साउथ अफ्रीका के मार्को यान्सन को पीछे छोड़ा। केपटाउन टेस्ट में 9 विकेट लेने से पहले स्टार्क दूसरे नंबर पर थे।

व्हाइट-बॉल क्रिकेट की रैंकिंग में भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। भारत के श्रेयस अय्यर टी-20 इंटरनेशनल बल्लेबाजों की रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी और हारिस रऊफ ने भी वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में सुधार किया है।

स्टार्क ने पहली बार अगस्त में टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया था। तब उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ा था। हालांकि, इसके बाद साउथ अफ्रीका के मार्को यान्सन ने उनकी जगह ले ली थी।

यान्सन ने गकेबरहा टेस्ट में 6 विकेट लेकर पहला स्थान हासिल किया था। हालांकि केपटाउन में उनका प्रदर्शन खास नहीं रहा। उन्होंने सिर्फ 3 विकेट लिए। इसके बाद स्टार्क फिर से शीर्ष पर पहुंच गए।

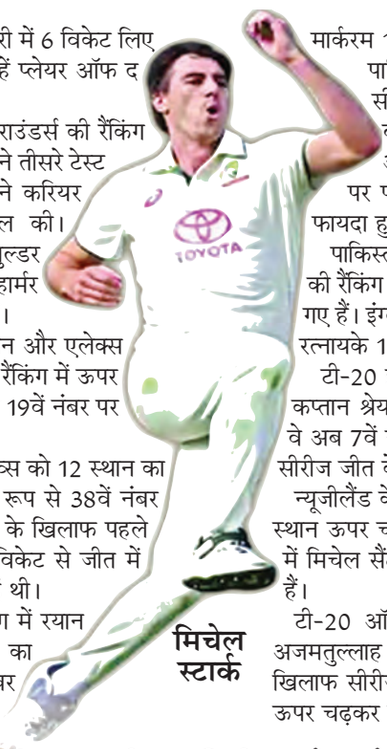
साउथ अफ्रीका के ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में 9 स्थान की छलांग लगाई है। वे 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केपटाउन टेस्ट की दूसरी पारी में 6 विकेट लिए थे। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मार्को जेनसन टेस्ट ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। उन्होंने तीसरे टेस्ट में अर्धशतक लगाकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की। साउथ अफ्रीका के वियान मुल्डर इस कैटेगरी में तीसरे और हार्मर पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के कैमरन ग्रीन और एलेक्स कैरी भी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में ऊपर चढ़े हैं। दोनों संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

वेस्टइंडीज के जस्टिन ग्रीव्स को 12 स्थान का फायदा हुआ है। वे संयुक्त रूप से 38वें नंबर पर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज की 8 विकेट से जीत में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी।

टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में ryan रिकेल्टन को 25 स्थान का फायदा हुआ है। वे 23वें नंबर पर पहुंच गए हैं। एडेन मार्करम 11वें और मुल्डर 17वें नंबर पर हैं।



मिचेल स्टार्क

पाकिस्तान में हाल ही में खेली गई वनडे ट्राई सीरीज के बाद गेंदबाजों की रैंकिंग में भी बदलाव हुआ है। पाकिस्तान के कप्तान शाहीन अफरीदी एक स्थान ऊपर चढ़कर 5वें नंबर पर पहुंच गए हैं। हारिस रऊफ को 5 स्थान का फायदा हुआ है और वे 24वें नंबर पर हैं।

पाकिस्तान के ओपनर फखर जमान वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में 9 स्थान ऊपर चढ़कर 37वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के बेन डकेट छठे और श्रीलंका के पवन रत्नायके 16वें नंबर पर हैं।

टी-20 इंटरनेशनल बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर को दो स्थान का फायदा हुआ है। वे अब 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज जीत के बाद उनकी रैंकिंग में सुधार हुआ।

न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स बल्लेबाजों की रैंकिंग में 13 स्थान ऊपर चढ़कर 24वें नंबर पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजों में मिचेल सैंटनर पांचवें और जैकब डफी 23वें नंबर पर हैं।

टी-20 ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह उमरजई को भी फायदा हुआ है। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद वे तीन स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

प्रसिद्ध कृष्णा फिट घोषित

इंडिया-ए बनाम न्यूजीलैंड-ए टेस्ट खेल सकते हैं

मुंबई, 4 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने फिट घोषित कर दिया है। बेंगलुरु में 1 और 2 नवंबर को हुए मैच सिमुलेशन टेस्ट में सफल रहने के बाद मेडिकल टीम ने उन्हें मैदान पर वापसी की मंजूरी दे दी। अब वे टेस्ट, वनडे और टी-20 तीनों फॉर्मेट खेलने के लिए फिट हैं। वे जल्द न्यूजीलैंड रवाना हो सकते हैं, जहां 7 नवंबर से इंडिया-ए और न्यूजीलैंड-ए के बीच होने वाले तीसरे और आखिरी अनऑफिशियल टेस्ट में खेलने की कोशिश करेंगे।



प्रसिद्ध को 30 सितंबर को वेस्टइंडीज के खिलाफ गुवाहाटी में खेले गए दूसरे वनडे के दौरान चोट लगी थी। वह मैच में सिर्फ 5 ओवर गेंदबाजी कर पाए और फिर मैदान छोड़ना पड़ा। जांच में उनकी हैमस्ट्रिंग में चोट सामने आई थी।

प्रसिद्ध को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच वनडे मैचों की सीरीज के लिए शुरुआती टीम में जगह मिली थी, लेकिन उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर था। चोट से उबरने के बाद भी उन्हें मैच खेलने लायक गेंदबाजी का पूरा अभ्यास हासिल करने के लिए और समय चाहिए था। इसी वजह से उन्हें वनडे सीरीज से बाहर रखा गया।

सिंधु और चानू समेत 10 खिलाड़ी आईओए एथलीट्स कमीशन में

सुधा सिंह और श्रीकांत के हटने से वोटिंग रद्द; 7 नवंबर को चेयरमैन का चुनाव

नई दिल्ली, 4 नवंबर (एजेंसियां)। ओलिंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और मीराबाई चानू समेत 10 खिलाड़ी भारतीय ओलिंपिक संघ के एथलीट्स कमीशन में निर्विरोध चुन लिए गए हैं। रिटर्निंग ऑफिसर संजय के श्रीवास्तव ने सभी 10 सदस्यों के निर्वाचन की घोषणा की। इनमें 5 पुरुष और 5 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। सभी का कार्यकाल 2026 से 2030 तक रहेगा।

पूर्व एथलीट सुधा सिंह ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली थी। इससे पहले बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने भी सोमवार को नामांकन वापस ले लिया था। इसके बाद 10 पदों के लिए 10 ही उम्मीदवार मैदान में बचे। ऐसे में 3 नवंबर को प्रस्तावित मतदान की जरूरत नहीं पड़ी।

इनके अलावा एशियाई ओलंपिक परिषद के एथलीट्स कमीशन के दो भारतीय प्रतिनिधि भी आईओए कमीशन के पदेन सदस्य होंगे। इनमें उपाध्यक्ष शिवा केशवन और हाल ही में नियुक्त राजेश्वरी कुमारी शामिल हैं।

आईओए के चुनाव नियमों के मुताबिक, 10 सदस्यीय एथलीट्स कमीशन में 6 खिलाड़ी ऐसे होने चाहिए, जिन्होंने पिछले तीन ओलंपिक में से कम से कम एक में हिस्सा लिया हो। इनमें 3 पुरुष और 3 महिला खिलाड़ी शामिल हैं।



बाकी 4 सीटें उन खिलाड़ियों के लिए हैं, जिन्होंने पिछले तीन एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स, वर्ल्ड चैंपियनशिप/कप या नेशनल गेम्स में कम से कम एक पदक जीता हो। इस कैटेगरी में 2 पुरुष और 2 महिला खिलाड़ियों को जगह मिलनी है।

16 अक्टूबर को रिटर्निंग ऑफिसर ने एथलीट्स कमीशन के चुनाव के लिए 34 मतदाताओं की सूची जारी की थी। ये प्रतिनिधि 17 राष्ट्रीय खेल महासंघों से चुने गए थे।

हालांकि, सुधा सिंह और किदांबी श्रीकांत के नाम वापस लेने के बाद सभी 10 पदों पर एक-एक उम्मीदवार बचा। रिटर्निंग ऑफिसर ने कहा कि ऐसी स्थिति में चुनाव कराने का कोई औचित्य नहीं था। इसलिए मतदान रद्द कर दिया गया।

मैरी कॉम की अध्यक्षता वाले पिछले एथलीट्स कमीशन में भी सिंधु, मीराबाई और भवानी देवी सदस्य थीं। तीनों इस बार भी कमीशन में जगह बनाने में सफल रहीं।

नए चुने गए सदस्य अब एथलीट्स कमीशन के चेयरमैन और वाइस चेयरमैन का चुनाव करेंगे। दोनों पदों में एक पुरुष और एक महिला का चुना जाना जरूरी है।

चेयरमैन पद के लिए केवल ओलंपिक कैटेगरी के 6 सदस्य ही चुनाव लड़ सकेंगे। वहीं, शिवा केशवन और राजेश्वरी कुमारी समेत कुल 12 सदस्य इन चुनावों में वोट डालेंगे। हालांकि, ओसीए के दोनों प्रतिनिधि इन पदों के लिए उम्मीदवार नहीं बन सकते।

लिविंगस्टोन को ट्रेड करना चाहती है सीएसके

एसआरएच ने अब तक फैसला नहीं लिया
13 करोड़ में खरीदे गए थे इंग्लिश ऑलराउंडर



खेल डेस्क, 4 नवंबर (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियम लिविंगस्टोन को ट्रेड करने की कोशिश में है। सनराइजर्स हैदराबाद ने अभी इस प्रस्ताव पर फैसला नहीं लिया है। इस ट्रेड में एक से ज्यादा फ्रेंचाइजी और खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं। लिविंगस्टोन को सनराइजर्स हैदराबाद ने पिछले ऑक्शन में 13 करोड़ रुपए में खरीदा था। इससे पहले वे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का हिस्सा थे। आरसीबी ने उन्हें मेगा ऑक्शन 2025 में 8.75 करोड़ रुपए में खरीदा था।

लिविंगस्टोन ने पिछले आईपीएल सीजन में हैदराबाद के लिए 2 मैच खेले और सिर्फ 15 रन बना सके। सीएसके की ओर से खलील अहमद को ट्रेड का हिस्सा बनाने की चर्चा भी हुई है। हालांकि, इस जानकारी की पूरी पुष्टि नहीं है। इसकी एक वजह यह भी है कि हैदराबाद ने हाल ही में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज टी नटराजन को अपने साथ जोड़ा है।

लिविंगस्टोन के अलावा सीएसके का एक अन्य खिलाड़ी भी इस बातचीत का हिस्सा है। ट्रेड में एक से ज्यादा खिलाड़ी और फ्रेंचाइजी शामिल हैं। आईपीएल में रिटेंशन की आखिरी तारीख 17 नवंबर है। ऐसे में फ्रेंचाइजी को जल्द ही अपने खिलाड़ियों को लेकर फैसला करना होगा। लिविंगस्टोन के ट्रेड पर भी इस तारीख से पहले स्थिति साफ हो सकती है।

सुरेश रैना ने सीएसके से मांगी कोचिंग की जिम्मेदारी

धोनी के साथ 4 आईपीएल खिताब जीत चुके

चेन्नई, 4 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुरेश रैना ने चेन्नई सुपर किंग्स के कोचिंग स्टाफ से जुड़ने की इच्छा जताई है। उन्होंने फ्रेंचाइजी से कोचिंग में जगह देने की मांग भी की है। हालांकि, अब तक उन्हें इस बारे में कोई जवाब नहीं मिला है।

रैना ने सीएसके में पूर्व साथी रहे रविचंद्रन अश्विन के यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा- 'मैंने अपनी इच्छा बता दी है और अब फैसला सीएसके को करना है। मेरे लिए सबसे अहम बात चेन्नई के साथ रहना और टीम को ट्रॉफी जिताने में मदद करना है।'

रैना को उनके आईपीएल प्रदर्शन के कारण 'मिस्टर आईपीएल' के नाम से जाना जाता है। संन्यास के बाद वे क्रिकेट एक्सपर्ट और कमेंटेटर के तौर पर काम कर रहे हैं।

रैना 2008 के 2021 तक सीएसके से जुड़े रहे। बीच में जब सीएसके 2 साल के लिए सस्पेंड थी, तब 2016 और 2017 के सीजन में उन्होंने नई टीम गुजरात लायंस की कप्तानी की थी।



रैना सीएसके के साथ धोनी की कप्तानी में आईपीएल में 4 खिताब और 2 चैंपियंस लीग खिताब जीते। वे सीएसके के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं।

रैना ने कहा - 'मैं सीएसके के साथ किसी भी भूमिका में काम करना पसंद करूंगा। मेरे लिए सबसे जरूरी है कि मैं खिलाड़ियों के साथ रहूं और वे ट्रॉफियां जीतें। पीला रंग हमारे लिए सब कुछ है।'

उन्होंने आगे कहा- 'मैंने इंटरनेशनल क्रिकेट, आईपीएल और वर्ल्ड कप खेले हैं। सीएसके के लिए काफी रन बनाए। कई फाइनल खेले, कुछ जीते और कुछ हारे। दबाव में मानसिक रूप से अपना बेस्ट देना सीखा। मैं अपना अनुभव खिलाड़ियों के साथ साझा करना चाहता हूं।'

रैना ने कहा- 'अब यह उनकी टीम है और हम दोनों (रैना और अश्विन) अब संन्यास ले चुके हैं।'

आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने कोचिंग स्टाफ में बड़े बदलाव किए। फ्रेंचाइजी ने स्टीफन फ्लेमिंग की जगह पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान को टीम का नया हेड कोच बनाया।

इसके अलावा मोहित शर्मा को गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा गैरेथ बैटी और एल्बी मोर्कल भी असिस्टेंट कोच के रूप में टीम से जुड़े हैं।

स्टीफन फ्लेमिंग 2009 से 2026 तक टीम के हेड कोच रहे। फ्लेमिंग का सीएसके से जुड़ाव 2008 में खिलाड़ी के तौर पर शुरू हुआ था।

पेरिस मास्टर्स: नोवाक जोकोविच ने खराब शुरुआत से उबरकर हासिल की जीत

शेल्टन-फ्रिट्ज भी अगले दौर में पहुंचे



पेरिस, 4 नवंबर (एजेंसियां)। रिकॉर्ड सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में खराब शुरुआत से उबरकर जीत हासिल की। पुरुषों के रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच ने पहले दौर में वैलेंटीन वैचेरोट को 6-7 (5), 7-5, 6-1 से हराया। जोकोविच अपने करियर का 103वां खिताब जीतकर रोजर फेडरर की बराबरी करने की कोशिश कर रहे हैं। रिकॉर्ड जिमी कॉनर्स के नाम है जिन्होंने 109 खिताब जीते हैं।

तीसरी वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन ने कैमरन नॉरी को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया, जबकि 11वीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने बेंजामिन बोंजी पर 3-6, 6-3, 6-4 से जीत दर्ज की। अन्य मैचों में फ्रांस के मोइज कौमे को नूनो बोर्गेस से 6-3, 6-1 से और 2022 के चैंपियन होल्गर रूने को 12वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल से 7-5, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा।

यूथ ओलंपिक में लंचेनबी चानू ने कांस्य पदक जीतकर रचा इतिहास

वुशु में ऐसा करने वाली पहली भारतीय बनीं

डकार (सेनेगल), 4 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय वुशु खिलाड़ी राजकुमारी लंचेनबी चानू ने यहां यूथ ओलंपिक खेलों की महिला चांगक्वान संयुक्त स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह वुशु में इस प्रतियोगिता का पदक हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं।

मणिपुर की रहने वाली चानू ने कुल 18.039 अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। मिस्र की सोंडोस सोनबोल ने 18.660 अंक के साथ स्वर्ण पदक जबकि वेनेजुएला की वालेरिया फ्रैनरीस डुडामेल ने 18.199 अंक के साथ रजत पदक जीता।

भारतीय खिलाड़ी ने चांगक्वान स्पर्धा में 9.316 अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया जबकि गुनशु स्पर्धा में 8.723 अंक के साथ वह तीसरे स्थान पर रहीं। डकार यूथ ओलंपिक में भारत अब तक एक रजत और दो कांस्य पदक जीत चुका है।

इससे पहले सोमवार को यूथ खिलाड़ी खुशबू राजकभाई ने रजत पदक जीतकर



प्रतियोगिता में अपना अभियान समाप्त किया था। वह यूथ ओलंपिक में पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय जुडोका बनी थीं। वहीं तैराकी की उभरती खिलाड़ी धिनिधि देसिंघु ने भी शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए महिला 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया था।

ढाका पहुंचे भारतीय फुटबॉलर्स को होटल में नहीं मिले कमरे

3 घंटे तक भटकते रहे; एसएएफएफ चैंपियनशिप से पहले इंतजामों पर सवाल

ढाका, 4 नवंबर (एजेंसियां)। साउथ एशिया फुटबॉल फेडरेशन चैंपियनशिप में भारतीय फुटबॉल टीम को ढाका के होटल में कमरे नहीं मिले। टीम को गुलशन एवेन्यू स्थित एक निजी होटल में ठहरना था, लेकिन वहां पहुंचने पर पता चला कि उनके लिए कमरे बुक या अलॉट नहीं किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय दल दोपहर करीब 2:15 बजे ढाका पहुंचा था। शाम 5 बजे तक खिलाड़ियों को कमरे नहीं मिल सके थे। रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों के लिए दूसरे होटल में व्यवस्था की गई है। भारत इस टूर्नामेंट का मौजूदा चैंपियन है। टीम ने 2023 में बेंगलुरु में हुए फाइनल में कुवैत को पेनल्टी शूटआउट में हराकर खिताब जीता था। भारत अब तक 9 बार यह टूर्नामेंट जीत चुका है। एसएएफएफ दक्षिण एशिया के देशों का फुटबॉल संगठन है। इसकी चैंपियनशिप में क्षेत्र की राष्ट्रीय टीमें हिस्सा लेती हैं। 2026 का यह 15वां संस्करण है, जो 5 से 17 नवंबर तक ढाका में खेला जाएगा।

एशियन पैरा गेम्स में उपलब्धियों की बरसात: 1538 पदक जीते गए

27 विश्व रिकॉर्ड टूटे

आइची-नागोया, 4 नवंबर (एजेंसियां)। जापान के आइची-नागोया में आयोजित 2026 एशियन पैरा गेम्स का समापन कई ऐतिहासिक उपलब्धियों के साथ हुआ। छह दिनों तक चले इस खेल महाकुंभ में कुल 1538 पदक प्रदान किए गए, जबकि खिलाड़ियों ने 27 विश्व रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। इसके अलावा प्रतियोगिता के दौरान 81 एशियाई रिकॉर्ड और 306 एशियन पैरा गेम्स रिकॉर्ड भी बनाए गए। एशियन पैरा गेम्स के पांचवें संस्करण में 45 देशों की राष्ट्रीय पैरालंपिक समितियों ने हिस्सा लिया। इनमें से 33 देशों ने कम से कम एक पदक अपने नाम किया, जबकि 22 देशों के खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीतने में सफलता हासिल की। पदकों के मामले में इस बार पिछले संस्करण के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन देखने को मिला।



पदक तालिका में चीन ने अपना दबदबा कायम रखते हुए पहला स्थान हासिल किया। चीन ने कुल 435 पदक जीते, जिनमें 207 स्वर्ण, 117 रजत और 111 कांस्य पदक शामिल रहे। मेजबान जापान ने अपने इतिहास का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। जापानी खिलाड़ियों ने 64 स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले जापान का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2018 में इंडोनेशिया में आयोजित एशियन पैरा गेम्स में रहा था, जहां उसने 45 स्वर्ण पदक जीते थे। उज्बेकिस्तान तीसरे स्थान पर रहा, जबकि भारत ने चौथा और दक्षिण कोरिया ने पांचवां स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड प्रदर्शन करते हुए 27 विश्व रिकॉर्ड तोड़े। यह संख्या पिछले संस्करण की तुलना में सात अधिक रही। विश्व रिकॉर्ड बनाने में पैरा एथलेटिक्स के खिलाड़ियों का सबसे बड़ा योगदान रहा, जिन्होंने 11 नए विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किए। इसके अलावा 81 एशियाई रिकॉर्ड भी बनाए गए, जबकि 306 नए एशियन पैरा गेम्स रिकॉर्ड दर्ज हुए। ये दोनों आंकड़े 2022 में हांगझोउ में आयोजित पिछले संस्करण के रिकॉर्ड से अधिक रहे। हांगझोउ में 71 एशियाई रिकॉर्ड और 279 गेम्स रिकॉर्ड बने थे।

इस बार प्रतियोगिता में कुछ देशों के लिए ऐतिहासिक उपलब्धियां भी देखने को मिलीं।

डब्ल्यूपीएल 2027 : वडोदरा और मुंबई में होंगे मैच, 14 जनवरी को शुरू होगा टूर्नामेंट, 7 फरवरी को फाइनल



मुंबई, 4 नवंबर (एजेंसियां)। विमेंस प्रीमियर लीग 2027 का शेड्यूल जारी हो चुका है। यह टूर्नामेंट 14 जनवरी को शुरू होगा और फाइनल 7 फरवरी को खेला जाएगा। इस दौरान 25 दिन में कुल 22 मैच खेले जाएंगे। इनमें से शुरुआती 11 मैच 14 जनवरी से 24 जनवरी के बीच वडोदरा में होंगे। पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पूर्व चैंपियन मुंबई इंडियंस के बीच होगा। इसके बाद बाकी के 11 मैच मुंबई के ब्रेबॉन स्टेडियम में खेले जाएंगे। यहां 26 जनवरी से 3 फरवरी तक लीग स्टेज के मुकाबले होंगे। इसके बाद प्लेऑफ मैच खेले जाएंगे। एलिमिनेटर मैच 5 फरवरी को खेला जाएगा। पॉइंट्स टेबल में दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीमें फाइनल में जगह बनाने के लिए मुकाबला करेंगी। लीग स्टैंडिंग में टॉप पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल मैच के लिए क्वालिफाई करेगी। फाइनल मैच रविवार, 7 फरवरी को ब्रेबोर्न स्टेडियम में होगा। विमेंस प्रीमियर लीग 2027 के सभी 22 मैच शाम 7:30 बजे शुरू होंगे। पांचों फ्रैंचाइजी दो जगहों पर मैच खेलेंगी।

आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप: भारतीय पुरुष टीम ने 50 मी पिस्टल में स्वर्ण, महिला 10 मी एयर राइफल टीम ने रजत जीता

दोहा, 4 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 50 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक और महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा का रजत पदक जीता। भारत के रविंदर सिंह, सौरभ चौधरी और अमनप्रीत सिंह की तिकड़ी ने कुल 1659 अंक से पुरुषों की 50 मीटर पिस्टल स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद इलावेनिल वलारिवान, सोनम उत्तम मास्कर और शांभवी श्रवण क्षीरसागर की तिकड़ी ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में 1894.4 अंक से दूसरा स्थान हासिल किया। भारतीय टीम चीन (1899.8 अंक) से पीछे दूसरे स्थान पर रही, जबकि जापान (1892.6 अंक) से कांस्य पदक जीता।

इलावेनिल 634.2 अंक से भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ रहीं, जबकि सोनम ने 630.2 अंक और शांभवी ने 629.7 अंक जुटाए। इलावेनिल ने क्वालीफिकेशन



दौर में तीसरा स्थान हासिल कर व्यक्तिगत फाइनल में जगह बना ली। उनके पास पदक जीतने और भारत के लिए पहला ओलंपिक कोटा हासिल करने का मौका है। इससे पहले रविंदर ने इस स्पर्धा का व्यक्तिगत रजत पदक भी अपने नाम किया। यह स्पर्धा ओलंपिक प्रतियोगिताओं की सूची में शामिल नहीं है। रविंदर भारत के सबसे अधिक अंक हासिल करने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने कुल 559 अंक प्राप्त किए।

कई बार विश्व कप में स्वर्ण पदक जीत चुके सौरभ ने 551 अंक हासिल किए, जबकि अमनप्रीत सिंह ने 549 अंक बनाए। इस तरह भारतीय टीम ने कुल 1659 अंक हासिल किए। चीन के झांग बिंगचेन, ल्यू जुनयी और फेंग लिनलांग ने कुल 1648 अंक हासिल कर रजत पदक जीता। वहीं दक्षिण कोरिया की होंग सुह्योन, चोए बोरम और सो सेउंग सेओब की टीम ने 1643 अंक के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

रेवंत ने तेलंगाना के विकास एजेंडे के लिए यादव समुदाय का समर्थन मांगा



'सदर सम्मेलन' समारोह में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, बंडारू दत्तात्रय, तेजस्वी यादव व अन्य।

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता) । मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को तेलंगाना सरकार की महत्वाकांक्षी विकास योजनाओं को साकार करने में यादव समुदाय के समर्थन का आह्वान किया, जिनमें मूसी नदी का पुनरुद्धार परियोजना, मेट्रो रेल नेटवर्क का विस्तार और भारत फ्यूचर सिटी का विकास शामिल है।

हैदराबाद में आयोजित 'सदर सम्मेलन' समारोह में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार देश के सबसे युवा राज्य तेलंगाना को देश के सबसे तेजी से विकसित होने वाले राज्यों में से एक में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास तेलंगाना को देश का सबसे विकसित राज्य बनाना है। हम मूसी नदी तट के विकास, मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार और भारत फ्यूचर सिटी की स्थापना की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए यादव समुदाय का सहयोग आवश्यक है। इस अवसर पर यादव समुदाय को बधाई देते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार राजनीतिक और अन्य महत्वपूर्ण पदों पर समुदाय के उचित प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित कर रही है। अनिल कुमार यादव को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया है, जबकि नवीन यादव कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुने गए हैं। इसी प्रकार, ईश्वरम्मा यादव को यदगिरिगुट्टा मंदिर बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री ने समुदाय को आश्वासन दिया कि भविष्य में भी उन्हें प्रतिनिधित्व में उनका उचित हिस्सा मिलता रहेगा।

उन्होंने कहा कि यादव समुदाय के आत्मसम्मान की रक्षा करना भी सरकार की जिम्मेदारी है और साथ ही यह भी बताया कि यदगिरिगुट्टा स्थित गौशाला में गायों की सुरक्षा के लिए व्यवस्था की जा रही है।

हैदराबाद के विकास में यादव समुदाय के योगदान पर प्रकाश डालते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि ऐतिहासिक गोलकोंडा किले को अतीत में 'गोल्लमकोंडा' के नाम से भी जाना जाता था।उन्होंने कहा कि सरकार ने यादव समुदाय को मान्यता देते हुए सदर उत्सव के लिए 5 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं और इसे राज्य उत्सव का दर्जा दिया है।

उन्होंने कहा कि सदर सम्मेलन केवल एक सामुदायिक उत्सव नहीं है, बल्कि यह तेलंगाना भर के लोगों के आत्मसम्मान को दर्शाने वाला त्योहार भी है। हैदराबाद के बहुसांस्कृतिक स्वरूप में यादव समुदाय के योगदान को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समुदाय के सदस्यों ने देश के विभिन्न हिस्सों से शहर में आकर बसने वाले लोगों का स्वागत और अभिनंदन किया था। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने सदर सम्मेलन को राज्य उत्सव घोषित करके समुदाय के योगदान को मान्यता दी है। रेवंत रेड्डी ने यह भी कहा कि तेलंगाना ने जाति जनगणना कराई है, जो देश के बाकी हिस्सों के लिए एक मिसाल बन गई है।

अलवाल रैथु बाज़ार के किसानों ने विस्थापन से राहत की मांग की

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता) । ऐतिहासिक अलवाल रैथु बाजार पर निर्भर लगभग 1,500 किसान परिवारों ने मलकाजगिरि सांसद ईटाला राजेंद्र से एक एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना के लिए बाजार को खाली करने के प्रस्तावों के मद्देनजर अपनी आजीविका की रक्षा करने की अपील की है। किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को सांसद से मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सौंपकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। 26 जनवरी, 1999 को स्थापित यह 26 साल पुराना बाजार मेडचल, सिद्दिपेट, मेडक और नालगोंडा जिलों से प्रतिदिन आने वाले किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रत्यक्ष उपभोक्ता केंद्र के रूप में कार्य करता है। किसानों ने अधिकारियों से विस्थापन पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि यदि विस्थापन अपरिहार्य है, तो सैकड़ों कृषि परिवारों के लिए गंभीर आर्थिक संकट को रोकने के लिए अलवाल के निकटवर्ती क्षेत्र में ही एक वैकल्पिक स्थल आवंटित किया जाना चाहिए।

भाजपा ने स्थानीय प्रशासन की हड़ताल का समर्थन किया

तत्काल समाधान की मांग की

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता) । भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने मांग की है कि कांग्रेस सरकार और उस्मानिया विश्वविद्यालय के अधिकारी हड़ताल पर बैठे गैर-शिक्षण कर्मचारियों की संयुक्त कार्य समिति (जेएसी) के साथ तुरंत बातचीत करें और उनके लंबे समय से लंबित मुद्दों का समाधान करें।

विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के बाहर विरोध शिविर का दौरा करते हुए, राव ने पेंशन लाभों की बहाली, सेवाओं के नियमितीकरण, बेहतर वेतन और स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग कर रहे गैर-शिक्षण, तकनीकी, समय-सीमा और संविदा कर्मचारियों के साथ एकजुटता व्यक्त की।उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन की इस बात के लिए आलोचना की कि वह उन कर्मचारियों की उपेक्षा कर रहा है जिन्होंने दशकों तक संस्थान में कम वेतन पर, बिना नौकरी की सुरक्षा या पर्याप्त सेवानिवृत्ति लाभों के सेवा की है।

उन्होंने विशेष रूप से समान काम के लिए समान वेतन लागू करने और संविदा और समय-सीमा वाले कर्मचारियों को उनकी 25-30 वर्षों की सेवा के बावजूद नियमित न करने पर सवाल उठाया। राव ने 2001 और 2004 के बीच नियुक्त कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को बहाल करने, 2004 के बाद नियुक्त कर्मचारियों के लिए सीपीएस लागू करने, एलआईसी से जुड़ी पेंशन प्रणाली को रद्द करने, चिकित्सा प्रतिपूर्ति को 10,000 रुपये से बढ़ाकर 30,000 रुपये करने और लंबित पदोन्नति और विभागीय अधिसूचनाओं को मंजूरी देने की मांग की।भाजपा नेता ने विरोध प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की निंदा की और प्रशासन की मनमानी के उदाहरण के रूप में पूर्व एसोसिएशन अध्यक्ष प्रोफेसर मनोहर के निलंबन का हवाला दिया। राव ने विश्वविद्यालय से अपने जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय की गरिमा की रक्षा करना उनका दायित्व है।

उन्होंने विश्वविद्यालय से एमए और एलएलबी की पढ़ाई की थी और उनके पिता भी वहां प्रोफेसर थे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कर्मचारियों की मांगों को तुरंत पूरा नहीं किया गया तो भाजपा उनके आंदोलन को और अधिक समर्थन देगी। भाजपा के प्रदेश महासचिव गौतम राव, पूर्व प्रोफेसर, छात्र नेता, विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि और ओयू जेएसी के नेता उनके साथ थे।

रिश्वत लेने वाला पुलिस अधिकारी गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता) । भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को आदिलाबाद जिले के बाजारहथनूर पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर जी. रमेश को एक शिकायतकर्ता से आधिकारिक लाभ पहुंचाने के बदले 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। एसीबी के अनुसार, जांच अधिकारी ने पहले 50,000 रुपये की मांग की और बाद में इसे घटाकर 40,000 रुपये कर दिया ताकि शिकायतकर्ता को बीएनएस की धारा 194 के तहत एक अविवाहित महिला की संदिग्ध आत्महत्या के मामले में फंसाने से बचा जा सके। उस पर यह भी आरोप है कि उसने शिकायतकर्ता का मोबाइल फोन लौटाने के लिए पैसे मांगे थे, जिसे उसने अपने पास रख लिया था। खबरों के मुताबिक, मृतक महिला ने अपनी मृत्यु से पहले शिकायतकर्ता को आखिरी बार फोन किया था।

बताया जाता है कि जांच अधिकारी ने इसी बात का फायदा उठाकर शिकायतकर्ता को रिश्वत न देने पर मामले में फंसाने की धमकी दी। जाल बिछाने की कार्रवाई के दौरान, सहायक जासूस ने शिकायतकर्ता को गाँव के बाहरी इलाके में निर्माणाधीन पेट्रोल पंप के पास सेंटरिंग बॉक्स के नीचे पैसे रखने का निर्देश दिया। शिकायतकर्ता ने उसके निर्देशों का पालन किया, जिसके बाद एसीबी ने अधिकारी को पकड़ लिया। आरोपी अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया है और न्यायिक हिरासत के लिए उसे करीमनगर स्थित एसपीई और एसीबी मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा। मामले की जांच चल रही है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी गई है।

भट्टी ने एफआईसीसी के साथ मजबूत साझेदारी का आह्वान किया

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता) । उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क ने तेलंगाना को उद्योग और व्यापार का प्रवर्तक बताया है और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफआईसीसी) से राज्य के साथ अपने सहयोग को मजबूत करने का आह्वान किया है, क्योंकि राज्य 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में काम कर रहा है। बुधवार को बेगमपेट के आईटीसी काकातिया होटल में आयोजित समारोह और तेलंगाना डीप-टेक लीडरशिप समिट में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना निवेशक-अनुकूल नीतियों और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के माध्यम से औद्योगिक विकास को गति दे रहा है। शिखर सम्मेलन में दीप तकनीक पर केंद्रित चर्चा के बीच, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना के पास इस क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरने की मजबूत नींव है। उन्होंने कहा, "हैदराबाद में सॉफ्टवेयर, फार्मास्यूटिकल्स, जैव प्रौद्योगिकी, एयरोस्पेस और इंजीनियरिंग जैसी विभिन्न क्षमताएं मौजूद हैं। हमारी क्षमताएं इन सभी को एक साथ काम करने के लिए प्रेरित करने में निहित हैं।" उपमुख्यमंत्री ने उद्योग जगत के नेताओं, व्यवसायों और निवेशकों को भारत फ्यूचर सिटी में दिसंबर में आयोजित होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि सरकार न केवल अनुसंधान और औद्योगिक विकास में निवेश कर रही है, बल्कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी पर भी जोर दे रही है। उन्होंने डीपटेक सेक्टर में फंडिंग और रिसर्च से लेकर प्रोडक्ट डेवलपमेंट और कमर्शियल प्रोडक्शन तक निर्बाध रास्ते स्थापित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

मुख्यमंत्री के चेरुवु स्थलों के दौरे से पहले सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता) । साइबराबाद के पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश ने बुधवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की प्रस्तावित यात्रा से पहले माधापुर पुलिस स्टेशन सीमा के अंतर्गत सुन्नम चेरुवु और थम्मिडिकुंटा चेरुवु में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान, आयुक्त ने मुख्यमंत्री की यात्रा के सुचारू और सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए बंदोबस्त व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा उपायों की समीक्षा की। उनके साथ कुकटपल्ली जोन के डीसीपी रितराज, माधापुर के एसीपी च. श्रीधर, डिटेक्टिव इंस्पेक्टर पी. रमेश और अन्य यातायात पुलिस अधिकारी भी थे। डॉ. रमेश ने संबंधित अधिकारियों और पुलिस कर्मियों को प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने और यात्रा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने का निर्देश दिया।



पटाखों से आंखों को होने वाली चोटों को लेकर सावधानी बरतने की सलाह



हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिवाली के जश्न में अब कुछ ही दिन बचे हैं, ऐसे में नेत्र रोग विशेषज्ञों ने लोगों से पटाखे जलाते समय सावधानी बरतने की अपील की है।

नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. नव्या चेरुकुरी बताती हैं कि पटाखों से आंखों में मामूली जलन और खरोंच से लेकर गंभीर चोटें लग सकती हैं। इनमें कॉर्निया को नुकसान, आंख के अंदर खून बहना, मोतियाबिंद (ट्रॉमेटिक मोतियाबिंद), रेटिना को नुकसान और यहां तक कि हमेशा के लिए दृष्टि चले जाना भी शामिल है।

पटाखे हमेशा अधिकृत निर्माताओं से ही खरीदें और यह सुनिश्चित करें कि उन्हें दो दिनों तक धूप में अच्छी तरह सुखाया गया हो। पटाखों को कार्डबोर्ड के डिब्बों में रखें, बच्चों की पहुंच से दूर रखें और गैस सिलेंडर या तेल के डिब्बों जैसी आग पकड़ने वाली चीजों से दूर रखें। जब बच्चे पटाखे चला रहे हों, तो हमेशा उन पर कड़ी नजर रखें।

डॉ. नव्या चेरुकुरी आगे कहती हैं, कुछ आसान सावधानियां बरतने से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि सभी के लिए दिवाली का जश्न सुरक्षित और आनंदमय बना रहे।

महेश्वरम मेडिकल कॉलेज संकट को लेकर हरीश राव ने कांग्रेस की आलोचना की



हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता) । पूर्व मंत्री और बीआरएस विधानसभा दल के उप नेता टी. हरीश राव ने महेश्वरम सरकारी मेडिकल कॉलेज में बुनियादी ढांचे की कमी को लेकर कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की है और छात्रों के शैक्षणिक भविष्य की रक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की है। हरीश राव ने पूर्व मंत्री पी सबिता इंदिरा रेड्डी, पूर्व विधायक मंचिरेड्डी किशन रेड्डी और बीआरएस के महासचिव क्यामा मल्लेश के साथ इब्राहिमपटनम निर्वाचन क्षेत्र के मंगलपल्ली में छात्रों के विरोध शिविर का दौरा किया और छात्रों और अभिभावकों से बातचीत की। बीआरएस नेता ने आरोप लगाया कि भवन का किराया, बिजली और पानी के बिल 26 महीनों से बकाया होने के कारण छात्र परेशान हैं, साथ ही पीने का पानी, शौचालय, प्रयोगशाला, पुस्तकालय और छात्रावास जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने भवन में पर्याप्त संख्या में लोगों के न होने, अग्नि सुरक्षा और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मंजूरी न मिलने का मुद्दा भी उठाया और दावा किया कि परिसर में सांप, सूअर, कुत्ते और बंदर घूम रहे हैं। सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए हरीश राव ने पूछा कि सरकार मूसी नदी के सौंदर्यीकरण और फ्यूचर सिटी जैसी परियोजनाओं पर भारी खर्च की घोषणा कैसे कर सकती है, जबकि वह मेडिकल छात्रों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने में विफल रही है। उन्होंने याद दिलाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने कॉलेज के लिए 25 एकड़ भूमि आवंटित की थी, भवनों और छात्रावासों के लिए 182 करोड़ रुपये स्वीकृत किए थे और 400 बिस्तरों वाले अस्पताल की आधारशिला रखी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से तीन वर्षों से निर्माण कार्य रुका हुआ है। उन्होंने तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए बस सुविधा, पीने का पानी और शौचालय उपलब्ध कराने के साथ-साथ छात्रों के वाहनों को परिसर में प्रवेश की अनुमति देने की भी मांग की। उन्होंने यह भी मांग की कि जिला कलेक्टर और चिकित्सा शिक्षा निदेशक विरोध शिविर का दौरा करें और छात्रों से बातचीत करें। हरीश राव ने आगे मांग की कि कॉलेज को दो महीने के भीतर वनस्थलीपुरम या एलबी नगर टीआईएमएस के आसपास के किसी सरकारी या किराए के भवन में पर्याप्त सुविधाओं के साथ स्थानांतरित किया जाए। उन्होंने सरकार से लिखित आश्वासन की मांग की और स्थायी समाधान मिलने तक बीआरएस के निरंतर समर्थन का वादा किया।

ताड़ी में बीजेडओ मिलाकर बेचने के आरोप में चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेडक जिले में ईगल फोर्स और मेडक ग्रामीण पुलिस ने पांच ताड़ी की दुकानों और एक डिपो पर छापेमारी की। इस दौरान ताड़ी में बेंजोडायजेपाम (बीजेडओ) जो एक प्रतिबंधित साइकोट्रोपिक पदार्थ है मिलाकर बेचने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। टीमों ने 15 बक्सों में रखी 180 ताड़ी की बोतलें (जिनकी कोई घोषणा नहीं की गई थी) और चार मोबाइल फोन जब्त किए। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान बुचमोल्ला वीरेशम गौड़, कलाली किशन गौड़, कोथापल्ली नारा गौड़ और कोथापल्ली लक्ष्मण गौड़ के रूप में हुई है। ये सभी बुरुगुपल्ली के रहने वाले हैं।

ताड़ी में मिलावट की पक्की सूचना मिलने पर, तेलंगाना की ईगल फोर्स के रीजनल नारकोटिक्स कंट्रोल सेल ने मेडक ग्रामीण पुलिस के साथ मिलकर कार्रवाई की। उन्होंने मेडक जिले के हवेली घनपुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले बुरुगुपल्ली और वाडी गांवों में ताड़ी की दुकानों पर एक साथ छापेमारी की।

ईगल फोर्स के निदेशक संदीप शांडिल्य ने बताया कि इस ऑपरेशन के दौरान ताड़ी पीने वाले आठ लोगों का टेस्ट किया गया, जिसमें सभी के शरीर में बीजेडओ पाया गया। इन लोगों को मिलावटी ताड़ी पीने के नुकसान के बारे में समझाया गया और पुनर्वास के लिए नशा मुक्ति केंद्रों में भेज दिया गया। हवेली घनपुर पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट और तेलंगाना आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत पांच मामले दर्ज किए गए हैं।

दो अन्य संदिग्ध, पदमाती श्रीनिवास गौड़ और कोंडा श्रीनिवास गौड़, अभी भी फरार हैं। पुलिस उन्हें खोजने और उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई करने की कोशिश कर रही है।

निज़ामाबाद में 13 खाद्य प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित

हैदराबाद, 4 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी फॉर फूड एंड एसेंशियल ड्रग्स (टीजी सेफ) ने निज़ामाबाद ज़िले में 13 खाद्य प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। निरीक्षण के दौरान इन प्रतिष्ठानों में खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन पाया गया। जनहित और लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए, इन प्रतिष्ठानों को तुरंत अपना कामकाज बंद करने का निर्देश दिया गया है। मंगलवार को, खाद्य सुरक्षा अधिकारियों और पुलिस कर्मियों की 14 प्रवर्तन टीमों ने मसाले, पैक्ड ड्रिंकिंग वॉटर, मिठाइयाँ और अन्य खाद्य उत्पाद बनाने वाले 28 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, अधिकारियों को अस्वच्छ रसोई, कॉकरोच और चूहों का प्रकोप, एक्सपायर हो चुके खाद्य उत्पाद, ख़राब सब्ज़ियाँ, खाद्य सामग्री को गलत तरीके से स्टोर करना, और बिना सुरक्षा उपकरणों के काम करते हुए कर्मचारी मिले।

कई इकाइयों में खाद्य सामग्री को ढकने के लिए अख़बारों का इस्तेमाल किया जा रहा था और खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करते हुए खुले मसाले बेचे जा रहे थे। जिन प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं, उनमें एलपी प्रोडक्ट्स, ज़ुनेरा फैमिली रेस्टोरेंट, छप्पन भोग स्वीट्स, कुरेशिया होटल, वॉटर सॉल्यूशन कंपनी, जनता ट्रेडर्स, इरा फूड्स एंड बेवरेजेज़, सुखजीत स्टार्च मिल्स, श्री अयप्पा ट्रेडर्स, राधे मिठाई वाटिका, श्री राधे एंटरप्राइजेज़, मोग फूड्स और क्वालिटी स्वीट्स एंड चिक्की शामिल हैं।

अधिकारियों ने मिलावट के संदेह में 26 नमूने लिए और 17.28 लाख रुपये मूल्य की 9,645 किलोग्राम खाद्य सामग्री को ज़ब्त किया या नष्ट कर दिया। चार प्रतिष्ठानों - महाराजा स्वीट एंड बेक्स, पंचवटी स्वीट्स, शिव शक्ति आइसक्रीम और सागर बेकरी - को लाइसेंस के बिना काम करने के कारण बंद कर दिया गया।

12 प्रतिष्ठानों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए, जबकि तीन अन्य को सुधार नोटिस दिए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि नियमों के उल्लंघन और अनुपालन की स्थिति के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी, जिसमें जुर्माना लगाना भी शामिल हो सकता है।





Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.